वर्ष-14 - अंक 139
पृष्ट-08 मूल्य : 02 रुपया

सीतापुर
शुक्रवार,28 अगस्त 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

यूजीसी बिल के विरोध में प्रदर्शन, आर्थिक आधार 3

कुदरत के रौद्र रूप के आगे इंसान का अहंकार बौना..... 4

न्यू स्टैण्डर्ड पब्लिक स्कूल सलेथू में हर्षोल्लास से मनाया गया 08

नेपाल में फिर मंडराया बाढ़ का खतरा, चीन ने जारी की चेतावनी

काठमांडू(एजेंसी)। नेपाल में बुधवार को आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन से हुई तबाही के बाद हालात अभी पूरी तरह सामान्य भी नहीं हुए हैं कि एक बार फिर बड़े सैलाब का खतरा मंडराने लगा है। चीन की ओर से भोटेकोशी नदी में संभावित भीषण बाढ़ को लेकर चेतावनी जारी की गई है। रसुवागढ़ी सीमा से करीब 18 किलोमीटर ऊपर ल्हेंदे नदी क्षेत्र में भारी भूस्खलन के कारण नदी का पानी रुक गया है। इससे वहां पानी का एक बड़ा प्राकृतिक जलाशय बन गया है। यदि यह जलाशय अचानक टूटता है तो भोटेकोशी नदी में तेज बहाव के साथ भारी बाढ़ आ सकती है। संभावित खतरे को देखते हुए प्रशासन ने नदी के किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने तथा सुरक्षित स्थानों की ओर जाने के निर्देश दिए हैं। बचाव और राहत एजेंसियों को भी किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। लगातार बारिश और पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की घटनाओं के कारण स्थिति और गंभीर बनी हुई है। नेपाल पुलिस के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार बुधवार को आई विनाशकारी बाढ़ और उससे जुड़ी घटनाओं में अब तक 359 लोगों की मौत हो चुकी है। देश के आठ अलग-अलग जिलों से शव बरामद किए गए हैं। इनमें चितवन जिला सबसे अधिक

प्रभावित बताया जा रहा है, जहां अकेले 132 शव बरामद किए जा चुके हैं। राहत और बचाव दल लगातार प्रभावित इलाकों में तलाशी अभियान चला रहे हैं। आपदा के बाद बड़ी संख्या में लोग अब भी लापता हैं। अधिकारियों के अनुसार करीब 1500 लोगों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। लापता लोगों में 288 भारतीय नागरिक भी शामिल बताए जा रहे हैं। इस बीच राहत दलों ने अब तक 21 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है, जिनमें से 11 की पहचान की जा चुकी है। अन्य लोगों की तलाश के लिए अभियान जारी है। बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित त्रिशूली और भोटेकोशी नदी के आसपास के क्षेत्रों में नेपाली सेना, पुलिस तथा स्थानीय प्रशासन की टीमें लगातार राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। प्रभावित क्षेत्रों में मलबा हटाने के लिए भारी मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि नदी और जलमग्न इलाकों में नावों की मदद से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। कई स्थानों पर सड़कें और संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त होने से बचाव दलों को घटनास्थल तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद प्रशासन का दावा है कि राहत एवं बचाव अभियान को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। बुधवार सुबह करीब 8:37 बजे नेपाल-चीन सीमा के पास तेज झटका महसूस किया गया था। शुरुआती आकलन में इसे अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) की ओर से 4.4 तीव्रता का भूकंप बताया गया था। हालांकि बाद में विस्तृत जांच के बाद स्पष्ट किया गया कि यह प्राकृतिक भूकंप नहीं था। बताया गया कि पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा बर्फ और चट्टानों के साथ अचानक ल्हेंदे खोला नदी में आ गिरा था। इस बड़े भूस्खलन के कारण पैदा हुए कंपन की तीव्रता करीब 5.2 तीव्रता के भूकंप के समान महसूस हुई। पहाड़ का बड़ा हिस्सा नदी में गिरने से पानी और मलबे की तेज लहरें उठीं और आसपास के इलाकों में तेजी से फैल गईं। भूस्खलन के बाद नदी में उठी पानी और मलबे की लहरें करीब 30 फीट तक ऊंची बताई जा रही हैं। तेज गति से आगे बढ़ी इन लहरों ने रास्ते में आने वाले गांवों, मकानों और अन्य ढांचों को भारी नुकसान पहुंचाया। कई इलाकों में घर मलबे में तब्दील हो गए, जबकि बड़ी संख्या में लोग अचानक आई आपदा के कारण प्रभावित हुए। अब नए जलाशय के बनने से प्रशासन की चिंता और बढ़ गई है। यदि पहाड़ी क्षेत्र में भूस्खलन से रुका पानी अचानक बाहर निकलता है तो भोटेकोशी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ सकता है। इससे पहले से प्रभावित नदी किनारे के इलाकों में दोबारा बाढ़ का गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। लापता भारतीय नागरिकों को लेकर भी भारतीय और नेपाली एजेंसियां संपर्क में हैं। 288 भारतीयों के लापता होने की सूचना के बाद उनके परिजनों में चिंता बढ़ गई है।

बिहार में छात्रों की मांगों पर सरकार का बड़ा फैसला, टीआरई-4 परीक्षा एकल चरण में होगी

पटना(एजेंसी)। बिहार में प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों और राज्य सरकार के बीच गुरुवार को हुई वार्ता के बाद कई महत्वपूर्ण मांगों पर सहमति बनी। शिक्षा विभाग के सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में छात्र प्रतिनिधिमंडल की सभी लिखित मांगों पर बिंदुवार चर्चा की गई। बैठक के बाद छात्रों ने सर्वसम्मति से आंदोलन समाप्त करने का निर्णय लिया। बैठक में सबसे महत्वपूर्ण निर्णय शिक्षक भर्ती परीक्षा टीआरई-4 को लेकर हुआ। सरकार ने छात्रों की एकल परीक्षा आयोजित करने की मांग स्वीकार कर ली है। साथ ही 'एक अभ्यर्थी, एक परिणाम' के संदर्भ में नियमानुसार आगे की कार्रवाई करने पर भी सहमति बनी है। सरकार ने 70वीं बीपीएससी परीक्षा की पारदर्शिता से जांच, बिहार कर्मचारी चयन आयोग की भर्ती परीक्षाओं के समयबद्ध आयोजन, 1,799 दरोगा पदों की भर्ती परीक्षा की जांच तथा सहायक प्राध्यापक नियुक्ति से पहले बिहार पात्रता परीक्षा आयोजित करने की मांग पर भी निर्णय लिया। परीक्षा सुधार के लिए पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित होने वाली विशेषज्ञ समिति के समक्ष शिकायतकर्ताओं को साक्ष्य के साथ अपना पक्ष और सुझाव रखने का अवसर दिया जाएगा। समिति की अनुशंसा के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। 1,799 दरोगा भर्ती की अग्रेतर प्रक्रिया भी समिति की रिपोर्ट

के बाद ही की जाएगी। वहीं, बिहार कर्मचारी चयन आयोग द्वारा जल्द परीक्षा कैलेंडर जारी कर समय पर परीक्षाएं कराने की कार्रवाई की जाएगी। बैठक में पुस्तकालयाध्यक्षों की रिक्तियों के अनुरूप बहाली प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने पर भी सहमति बनी। संविदा कर्मियों को भर्ती प्रक्रियाओं में अंक या वेटेज दिए जाने की स्थिति में अलग कोटा निर्धारित करने के मुद्दे पर उच्चस्तरीय समिति बनाकर सरकार के प्रावधानों के आलोक में विचार किया जाएगा। बिहार की सभी भर्ती प्रक्रियाओं में अधिकतम डोमिसाइल नीति लागू करने के संबंध में न्यायविद से प्राप्त परामर्श के अनुरूप नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। भर्ती परीक्षाओं में अधिकतम उम्र सीमा से जुड़े प्रस्ताव को भी समिति के समक्ष विचार के लिए रखने पर सहमति बनी। सरकार ने बीपीएससी की तर्ज पर आयोजित होने वाली भर्ती परीक्षाओं में प्रश्नपत्र, ओएमआर शीट और उत्तर पुस्तिका से जुड़ी पारदर्शिता सुनिश्चित करने का प्रस्ताव भी विशेषज्ञ समिति के समक्ष रखने पर सहमति जताई। वहीं, बीपीएससी द्वारा आयोजित एईडीओ, सेनेटरी सहित परीक्षाओं में पेपर लीक की निष्पक्ष जांच के लिए आर्थिक अपराध इकाई द्वारा नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि छात्रों की मांगों को लेकर सरकार शुरू से गंभीर रही है। उन्होंने कहा कि इस बार टीआरई-4 परीक्षा एकल चरण में आयोजित की जाएगी और छात्रों की मांगों के संबंध में नौ अन्य महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने विभिन्न परीक्षाओं में सुधार के लिए 'परीक्षा सुधार पर एक विशेषज्ञ समिति' गठित की है। पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली यह समिति परीक्षाओं से संबंधित छात्रों की शिकायतों की भी सुनवाई करेगी।

संक्षिप्त खबरें

पंजाब यूनिवर्सिटी में प्रोजेक्ट असिस्टेंट समेत कई पदों पर भर्ती

चंडीगढ़। पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए चंडीगढ़ के 'स्टेट सपोर्ट मिशन' के तहत 'लीड नॉलेज इंस्टीट्यूशन' के रूप में प्रोजेक्ट असिस्टेंट और प्रोजेक्ट एसोसिएट समेत विभिन्न अस्थायी पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक और योग्य अभ्यर्थियों का चयन वॉक-इन इंटरव्यू और दस्तावेज सत्यापन के आधार पर किया जाएगा। विश्वविद्यालय की ओर से जारी भर्ती में प्रोजेक्ट असिस्टेंट के तीन और प्रोजेक्ट एसोसिएट के तीन पद शामिल हैं। चयनित अभ्यर्थियों को पद के अनुसार 6,000 रुपये से लेकर 30,625 रुपये प्रतिमाह तक मानदेय दिया जाएगा। इसके अलावा नियमानुसार अन्य लाभ और भत्ते भी मिल सकते हैं। इन पदों के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से संबंधित विषय में स्नातक अथवा परास्नातक की डिग्री होनी चाहिए। शैक्षणिक योग्यता में कम से कम 55 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए हैं। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे साक्षात्कार में शामिल होने से पहले भर्ती अधिसूचना में दी गई पात्रता एवं अन्य शर्तों को ध्यानपूर्वक जांच लें।

हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटका मिला छात्र का शव

जयपुर। राजस्थान के जयपुर के पास स्थित एनआईएमएस विश्वविद्यालय के छात्रावास में 20 वर्षीय छात्र का शव कमरे में फंदे से लटका मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के लोटेसर निवासी मोहित सैनी के रूप में हुई है। वह विश्वविद्यालय में सीपीटी द्वितीय वर्ष का छात्र था और सनराइज हॉस्टल में रह रहा था। पुलिस के अनुसार, बुधवार देर रात साथी छात्रों को मोहित के बंद कमरे से तेज दुर्गंध आने पर संदेह हुआ। छात्रों ने तत्काल चंदवाजी पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम छात्रावास पहुंची और बंद कमरे का ताला खुलवाया। कमरे के अंदर मोहित का शव फंदे से लटका मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एनआईएमएस अस्पताल भेज दिया। चंदवाजी थाना प्रभारी राजबीर सिंह के अनुसार, शव की स्थिति और कमरे से आ रही दुर्गंध के आधार पर प्रथम दृष्टया आशंका है कि छात्र की मौत घटनास्थल का पता चलने से करीब एक-दो दिन पहले हुई होगी।

जनता भाजपा सरकार की दी महंगाई से त्रस्त और मुख्यमंत्री पंजाब में मस्त : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़(एजेंसी)। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बढ़ती महंगाई को लेकर भाजपा सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में दिनों-दिन महंगाई आसमान को छू रही है और खाने-पीने वाली चीजों से लेकर रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के दाम तेजी से बढ़ रहे है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को चीनी के दाम दो रूपए बढ़ने पर संसद में जवाब देना पड़ा था, लेकिन आज 20 से 25 रुपए तक चीनी के दाम बढ़ने पर भी सरकार चुप बैठी है। अंतरराष्ट्रीय कीमतों की गिरावट के बावजूद गैस, पेट्रोल-डीजल के दाम घटाए नहीं जा रहे है। वीरवार को दुष्यंत चौटाला जींद जिले के दौरे के दौरान पत्रकारों से रूबरू थे। उन्होंने किसानों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इस बार बरसात कम होने के चलते किसानों को फसल के कम उत्पादन की चिंता सता रही है, ऐसे में सरकार को इसको लेकर गंभीरता से कदम उठाना चाहिए। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने सवाल खड़ा किया है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के पास प्रदेश की जनता की

समस्याएं और कर्मचारियों की मांगे सुनने का समय क्यों नहीं है ? उन्होंने कहा कि सीएम अपनी विफलताओं का ठीकरा दूसरे नेताओं पर फोड़ रहे है। दुष्यंत चौटाला ने ये भी कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हड़ताली सफाई कर्मचारियों से वार्ता करने के लिए राजी नहीं है। पुलिस के पहरे में आज शहरों में कचरा उठाया जा रहा है। दूसरी तरफ पटवारी और कानूनगो भी हड़ताल पर बैठे है। आज प्रदेश के ऐसे खराब हालात इसलिए बने है क्योंकि सीएम किसी से वार्ता नहीं चाहते है। दुष्यंत ने कहा कि मुख्यमंत्री सुबह-शाम पूर्व सरकारों को कोसने की बजाय प्रदेश के खराब हालातों पर ध्यान दें। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि प्रदेश का 70 प्रतिशत राजस्व एकत्रित करने वाले जिला गुरुग्राम के थोड़ी देर की बरसात में ही हाल बेहाल हो जाते है, इसके लिए कौन जिम्मेदार है ? हरियाणा में शुरू हुए विधानसभा मानसून सत्र के सवाल पर दुष्यंत चौटाला ने कहा कि भाजपा सरकार विधानसभा और संसद की गरिमा को तार-तार कर रही है। पिछले कई वर्षों से विधानसभा सत्रों को देखकर यही लगता है कि भाजपा लोकतंत्र को चर्चा से दूर करती जा रही है। जब तक चर्चा नहीं होगी, तब तक सुझाव नहीं आएंगे और सुझाव नहीं आएंगे तो देश आगे नहीं बढ़ेगा। एक सवाल के जवाब में दुष्यंत चौटाला ने कहा कि अगर कोई घोटाला हुआ था तो हाईकोर्ट ने 3206 जेबीटी शिक्षकों को नौकरी, रिटायरमेंट के सभी फायदे क्यूं दिए ? उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों के घरों में चूल्हा जलाने के लिए पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला और डॉ अजय सिंह चौटाला तो सजा काट आए, लेकिन इस देश में कानून कोर्ट से निर्धारित होते है और कोर्ट ने आज 3206 शिक्षकों की भर्ती को मान्य करार दिया है। अगर मुख्यमंत्री के पेट में इतना ही दर्द हो रहा है तो वे हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट चले जाए, उनकी सरकार है।

जोधपुर में खाद्य सुरक्षा टीम का निरीक्षण, 60 कचौड़ियां मौके पर नष्ट

जोधपुर। त्योहारी सीजन को देखते हुए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जोधपुर में खाद्य सुरक्षा विभाग का निरीक्षण अभियान जारी है। इसी क्रम में 26 अगस्त को , खेमा का कुआं/पाल रोड पर टीम ने निरीक्षण किया। कचौड़ी निर्माण में इस्तेमाल हो रहे तेल की TPC मीटर से जांच की गई, जिसमें रीडिंग 56 दर्ज हुई। विभागीय टीम ने मौके पर करीब 60 कचौड़ियां और संबंधित तेल नष्ट करवाया। निरीक्षण के दौरान कुछ पैक खाद्य सामग्री पर लेबल, बैच नंबर और निर्माण तिथि से संबंधित कमियां भी सामने आई। साथ ही कुछ आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं पाए गए। इसके बाद जोधपुर स्वीट्स, सरदारपुरा से काजू कतली और केसर पेड़ा के नमूने जांच के लिए लिए गए। वहीं विनायक फूड प्रोसेसिंग, सालावास से कलाकंद और विनायक हलवा के नमूने भी प्रयोगशाला भेजे गए।

विभाग के अनुसार संबंधित प्रतिष्ठानों को कमियों में सुधार के लिए नोटिस जारी किए जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

त्योहारी खरीदारी के दौरान खाद्य सामग्री की पैकिंग, लेबल और गुणवत्ता की जानकारी जरूर जांचें।

पेपर लीक पर हो कड़ी कार्रवाई, शिक्षा माफियाओं पर कसें शिकंजा : देवेंद्र नाथ महतो

गिरिडीह (एजेंसी)। झारखंड में भर्ती व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर अभ्यर्थी न्याय मंच की ओर से 24 संकल्प के साथ 24 जिलों के लिए निकाली जा रही 'भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा' गिरिडीह पहुंच गई है। इस यात्रा का नेतृत्व छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो कर रहे हैं। यात्रा का उद्देश्य जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को उजागर करना और राज्य की भर्ती प्रक्रिया को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना है। छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने आईएएनएस से कहा कि उनकी लड़ाई झारखंड की भर्ती व्यवस्था को पूरी तरह से भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की है। उन्होंने कहा, 'झारखंड की भर्ती व्यवस्था भ्रष्टाचार मुक्त होगी। यहां पर पेपर लीक बंद होगा, यहां पर किसी तरह की पैरवी-पहचान से नौकरी बंद होगी, यहां पैसे से नहीं बल्कि मेहनत से नौकरी मिलेगी, यहां पहचान से नहीं बल्कि योग्यता के आधार पर नौकरी मिलेगी, यह भ्रष्टाचार से नहीं बल्कि पारदर्शिता के आधार पर नौकरी मिलेगी और अगर गलती से कोई पेपर लीक, भ्रष्टाचार या किसी प्रकार की धांधली का प्रयास किया तो उसको पकड़ा जाएगा और आजीवन कारावास की सजा होगी।' वहीं, छात्रों के

प्रदर्शन को मिल रहे समर्थन पर उन्होंने कहा, 'हम लोगों को उम्मीद नहीं थी कि इतना समर्थन मिलेगा क्योंकि जब अपने अधिकार के लिए लड़ते हैं तो कोई भी पीछे खड़ा नहीं होता, फिर भी हम लड़ते हैं, आंदोलन करते हैं। हालांकि जब आंदोलन करने निकल रहे हैं तो हम लोगों को कहीं रोका नहीं जा रहा, लोग बाइक से पहुंच रहे हैं, हाथ दे रहे हैं, मिनटों में भीड़ उमड़ पड़ रही है। 'उन्होंने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ छात्रों के टूटते सपनों को बचाने की नहीं है बल्कि पूरे झारखंड के भविष्य की लड़ाई है। उन्होंने कहा, 'सबका सपना टूट रहा है, टूटते सपने को बचाने की लड़ाई है। यहां सिर्फ स्टूडेंट का सपना नहीं टूट रहा है, जो प्रवासी मजदूर झारखंड से बाहर जाकर रोजी-रोटी कमा रहे हैं, अगर उनके साथ कुछ घटना घटती है तो उसका डेड बॉडी तक अपने घर नहीं पहुंचती है। झारखंड में कई ऐसी घटनाएं हैं, जहां पुतला बनाकर अंतिम संस्कार किया गया है।

नोएडाः मारपीट और जान से मारने की धमकी के मामले में तीन वांछित आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा(एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा के दनकौर थाना पुलिस ने मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में कार्रवाई करते हुए तीन वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों को ग्राम अच्छेजा बुजुर्ग से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नासिर उर्फ सोनू, कासिम और अब्दुल माजिद के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक तीनों आरोपी गाजियाबाद के भोजपुर थाना क्षेत्र स्थित ग्राम तोड़ी के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार, मामले की शुरुआत 24 अगस्त 2026 को हुई थी। ग्राम अच्छेजा बुजुर्ग निवासी तीन युवक आरिफ पुत्र जामर अली, इरफान पुत्र जमशेद अली और नदीम पुत्र शमशाद अली कार से अच्छेजा बुजुर्ग से दनकौर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान ग्राम डूंगरपुर रीलका के पास पीछे से आ रही महेन्द्रा थार कार ने उनकी कार में टक्कर मार दी। बताया गया है कि थार को नासिर उर्फ सोनू चला रहा था। आरोप है कि वाहन को तेज और लापरवाही से चलाते हुए उसने इरफान की

कार में टक्कर मारी। टक्कर के बाद इरफान ने इसका विरोध किया। इसी बात को लेकर नासिर, कासिम और माजिद ने कथित तौर पर इरफान और नदीम के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। आरोप है कि इस दौरान दोनों को जान से मारने की धमकी भी दी गई। घटना के संबंध में पीड़ित पक्ष की ओर से 26 अगस्त 2026 को थाना दनकौर में तहरीर दी गई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। मामले में वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दनकौर पुलिस ने स्थानीय खुफिया तंत्र और बीट पुलिसिंग की मदद ली। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए ग्राम अच्छेजा बुजुर्ग से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में नासिर पुत्र आबिद, उम्र 30 वर्ष, कासिम पुत्र आबिद, उम्र 26 वर्ष और अब्दुल माजिद पुत्र इकबाल, उम्र 30 वर्ष शामिल हैं। तीनों ग्राम तोड़ी, थाना भोजपुर, जनपद गाजियाबाद के निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में से नासिर और कासिम का पूर्व आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। नासिर के खिलाफ वर्ष 2019 में थाना फेस-2, गौतमबुद्धनगर में धारा 393 भारतीय दंड संहिता के तहत मुकदमा अपराध संख्या 46/19 दर्ज रहा है। वहीं, कासिम के खिलाफ वर्ष 2020 में थाना भोजपुर, गाजियाबाद में धारा 323, 324, 504 और 506 भारतीय दंड संहिता के तहत मुकदमा अपराध संख्या 184/20 दर्ज हुआ था।

यूपी में सपा कहीं नहीं, कांग्रेस से हमारी सीधी लड़ाई : ओपी राजभर

वाराणसी(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी और उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में सपा की स्थिति मजबूत नहीं है और उनकी सीधी राजनीतिक लड़ाई कांग्रेस से होगी। राजभर ने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में महिलाओं, युवाओं और बेटियों के लिए लगातार योजनाएं चलाई जा रही हैं। जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र (जेपीएनआईसी) को 30 वर्ष की लीज पर दिए जाने के सवाल पर ओपी राजभर ने कहा कि यह जमीन खाली पड़ी थी और सरकार ने इसे उद्योग लगाने के लिए दिया है। उनके अनुसार, इससे रोजगार के नए

अवसर पैदा होंगे और बड़ी संख्या में युवाओं को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि जेपीएनआईसी किसी व्यक्ति विशेष की संपत्ति नहीं है, बल्कि यह सरकार की संपत्ति है। राजभर ने अखिलेश यादव की ओर से किए जा रहे विभिन्न राजनीतिक वादों पर भी सवाल उठाए और कहा कि केवल वादे करने से सत्ता हासिल नहीं होती। अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए राजभर ने कहा कि सपा अध्यक्ष न तो मुख्यमंत्री बन पाएंगे और न ही उनके द्वारा किए जा रहे वादों को पूरा कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में सरकार जनता के लिए काम कर रही है। महिलाओं के लिए सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए राजभर ने कहा कि महिलाओं को बस यात्रा में राहत दी गई है और 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए आजीवन निःशुल्क बस सेवा की व्यवस्था की गई है। उन्होंने दावा किया कि सरकार महिलाओं के हित में लगातार योजनाएं संचालित कर रही है। राजभर ने कहा कि बेटियों की शिक्षा और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार की ओर से कई स्तरों पर काम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'लखपति दीदी' अभियान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए उनके बैंक खातों में धनराशि भेजी जा रही है और उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के साथ-साथ बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और हरियाणा सहित विभिन्न राज्यों में महिलाओं को योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस अंकल को राखी बांध छात्राओं ने मांगी सुरक्षा -सावन उत्सव में झूमे लोग

रूद्रपुर, देवरिया। विजयम् पब्लिक हाई स्कूल नारायणपुर में गुरुवार को छात्राओं ने राखी उत्सव एवं सावन महोत्सव मनाया। इस अवसर पर थाना एकौना के वरिष्ठ उप निरीक्षक मनीष सिंह यादव सहित पुलिस के जवानों को छात्रों ने राखी बांधकर सुरक्षा मांगी। सावन उत्सव में कजरी का आयोजन भी किया गया। खुशी यादव और जोया साहनी ने कैसे खेलन जयबू सावन में कजरिया, बदरिया घिर आइल ननदी गाकर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उसके बाद गौरा नैहर मत जा गाकर छात्राओं ने शिव भक्ति की याद दिला दिया। विद्यालय में कक्षा 3 से लेकर 10 तक के छात्र-छात्राओं ने राखी बनाया और पुलिस अंकल को बांधा। इस दौरान एस एस आई मनीष यादव ने बच्चों के कला की जमकर सराहना की और उन्हें समाज में सुरक्षित रहने के टिप्स दिए। वही महिला कांस्टेबल रंजू देवी ने मिशन शक्ति के बारे में भी छात्रों को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि लड़कियां असुरक्षित महसूस ना करें वे खतरे की आशंका पर पुलिस को कॉल करें। कार्यक्रम में प्रमुख भूमिका सुनीता भारती व सुप्रिया पांडे की रही। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अश्विनी द्विवेदी ने उपस्थित छात्राओं को और शिक्षकों को रक्षाबंधन त्यौहार की हार्दिक शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में शुभम तिवारी बसंत यादव सुखसागर शुक्ला पंकज राव,के एम उपाध्याय,तारकेश्वर यादव वंदना यादव शिवांगी राव सहित शिक्षक गण एवं छात्राएं मौजूद रहीं।

मनबढ़ों का आतंक दिवाल गिरा मजदूरों को मारपीट कर किया घायल

सहजनवा/गोरखपुर: सहजनवा थाना क्षेत्र के पिपरा में मकान का निर्माण रहे पीड़ित और इनके मजदूरों को आधा दर्जन की संख्या में मनबढ़ों ने हमला बोल दिया। और उन्हें जातिसूचक गालिया देते हुए मारपीट कर घायल कर दिया। मिली जानकारी से हरपुर बूदहट थाना क्षेत्र के बुदहट निवासी गिरिजेश शुक्ला का पिपरा में मकान का निर्माण कार्य चल रहा था। ज्ञानदास, इंद्र कुमार पासी,मेवालाल, टहलु,आदि मजदूर मजदूरी कर रहे थे। उसी दौरान आधा दर्जन की संख्या में मनबढ़ पहुंचे और जातिसूचक गालिया देते हुए। मारते पीटते हुए दिवाल को गिरा दिए। घटना में एक अपराधिक व्यक्ति भी शामिल था। जिस पर कई मुकदमे दर्ज । उसने असलहा लहराते हुए असलहे के बट से मार कर घायल कर दिया। पीड़ित ज्ञानदास ने आधा दर्जन आरोपियों के खिलाफ थाने में तहरीर दे दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस संदर्भ में सीओ गीडा आभा सिंह ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है। जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

मुकेश बने राष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा परिषद का प्रदेश अध्यक्ष

मनकापुर गोण्डा: बभनजोत ब्लॉक के ग्राम पंचायत कचरौली निवासी मुकेश प्रताप मिश्र को राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा परिषद का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुबोध कुमार श्रीवास्तव परिषद में अच्छे कार्य को देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष नियुक्ति किया है। मिश्र भविष्य में संगठन के प्रति अच्छा कार्य कर संगठन को मजबूत करेंगें। मनोनयन पर प्रज्वल प्रताप सिंह जी, धीरज सिंह, बब्लू खान, मनीष मिश्रा, अरविंद यादव, दयाशंकर पांडे ने बधाई दी है।

आईटीआई में प्रवेश के लिए चयनित अभ्यर्थियों को 4 सितंबर तक मौका

देवरिया। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में सत्र 2026 में प्रवेश के लिए प्रथम चरण का चयन परिणाम घोषित कर दिया गया है। चयनित अभ्यर्थी चयन पत्र प्राप्त कर अपने आवंटित संस्थान एवं व्यवसाय में 27 अगस्त से चार सितंबर तक प्रवेश ले सकते हैं। अवकाश के दिनों में भी प्रवेश प्रक्रिया जारी रहेगी। प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान देवरिया केके राम ने बताया कि प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को सभी मूल अभिलेखों की एक-एक प्रमाणित छायाप्रति और दो पासपोर्ट साइज फोटो के साथ संबंधित चयनित संस्थान में उपस्थित होना होगा। उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों से निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है।

पीपीगंज में 50 हजार का इनामी बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। पीपीगंज थाना क्षेत्र में गुरुवार को पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में 50 हजार रुपये के इनामी वांछित बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के बाएं पैर में घुटने के नीचे गोली लगी। घायल बदमाश को पुलिस ने तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा। उसके कब्जे से .12 बोर का अवैध तमंचा, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस और घटना में प्रयुक्त दोपहिया वाहन बरामद किया गया है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी की पहचान पीपीगंज थाना क्षेत्र के भरोहिया गांव निवासी गुड्डू ढाढ़ी पुत्र गोबरी प्रसाद के रूप में हुई है। आरोपी थाना पीपीगंज में वर्ष 2023 में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस ने 50 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

पुलिस के अनुसार गुरुवार को पीपीगंज पुलिस टीम और स्वाट टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि इनामी बदमाश सिसई पुल के आसपास मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी कर उसकी गिरफ्तारी का प्रयास शुरू किया। इसी दौरान पुलिस का आरोप है कि आरोपी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिसकर्मियों ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की। गोली आरोपी के बाएं पैर में घुटने के नीचे लगी, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। बरामदगी के आधार पर पीपीगंज थाने में आरोपी के खिलाफ मुकदमा संख्या 322/2026 दर्ज किया गया है। इसमें बीएनएस की धारा 132, 109 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 3/25/27 के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने बरामद तमंचे, कारतूस और दोपहिया वाहन को कब्जे में ले लिया है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार गुड्डू ढाढ़ी के खिलाफ लंबे समय से आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसके विरुद्ध पीपीगंज थाने में हत्या, लूट, चोरी, गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और गुंडा अधिनियम समेत विभिन्न धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। खलीलाबाद थाने में भी हत्या और आर्म्स एक्ट से संबंधित मुकदमा दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। वर्ष 2004 से उसके खिलाफ लगातार आपराधिक मामले दर्ज होते रहे हैं। कार्रवाई में पीपीगंज थानाध्यक्ष राकेश रोशन सिंह, उपनिरीक्षक अभिषेक कुशवाहा, स्वाट टीम प्रभारी पुरुषोत्तम आनंद सिंह समेत पीपीगंज पुलिस और स्वाट टीम के जवान शामिल रहे।

सीएम के कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर डीएम ने दिए डेडलाइन से पहले काम पूरा करने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। मुख्यमंत्री के 29 अगस्त को प्रस्तावित मझौलीराज कार्यक्रम को लेकर प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने बुधवार को कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को समय से पहले सभी काम पूरा करने के निर्देश दिए।

डीएम ने हेलीपैड निर्माण, मंच, पंडाल, पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सुरक्षा मानकों के अनुरूप पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था करने तथा लोगों को किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए सुविधाजनक स्थान पर पार्किंग तैयार कराने के निर्देश दिए। उन्होंने हेलीपैड से जुड़े कार्यों में तेजी लाने के साथ कार्यक्रम स्थल की साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाएं निर्धारित समय से पहले पूरी कराने को कहा। डीएम ने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि जिसे जो जिम्मेदारी दी गई है, उसका पूरी गंभीरता से निर्वहन किया जाए। निरीक्षण के दौरान ग्राम्य विकास राज्यमंत्री एवं सलेमपुर विधायक विजयलक्ष्मी गौतम, भाटपाररानी विधायक सभाकुंवर, पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर, मुख्य विकास अधिकारी राजेश सिंह समेत लोक निर्माण विभाग, राजस्व और अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बाढ़ के मोर्चे पर जिला प्रशासन अलर्ट, नीचे गिरा गुर्रा- राप्ती का जलस्तर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। बाढ़ की संभावित स्थिति को लेकर प्रशासन ने निगरानी तेज कर दी है। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राम शंकर ने बुधवार को रुद्रपुर तहसील क्षेत्र में बाढ़ चौकियों और नदियों के जलस्तर का औचक निरीक्षण कर जमीनी तैयारियों की हकीकत परखी। एडीएम ने पचलड़ी, करहपुल और पिंडरा स्थित बाढ़ चौकियों का निरीक्षण किया। इस दौरान गुर्रा और राप्ती नदी के जलस्तर की स्थिति की जानकारी लेने के साथ चौकियों पर कर्मचारियों की तैनाती, उपस्थिति और उपलब्ध व्यवस्थाओं की जांच की।

पिंडरा घाट पर गुर्रा नदी का जलस्तर 67.90 मीटर दर्ज किया गया, जो सुबह की तुलना में पांच सेंटीमीटर कम रहा। वहीं राप्ती नदी का जलस्तर 67.20 मीटर दर्ज हुआ, इसमें भी सुबह के मुकाबले पांच सेंटीमीटर की कमी मिली। दोनों नदियों का जलस्तर फिलहाल उतार पर है। एडीएम ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दियाश कि बाढ़ राहत चौकियों पर जरूरी संसाधन और व्यवस्थाएं हर समय दुरुस्त रहें। जलस्तर पर लगातार नजर रखी जाए और किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए सभी तैयारियां पहले से पूरी रखी जाएं। उन्होंने लापरवाही पर सख्त चेतावनी देते हुए जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों को मुस्तैद रहने के निर्देश दिए।

बीआरडी पीजी कॉलेज में खेल गतिविधियों का हुआ आयोजन, विद्यार्थियों ने बढ़- चढ़कर लिया हिस्सा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। बाबा राघवदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस के अंतर्गत विभिन्न खेल गतिविधियों के आयोजन की कड़ी में गुरुवार को खेलों से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्राचार्य प्रो. प्रताप नारायण सिंह के दिशा- निर्देशन में हुई प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र- छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में एमएससी कृषि प्रथम सेमेस्टर के अब्दुल लैश ने प्रथम स्थान हासिल किया। बीएससी कृषि सप्तम सेमेस्टर के सुधीर कुमार द्वितीय तथा इसी कक्षा के अतुल बरनवाल तृतीय स्थान पर रहे। वहीं तनुश्री भास्कर (बीएससी कृषि सप्तम सेमेस्टर) और मुस्कान पटेल (बीएससी गणित तृतीय सेमेस्टर) को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. प्रताप नारायण सिंह ने विद्यार्थियों को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि शारीरिक और मानसिक विकास का महत्वपूर्ण आधार हैं। नियमित खेलकूद से स्वास्थ्य बेहतर रहता है और व्यक्ति में अनुशासन एवं सकारात्मक सोच विकसित होती है। उन्होंने मोबाइल के बढ़ते दुष्प्रभावों का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से खेल मैदान से जुड़ने का आह्वान किया। शारीरिक शिक्षा विभाग के शिक्षक डॉ. अभिनव सिंह ने विद्यार्थियों से खेल और योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन कम से कम एक घंटा खेल गतिविधियों के लिए जरूर देना चाहिए। कार्यक्रम में प्रो. रजनीश कुमार, प्रो. प्रदीप द्विवेदी, प्रो. संध्या उपाध्याय, डॉ. दिलीप शर्मा, डॉ. अमरेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. विजय पाल, डॉ. ओम प्रकाश यादव, डॉ. विवेकानंद , डॉ. शुभम मिश्रा, डॉ. राणा प्रताप सिंह, डॉ. महबूब आलम, डॉ. सानिया त्यागी, रोहित कुशवाहा सहित महाविद्यालय के कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।स-

दहेज प्रताड़ना के आरोप में पति हिरासत में, महिला की मौत

चलती गाड़ी से धकेलने का आरोप, खामपार पुलिस ने शुरू की विधिक कार्रवाई

देवरिया। जिले के खामपार थाना क्षेत्र में दहेज प्रताड़ना के आरोप में एक महिला की मौत का मामला सामने आया है। महिला के पिता ने 26 अगस्त को तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसकी बेटी को पति दहेज के लिए प्रताड़ित करता था। आरोप है कि पति ने महिला को चलती गाड़ी से धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। तहरीर के आधार पर खामपार पुलिस ने संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी पति निखिल यादव को हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटनास्थल पर शांति एवं कानून-व्यवस्था कायम है। क्षेत्राधिकारी भाटपार रानी मनोज कुमार ने बताया कि मामले में तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी पति को पुलिस हिरासत में लिया गया है। प्रकरण की जांच एवं अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई जारी है।

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का भव्य स्वागत, खरोह चौराहा पर उमड़ा कांग्रेसियों का हुजूम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय के देवरिया आगमन पर गुरुवार को देवरिया-गोरखपुर सीमा स्थित खरोह चौराहा पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार एवं भव्य स्वागत किया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय शेखर मल्ल के नेतृत्व में जुटे कांग्रेसजनों ने फूल-मालाओं और नारों के बीच प्रदेश अध्यक्ष का गर्मजोशी से अभिनंदन किया। कार्यकर्ताओं के उत्साह से खरोह चौराहा पूरी तरह कांग्रेसमय नजर आया। स्वागत के दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। जिलाध्यक्ष ने अजय राय का स्वागत करते हुए कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का देवरिया आगमन संगठन के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करेगा।

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने आत्मीय स्वागत के लिए कांग्रेसजनों का आभार जताया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए पूरी ताकत के साथ तैयार रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष सुयश मणि त्रिपाठी, राधवेंद्र सिंह , धर्मेंद्र सिंह, रामजी गिरी, जयदीप त्रिपाठी, मुकुंद भास्कर मणि, आनंददेव गिरी 'चुन्नू', भरत मणि त्रिपाठी, रामअशीष साहनी, राजेश सिंह, जयप्रकाश धनगर, डॉ. धर्मेंद्र पाण्डेय, संजीव कुमार मिश्रा, चंदन वर्मा, हरिहर त्रिपाठी, धर्मेंद्र कुमार पाण्डेय, मार्कण्डेय मिश्रा, शिव शंकर सिंह, आलोक त्रिपाठी, शहनाज जफर, मनोज मणि त्रिपाठी, रामप्रवेश सिंह, नीलेश त्रिपाठी, आनंद श्रीवास्तव 'सोनू', शाकिर हुसैन, रीता देवी, सत्य प्रताप मिश्रा 'अंशु', राजकुमार यादव, दीनदयाल प्रसाद, गोविंद मिश्रा, धनंजय यादव, बदरे आलम, प्रेमलाल भारती, रजनीश उपाध्याय समेत विभिन्न फ्रंटल संगठनों, विभागों एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

बिस्कोहर में श्रावणी पर्व उपाकर्म पारंपरिक श्रद्धा के साथ संपन्न

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। गुरुवार को नगर पंचायत बिस्कोहर के शिवचरन पोखरा स्थित श्रीराम जानकी दुर्गा धाम मंदिर में श्रावणी पर्व उपाकर्म पारंपरिक श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। काशी से आए आचार्य अवधेश शुक्ल के निर्देशन में विद्वान ब्राह्मणों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दशविधि स्नान किया। इसके बाद देव, ऋषि और पितृ तर्पण कर विधि-विधान से नया यज्ञोपवीत धारण किया गया। अनुष्ठान में अरुन्धती सहित सप्त ऋषियों का पूजन कर सनातन परंपराओं का निर्वहन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में आचार्य दयानन्द शुक्ल, सुधीर तिवारी, चन्द्रशेखर तिवारी, रामबोल पाठक, सूर्य नारायण दुबे, सत्यमणि तिवारी, राममणि तिवारी, विजय मिश्र, सुरेश तिवारी, मुनीन्द्र रवि तिवारी, कमलेश, अमर पाठक, चमन तिवारी, राम कृपाल तिवारी, केदारनाथ मिश्र, राम अनुराग, वायुनन्दन मिश्र, सत्यप्रकाश, प्रद्युम्न, अमित मिश्र, प्रियांशु पांडे और अखिलेश आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर 29 से 31 अगस्त तक स्टेडियम में खेलों का होगा महासंगम

हॉकी, ताइक्वांडो, कुश्ती और साइकिलिंग समेत होंगी फिटनेस गतिविधियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर मनाए जाने वाले राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिले में 29 से 31 अगस्त तक खेल गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। स्व. रविंद्र किशोर शाही स्पोर्ट्स स्टेडियम में जिला खेल कार्यालय की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के साथ फिटनेस और खेल जागरूकता से जुड़ी गतिविधियां भी होंगी। कार्यक्रम के तहत 29 अगस्त को सुबह 10 बजे जूनियर बालकों की हॉकी प्रतियोगिता आयोजित होगी। 30 अगस्त को सुबह 10 बजे बालक-बालिकाओं की ताइक्वांडो और कुश्ती प्रतियोगिताएं होंगी। वहीं 31 अगस्त को सुबह सात बजे साइकिलिंग प्रतियोगिता कराई जाएगी।

खेल प्रतियोगिताओं के साथ सामूहिक वार्म-अप एवं स्ट्रेचिंग, वॉक-जॉगिंग, फिटनेस गतिविधियां और खेल भावना, अनुशासन एवं स्वस्थ जीवनशैली को लेकर जागरूकता कार्यक्रम होंगे। 'एक घंटा खेल के मैदान में', 'पास द बॉल', 'स्पोर्ट्स बंधन' और '29 चैलेंज' जैसी गतिविधियां भी आयोजन का हिस्सा रहेंगी। क्रीड़ाधिकारी अनुराग श्रीवास्तव ने संबंधित प्रशिक्षकों, खेल संघों, खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों से निर्धारित तिथि एवं समय पर स्टेडियम पहुंचकर आयोजन में सहभागिता करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस का उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़ने के साथ स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना है।

खुलासा: पेंड्राल क्लिप चोरी कर ले जा रहे दो युवक गिरफ्तार, 59 क्लिप बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। रेल संपत्ति की चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन रेल सुरक्षा के तहत आरपीएफ देवरिया सदर की टीम ने बैतालपुर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। दोनों के कब्जे से रेलवे लाइन में इस्तेमाल होने वाली 59 पेंड्राल क्लिप बरामद हुई हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 5,015 रुपये बताई गई है। पुलिस ने चोरी में प्रयुक्त मॉडिफाइड मोटरसाइकिल को भी कब्जे में लिया है। आरपीएफ के अनुसार, 26 अगस्त को आईपीएफ अमरनाथ के नेतृत्व में टीम चौरीचौरा, गौरीबाजार और बैतालपुर रेलवे स्टेशन क्षेत्र में निगरानी कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि बैतालपुर रेलवे स्टेशन के दक्षिण रेलवे रोड स्थित समपार संख्या 133 एसी के पश्चिम की ओर दो व्यक्ति मॉडिफाइड मोटरसाइकिल से रेलवे का लोहा चोरी कर कहीं बेचने के लिए ले जा रहे हैं। सूचना पर आरपीएफ टीम ने गोविंदपुर गंज रोड के आसपास निगरानी शुरू की। इसी दौरान रेलवे स्टेशन बैतालपुर की ओर जाने वाली पक्की रेलवे रोड के पास एक मॉडिफाइड मोटरसाइकिल दिखाई दी। मोटरसाइकिल के पीछे सामान ढोने के लिए डोंगानुमा हिस्सा बना था। उसमें एक व्यक्ति बैठा था, जबकि दूसरा सामान ढोने वाले हिस्से में बैठा था। टीम को वर्दी में देखकर दोनों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन जवानों ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल के पीछे बने डोंगे में रखी तीन प्लास्टिक की बोरियों से 14, 20 और 25 पेंड्राल क्लिप, कुल 59 क्लिप, बरामद हुईं। पूछताछ एवं बरामदगी के आधार पर मामला रेल संपत्ति की चोरी का पाए जाने पर दोनों आरोपियों को शाम 4:50 बजे हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पप्पू खान (23) पुत्र स्व. भरत खान, निवासी वर्तमान पता तरकुलहा, थाना चौरीचौरा, गोरखपुर तथा स्थायी पता छोटा तेलपा, थाना भगवान बाजार, छपरा (बिहार) और समीर अंसारी (19) पुत्र स्व. उमेश अंसारी, निवासी वर्तमान पता तरकुलहा, थाना चौरीचौरा, गोरखपुर तथा स्थायी पता छोटा तेलपा, थाना भगवान बाजार, छपरा (बिहार) के रूप में हुई है। आरपीएफ के मुताबिक, आरोपी स्टोर के बाहर पड़ी तथा रेलवे लाइन से निकली रेल संपत्ति को चोरी कर उसे बेचने का काम करते थे। मामले में आरपीएफ पोस्ट देवरिया सदर पर अपराध संख्या 05/26 के तहत धारा 3 आरपी(यू.पी.) एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रकरण की विवेचना उपनिरीक्षक पूनम पाठक द्वारा की जा रही है।

खाद्य विभाग की छापेमारी, मिठाई और दूध के 11 नमूने लिए

रुद्रपुर, बरहज और सलेमपुर तहसील क्षेत्रों में चला सघन प्रवर्तन अभियान

देवरिया। रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटखोरी पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा विभाग एवं जिलाधिकारी के निर्देश पर गुरुवार को रुद्रपुर, बरहज और सलेमपुर तहसील क्षेत्रों में सघन प्रवर्तन अभियान चलाया गया। इस दौरान मिठाई और दूध के कुल 11 नमूने लिए गए, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करते हुए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और साफ-सफाई की स्थिति भी देखी। अधिकारियों ने मिठाई विक्रेताओं को प्रतिष्ठानों में स्वच्छता बनाए रखने और ग्राहकों को ताजी मिठाइयां ही बेचने के निर्देश दिए। साथ ही रक्षाबंधन पर्व के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर दुकानदारों को जागरूक किया गया। विभाग की कार्रवाई से मिठाई और दूध कारोबारियों में खलबली रही। इस सम्बन्ध में हितेंद्र मोहन त्रिपाठी ने स्पष्ट किया कि त्योहारी सीजन में खाद्य पदार्थों में मिलावट और मानकों की अनदेखी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियों का मंडलायुक्त व डीआईजी ने लिया जायजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। जनपद के सलेमपुर तहसील के मझौलीराज में 29 अगस्त को मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कार्यक्रम को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए गुरुवार को मंडलायुक्त इंद्र विक्रम सिंह, डीआईजी गोरखपुर एस. चन्नप्पा, जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एवं पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंच, पंडाल, हेलीपैड, पार्किंग स्थल, विद्युत व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, प्रवेश एवं निकास मार्ग सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। मंडलायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दृष्टिगत सभी तैयारियां सुरक्षा मानकों के अनुरूप निर्धारित समय से पहले पूरी कर ली जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यवस्थाओं में किसी भी स्तर पर कमी अथवा चूक नहीं होनी चाहिए।

मंडलायुक्त ने कार्यक्रम में आने वाले लोगों की सुविधा को प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए पार्किंग, पेयजल, शौचालय और आवागमन से जुड़ी व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने को कहा। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर विद्युत व्यवस्था की सुरक्षा एवं निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीआईजी गोरखपुर एस. चन्नप्पा ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कार्यक्रम स्थल को चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल के साथ ही प्रमुख मार्गों एवं निर्धारित रूटों पर यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने तथा किसी भी स्थिति में जाम न लगने देने के लिए प्रभावी यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने को कहा।

इसी क्रम में कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, बैरिकेडिंग, भीड़ नियंत्रण, प्रवेश-निकास, वीआईपी आवागमन, कानून-व्यवस्था तथा आपातकालीन व्यवस्थाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ड्यूटी पर तैनात सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता और सतर्कता के साथ निर्वहन करें। कार्यक्रम स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जाए तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाए। आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने के लिए क्यूआरटी, अग्निशमन, चिकित्सा एवं अन्य आपातकालीन व्यवस्थाएं भी पूरी तरह तैयार रखने के निर्देश दिए गए।

लखनऊ मंडल में विकास योजनाओं की समीक्षा, मण्डलायुक्त ने दिए समयबद्ध कार्यवाही के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में गुरुवार को विकास कार्यक्रमों की मण्डलीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लखनऊ मंडल के सभी छह जनपदों–लखनऊ, हरदोई, लखीमपुर खीरी, रायबरेली, सीतापुर और उन्नाव में संचालित विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की विभागवार समीक्षा की गई। अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर जनपदवार प्रगति की तुलनात्मक समीक्षा करते हुए कम प्रगति वाले क्षेत्रों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। बैठक में संयुक्त विकास आयुक्त शिवाकांत द्विवेदी के अलावा मंडल के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। मण्डलायुक्त ने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समय से पहुंचना चाहिए। केवल वित्तीय खर्च को उपलब्धि का आधार न मानते हुए योजनाओं की वास्तविक भौतिक प्रगति और आमजन को मिल रहे लाभ पर विशेष ध्यान दिया जाए। अन्त्येष्टि स्थल निर्माण योजना के तहत मंडल में निर्धारित 112 लक्ष्यों के सापेक्ष 104 कार्य पूरे हो चुके हैं। इस तरह 92.86 प्रतिशत भौतिक प्रगति दर्ज की गई है। लखीमपुर खीरी और हरदोई में सभी कार्य पूरे हो चुके हैं। रायबरेली में 95, सीतापुर में 91.30, लखनऊ में 90.91 और उन्नाव में 77.78 प्रतिशत कार्य पूरे हुए हैं। मण्डलायुक्त ने कम प्रगति वाले जनपदों में शेष कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने और निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डिजिटल लाइब्रेरी योजना के तहत मंडल की 1,093 ग्राम पंचायतों में से 1,069 में फर्नीचर की आपूर्ति पूरी हो चुकी है। यह 97.80 प्रतिशत प्रगति है। हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर और उन्नाव में शत-प्रतिशत आपूर्ति हो चुकी है। रायबरेली में 94.94 और लखनऊ में 86.73 प्रतिशत प्रगति दर्ज की गई। अन्य प्रकाशनों की पुस्तकों की आपूर्ति सभी 1,093 ग्राम पंचायतों में पूरी हो चुकी है। मण्डलायुक्त ने लंबित आपूर्ति और भुगतान संबंधी मामलों का शीघ्र निस्तारण कराने को कहा। वित्तीय वर्ष 2026-27 में मंडल की 6,553 ग्राम पंचायतों में से 4,535 में जन सेवा केन्द्र के माध्यम से सेवाएं दी जा रही हैं, जबकि 2,018 ग्राम पंचायतों में अभी शून्य सेवा दर्ज है। मंडल की औसत प्रगति 69.20 प्रतिशत है। हरदोई 80.43 प्रतिशत के साथ सबसे आगे है, जबकि लखनऊ की प्रगति 44.81 प्रतिशत है। मण्डलायुक्त ने कम प्रगति वाले जनपदों को विशेष अभियान चलाकर शून्य सेवा वाली ग्राम पंचायतों में सेवाएं शुरू कराने और नियमित निगरानी के निर्देश दिए। मंडल में 6,553 स्वीकृत पंचायत सहायक पदों के सापेक्ष 6,450 पंचायत सहायक कार्यरत हैं। केवल 103 पद रिक्त हैं। मंडल स्तर पर उपलब्धता 98.43 प्रतिशत है। मण्डलायुक्त ने रिक्त पदों को जल्द भरने तथा ग्राम पंचायतों में सेवाओं की निरंतरता बनाए रखने के निर्देश दिए। वर्ष 2010-11 से 2023-24 तक मंडल में कुल 8,162 ऑडिट प्रकरण दर्ज हुए, जिनमें 1,592 का निस्तारण हो चुका है, जबकि 6,570 प्रकरण अभी लंबित हैं। मण्डलायुक्त ने लंबित मामलों की संख्या को गंभीरता से लेते हुए पुराने प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कराने के निर्देश दिए।

यूजीसी बिल के विरोध में प्रदर्शन, आर्थिक आधार पर आरक्षण की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां, सीतापुर। यूजीसी बिल के विरोध और जातिगत आरक्षण के स्थान पर आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने की मांग को लेकर गुरुवार को बिसवां कस्बे में प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने पत्थर शिवालय से तहसील परिसर तक पैदल मार्च निकाला। इस दौरान 'यूजीसी रोल बैक' और 'काला कानून वापस लो' जैसे नारे लगाए गए। तहसील पहुंचकर क्षेत्रीय नागरिकों एवं प्रतिनिधियों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी बिसवां राहुल सिंह को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित यूजीसी बिल को तत्काल वापस लेने की मांग की गई। साथ ही देश में वर्तमान जातिगत आरक्षण व्यवस्था को समाप्त कर आर्थिक स्थिति को आरक्षण का आधार बनाए जाने की मांग उठाई गई। ज्ञापन में कहा गया कि प्रस्तावित यूजीसी बिल से समाज के विभिन्न वर्गों के बीच असमानता और भेदभाव की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि देश को जाति, धर्म, भाषा, संप्रदाय और क्षेत्रवाद की संकीर्ण सीमाओं से ऊपर उठकर विकास की दिशा में आगे बढ़ने की आवश्यकता है। ऐसे में समाज में विभाजन और विषमता बढ़ाने वाले किसी भी प्रावधान को लागू नहीं किया जाना चाहिए। ज्ञापनकर्ताओं ने मांग की कि आरक्षण का आधार जाति के बजाय व्यक्ति की आर्थिक स्थिति को बनाया जाए। इसके अलावा सरकारी एवं अर्धसरकारी संस्थाओं तथा निकायों में नियुक्तियों और चयन प्रक्रिया में योग्यता एवं मेरिट को प्रमुख आधार बनाए जाने की मांग की गई, ताकि योग्य उम्मीदवारों को निष्पक्ष अवसर मिल सके। इस मौके पर अश्वनी कुमार त्रिपाठी विजय अवस्थी , तुषार शर्मा, आशुतोष अवस्थी, उमेश कुमार अवस्थी, आमिर खान, गौरव सिंह, पंकज शुक्ला हरिओम बाजपेई आशीष मिश्रा नीरज मिश्रा, रवि अवस्थी, सानुज शुक्ला, भरत शुक्ला, अश्वनी मिश्रा, रूपेश अवस्थी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

क्रांतिकारी मंच का आरक्षण सुधार की मांग को लेकर पांच दिवसीय पदयात्रा 31 अगस्त से सुरु

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। आरक्षण व्यवस्था में सुधार समेत विभिन्न मांगों को लेकर क्रांतिकारी विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ सिंह ने जानकारी देते हुए बताया है कि मंच के द्वारा पांच दिवसीय पदयात्रा आयोजित की जा रही है। मंच की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार पदयात्रा 31 अगस्त से 4 सितंबर तक चलेगी। आयोजकों ने इसे 'स्वर्ण यात्रा-31' नाम दिया है।मंच के पदाधिकारियों के अनुसार पदयात्रा का उद्देश्य संविधान की मूल भावना में समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व को केंद्र में रखते हुए जातिगत कानूनों की समीक्षा तथा आरक्षण व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर जनजागरण करना है। आयोजकों ने अपने अभियान का नारा 'आरक्षण नहीं, किसी को संरक्षण मिले गरीबों को' रखा है।जारी कार्यक्रम के मुताबिक पदयात्रा के पहले दिन नेरी से बरगावां, पिसावां, कुतुबनगर, मिश्रिख होते हुए संदना तक पहुंचने और रात्रि विश्राम का कार्यक्रम है। दूसरे दिन सिधौली, भदिया, रुड़वा, महमूदाबाद सहित अन्य गांवों से होते हुए रेउसा में रात्रि विश्राम प्रस्तावित है।तीसरे दिन तंबौर, लालपुर, लहरपुर तथा अन्य क्षेत्रों से होते हुए हरगांव के काजी कमालपुर में रात्रि विश्राम किया जाएगा। चौथे दिन बड़ागांव, बह्मावली सहित अन्य गांवों से होते हुए महोली और आसपास के क्षेत्रों से गुजरकर हेमपुर, सीतापुर में रात्रि विश्राम का कार्यक्रम बताया गया है।पदयात्रा के अंतिम दिन सीतापुर के श्यामनाथ मंदिर से होते हुए चुंगी, जीआईसी चौक तक पहुंचकर जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपने की बात आयोजकों ने कही है।

आयोजकों ने बताया कि यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर जनजागरण और रात्रि चौपाल का आयोजन किया जाएगा। मंच ने आरक्षण व्यवस्था पर बहस और सुधार की मांग को लेकर लोगों से पदयात्रा में शामिल होने की अपील की है।यात्रा से जुड़ने के इच्छुक लोग अपना नाम और मोबाइल नंबर उपलब्ध करा सकते हैं। संपर्क के लिए मोबाइल नंबर 9958641970 जारी किया गया है।

नीरज सिंह के जन्मदिन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने किए सेवा कार्य

.....बच्चों को बांटी शिक्षा सामग्री, अस्पताल में मरीजों को फल-बिस्किट वितरित कर मनाया जन्मदिन ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। युवाओं के प्रेरणास्रोत एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह के जन्मदिन पर गुरुवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने सेवा कार्य कर जन्मदिन मनाया। भाजपा जिला महामंत्री धीरेन्द्र पांडेय 'धीरू' की अगुवाई में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों की मदद कर समाजसेवा का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत पुरसैनी स्थित विद्यालय से हुई। यहां छात्र-छात्राओं को कॉपी, पेन सहित अन्य शिक्षा सामग्री वितरित की गई। शिक्षा सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। कार्यकर्ताओं ने बच्चों को नियमित रूप से पढ़ाई करने और अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद भाजपा कार्यकर्ताओं की टीम मोहनलालगंज स्थित विद्या हॉस्पिटल पहुंची। यहां भर्ती 50 से अधिक मरीजों को फल, बिस्किट, फ्रूटी, पानी सहित अन्य खाद्य सामग्री वितरित की गई। कार्यकर्ताओं ने मरीजों का हालचाल जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मरीजों और उनके तीमारदारों ने सेवा कार्य की सराहना की। इस अवसर पर जिला महामंत्री धीरेन्द्र पांडेय 'धीरू' की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने केक काटकर नीरज सिंह का जन्मदिन मनाया। एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया गया और उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की गई।

कार्यक्रम में भाजपा युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सनी पांडेय, अविनाश तिवारी, नवीन मिश्रा, अंकित मिश्रा, योगेंद्र तिवारी, मोहनलालगंज मंडल अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह, बबलू तिवारी सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि जन्मदिन जैसे व्यक्तिगत खुशी के अवसरों को सेवा, सहयोग और जरूरतमंदों की मदद के रूप में मनाने से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। ऐसे कार्यक्रम युवाओं और कार्यकर्ताओं को समाजहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं।

वन विभाग कार्यालय में जिम्मेदार अधिकारी न मिलने पर भड़के किसान, एक सितंबर को घेराव की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नगराम, लखनऊ। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के नेतृत्व में कुबहरा सामुदायिक मिलन केंद्र पर किसानों का अनिश्चितकालीन धरना गुरुवार को नौवें दिन भी जारी रहा। किसानों की प्रमुख मांगों को लेकर संगठन के पदाधिकारी वन विभाग के मोहनलालगंज कार्यालय पहुंचे और अधिकारियों से वार्ता का प्रयास किया, लेकिन बुलावे के बावजूद कोई जिम्मेदार अधिकारी कार्यालय में मौजूद नहीं मिला। इससे नाराज किसान नेताओं ने कार्यालय में ज्ञापन रिसीव कराते हुए जल्द मांगों का निस्तारण न होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। प्रदेश महासचिव दिनेश यादव की अध्यक्षता में संगठन के पदाधिकारियों की टीम वन विभाग के मोहनलालगंज कार्यालय पहुंची थी। किसान नेताओं के मुताबिक, पूर्व में वार्ता के लिए समय तय किए जाने के बावजूद कार्यालय में कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं मिला। काफी देर इंतजार के बाद किसानों ने अपना ज्ञापन कार्यालय में रिसीव कराया। संगठन के पदाधिकारियों ने वन विभाग के अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि समय रहते किसानों से वार्ता कर उनकी समस्या का समाधान किया जाए और अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) शनिवार तक धरना स्थल पर उपलब्ध कराया जाए। किसानों का कहना है कि निर्धारित समय सीमा में कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा। जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार ने कहा कि यदि शनिवार तक एनओसी उपलब्ध नहीं कराया गया तो एक सितंबर को हजारों किसान ट्रैक्टर-ट्रालियों के साथ वन विभाग के मोहनलालगंज कार्यालय का घेराव करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को अपनी मांगों के लिए लगातार धरने पर बैठना पड़ रहा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से वार्ता को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। उन्होंने कहा कि एक सितंबर को प्रस्तावित घेराव में बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टर-ट्रालियों से पहुंचेंगे। किसान नेताओं ने यह भी कहा कि घेराव में शामिल किसानों के लिए पेयजल और भोजन की व्यवस्था वन विभाग के मोहनलालगंज कार्यालय के जिम्मेदार अधिकारियों को करनी होगी। मांगें पूरी होने तक अनिश्चितकालीन धरना जारी रखने की बात भी कही गई। मंडल महामंत्री हरिपाल सिंह ने बताया कि कुबहरा सामुदायिक मिलन केंद्र पर संगठन का धरना लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि किसान शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं और अधिकारियों से वार्ता के माध्यम से समस्या का समाधान चाहते हैं। यदि मांगों की अनदेखी जारी रही तो संगठन आंदोलन को और बड़ा रूप देने के लिए मजबूर होगा। धरने में मंडल उपाध्यक्ष राजेंद्र यादव, जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार, जिला उपाध्यक्ष रामकुमार यादव, केशव राम लोधी, पृथ्वीराज, राजकिशोर, डॉ. जंग बहादुर सिंह, करण सिंह, रामकुमार प्रधान पति समेत दर्जनों किसान और संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

कोटेदारों के बकाया कमीशन का भुगतान जल्द कराने की मांग, जिला कार्यकारिणी की बैठक में उठे कई मुद्दे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिश्रिख (सीतापुर)। ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश (इकाई) सीतापुर की जिला कार्यकारिणी की बैठक बुधवार को मिश्रिख स्थित कलावती गेस्ट हाउस में आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश महासचिव अशोक कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। पदाधिकारियों ने प्रदेश सरकार द्वारा कोटेदारों के कमीशन में की गई वृद्धि के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया। बैठक का संचालन जिला महासचिव विशाल रस्तोगी ने किया। इस दौरान कोटेदारों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। संगठन पदाधिकारियों ने जूट के बोरों के बकाया भुगतान के साथ-साथ जनवरी और फरवरी माह के शेष बचे कमीशन का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। पदाधिकारियों ने कहा कि कोटेदारों के बकाया कमीशन के भुगतान के लिए संगठन की ओर से जिलाधिकारी को पत्रक के माध्यम से अवगत कराया जाएगा और जल्द ही बकाया कमीशन का भुगतान कराने की मांग की जाएगी। संगठन ने स्पष्ट किया कि कोटेदारों के हक और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए लगातार संघर्ष जारी रहेगा। बैठक में जिला अध्यक्ष रामलखन,जिला महासचिव विशाल रस्तोगी, सिंह यादव, उपाध्यक्ष आशीष शुक्ला, अशोक रावत, राकेश सिंह, कोषाध्यक्ष वीरेंद्र मधुकर, संगठन मंत्री विजय वर्मा, संगठन सचिव अजय वर्मा, मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र कुमार सहित रामाकान्त अवस्थी, जयदयाल, अनिल सिंह, रमेश चंद्र राठौर, नसमीम,नंदलाल,बनवारी लाल, कृष्ण स्वरूप पांडेय,नवी अहमद, अजय वर्मा,राजकुमार गुप्ता, दिलीप गुप्ता समेत जनपद के कई कोटेदार एवं संगठन पदाधिकारी मौजूद रहे।

तेज रफ्तार बुलेट ने ऑटो में मारी जोरदार टक्कर, बाइक सवार घायल

बिसवां/सीतापुर तेज रफ्तार बुलेट ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बुलेट सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो भी क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों

ने घायल युवक को सड़क से उठाकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कोतवाली बिसवां क्षेत्र के सिधौली मार्ग पर चौपान शहीद गेट के सामने ग्राम अमानाबाद निवासी शुभम यादव उम्र 25 वर्ष पुत्र सुरेश यादव की बुलेट की रफ्तार काफी तेज थी। इसी दौरान अनियंत्रित होकर बुलेट ऑटो से जा भिड़ी। हादसे के बाद कुछ देर तक मौके पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। घायल बाइक सवार का प्राथमिक उपचार बिसवां में सीएससी में किया जा रहा है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम बाबू देवी पत्नी स्व0 विनोद शंकर निवासी ग्राम शंकरगढ़ मजरे थाना-हरचन्दपुर परगना व तहसील सदर जिला-रायबरेली की निवासिनी हूँ हूँ। मेरा पुत्र महेन्द्र प्रताप पुत्र स्व0 विनोद शंकर निवासी ग्राम शंकरगढ़ मजरे थाना-हरचन्दपुर परगना व तहसील सदर जिला रायबरेली जो कि पूर्णतया अपनी मनमर्जी करता हैं एवं मेरा कहना-सुनना नहीं मानता है तथा मुझको व पुत्री लता भारतीय को मारता-पीटता रहता हैं। इनके गलत आचरण, व्यवहार एवं क्रियाकलाप से मैं व पुत्री लता भारतीय पूर्णरूप से तंग आ चुके हैं। इसलिए मैं खूब सोच-समझकर, बिना किसी नाजायज जोर-दबाव के, पूर्ण स्वस्थ चित्त होशो-हवास में अपने पुत्र महेन्द्र प्रताप को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रही हूँ। आज के बाद से मेरे पुत्र महेन्द्र प्रताप के किसी भी लेन-देन अथवा क्रियाकलाप एवं उनके किसी भी जा-बेजा कार्यों से मुझसे व मेरे परिवार के सदस्य का कोई भी वास्ता सरोकार नहीं रह गया है। वे अपने किए हुए कार्यों एवं उनके परिणामों के लिए स्वयं उत्तरदायी होंगा।

पेट्रोल पंप कर्मचारियों से मारपीट का आरोपी गिरफ्तार, स्कॉर्पियो बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर थाना पुलिस ने पेट्रोल पंप कर्मचारियों के साथ मारपीट, गाली-गलौज करने और पेट्रोल भरवाने के बाद भुगतान न करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन भी बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, 23 अगस्त को कानपुर रोड स्थित अश्विन ऊर्जा एचपी पेट्रोल पंप पर स्कॉर्पियो सवार तीन लोग अपने साथियों के साथ पहुंचे थे। आरोप है कि वाहन में पेट्रोल भरवाने के बाद उन्होंने भुगतान नहीं किया। कर्मचारियों ने जब पेट्रोल के पैसे मांगे तो आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। पेट्रोल पंप के मैनेजर चन्द्रमणि की तहरीर पर सरोजनीनगर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया। तकनीकी साक्ष्यों, मैनुअल प्रयास और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से पुलिस ने बुधवार को इशांत सिंह सेंगर (30), निवासी अर्जुनगंज, लखनऊ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्कॉर्पियो भी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ सरोजनीनगर थाने में पहले से भी एक मुकदमा दर्ज है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। पुलिस ने इस मामले में मु0अ0सं0 329/26 के तहत धारा 191(2), 115(2), 352 व 351(3) बीएनएस में कार्रवाई की है।

खैराबाद की प्राचीन दरगाह हज़रत बड़े मखदूम साहब में 526 वां उर्स शुक्रवार से शुरू आज शाम से होंगे कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर। स्थानीय दरगाह हज़रत बड़े मखदूम साहब के सज्जादा नशीन नजमुल हसन उस्मानी शोएब मियां ने बताया कि दरगाह में 526 वें तीन दिवसीय उर्स के पहले दिन आज सांय काल पांच बजकर तीस मिनट पर दरगाह के लंगर खाना में तथा 7 बजे पूर्व सज्जादा नशीन स्वर्गीय सज्जाद मियां के निवास पर तथा रात 9 बजे सैय्यद मोईन अलवी के निवास पर खूवाजा क़ुतुब साहब का फतेहा होगा। इसके बाद दस बजे रात से दरगाह पर कव्वाली शुरू होंगी जो देर रात तक चलेंगी इसके बाद पुनः खूवाजा कुतुब साहब का फातेहा होगा। श्री उस्मानी ने सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि हमेशा की तरह इस वर्ष भी सभी लोग पूर्ण अनुशासन के साथ उपस्थित होकर दरगाह के सभी कार्यक्रमों में शामिल हों, सज्जादा नशीन के सुपुत्र क़ारी हसन साकिब और हाफ़िज़ अरसलान हसनी ने भी यही अपील की है।

संपादकीय

अवैध घुसपैठ पर सख्ती जरूरी

भारत की सुरक्षा और नागरिकता से जुड़ा प्रश्न आज पहले से कहीं अधिक गंभीर और संवेदनशील हो गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट की उस टिप्पणी ने इस बहस को नई दिशा दी है, जिसमें फर्जी आधार या फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से देश में पहचान स्थापित करने वाले विदेशी नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर खोजकर निर्वासित करने और केंद्र तथा राज्य की एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल की जरूरत बताई गई है। दूसरी ओर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का यह कहना कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है और देश में रहने का अधिकार केवल वैध नागरिकों को है, सरकार की उस नीति को स्पष्ट करता है जिसमें अवैध घुसपैठ को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती माना जा रहा है। दोनों घटनाओं को अलग-अलग देखने के बजाय व्यापक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। सवाल केवल कुछ विदेशी नागरिकों के फर्जी दस्तावेज हासिल करने का नहीं है, बल्कि उस पूरी व्यवस्था का है जिसके कारण कोई व्यक्ति भारत में प्रवेश करने के बाद अपनी वास्तविक पहचान छिपाकर आधार, पैन, शैक्षणिक प्रमाणपत्र और यहां तक कि भारतीय पासपोर्ट जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज हासिल करने में सफल हो जाता है। यदि किसी विदेशी नागरिक के लिए व्यवस्था में इतनी बड़ी सेंध संभव है तो यह केवल दस्तावेजों की जालसाजी का मामला नहीं, बल्कि देश की प्रशासनिक और सुरक्षा व्यवस्था के सामने गंभीर चुनौती है। बॉम्बे हाईकोर्ट के समक्ष सामने आया मामला इस खतरे की गंभीरता को समझने के लिए पर्याप्त है। अफगानिस्तान के एक नागरिक के बारे में अदालत को बताया गया कि वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी वह भारत में रहा और कथित रूप से अपनी मूल पहचान छिपाकर दूसरी पहचान के नाम पर आधार, पैन और अन्य दस्तावेज हासिल किए। यदि न्यायिक प्रक्रिया में सामने आए तथ्य सही हैं तो यह जांच का विषय जरूर है कि संबंधित विभागों ने दस्तावेज जारी करते समय आवश्यक सत्यापन क्यों नहीं किया। एक व्यक्ति की पहचान अनेक सरकारी दस्तावेजों में अलग-अलग तरीके से स्थापित हो जाए, तो इससे व्यवस्था की कमजोर कड़ियां उजागर होती हैं। यहां सबसे बड़ा प्रश्न एजेंसियों के बीच तालमेल का है। देश में विदेशी नागरिकों के प्रवेश और प्रवास से संबंधित काम कई विभागों और एजेंसियों के जिम्मे है। सीमा सुरक्षा बल, आव्रजन विभाग, पुलिस, खुफिया एजेंसियां, विदेशी नागरिकों से संबंधित प्रशासनिक तंत्र और पहचान से जुड़े विभागों के बीच सूचनाओं का समय पर आदान-प्रदान होना चाहिए। किसी व्यक्ति का वीजा समाप्त हो गया है, वह निर्धारित अवधि से अधिक समय से भारत में रह रहा है या उसके दस्तावेजों में संदिग्ध जानकारी है, तो यह सूचना संबंधित एजेंसियों तक तुरंत पहुंचनी चाहिए। तकनीक के इस दौर में अलग-अलग विभागों के रिकॉर्ड एक-दूसरे से जुड़े न हों और सूचनाएं अलग-अलग खानों में पड़ी रहें, तो सुरक्षा व्यवस्था का उद्देश्य ही कमजोर पड़ जाता है। इसलिए अब केवल जांच बढ़ाने की नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था को आधुनिक बनाने की जरूरत है। पहचान संबंधी दस्तावेज जारी करने से पहले विदेशी नागरिकों के मामले में सत्यापन की प्रक्रिया अधिक कठोर होनी चाहिए। आधार पहचान का महत्वपूर्ण माध्यम है, लेकिन आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है। इस अंतर को प्रशासनिक स्तर पर पूरी स्पष्टता के साथ समझना आवश्यक है। किसी विदेशी नागरिक को वैध आधार संबंधी सुविधा मिल सकती है या नहीं, यह कानून और निर्धारित नियमों के अनुसार तय होता है, लेकिन आधार को नागरिकता का प्रमाण मानकर आगे अन्य दस्तावेज जारी करने की प्रवृत्ति गंभीर समस्या पैदा कर सकती है। भारतीय पासपोर्ट जैसे संवेदनशील दस्तावेज के लिए तो सत्यापन की व्यवस्था और भी मजबूत होनी चाहिए। यदि किसी व्यक्ति ने फर्जी पहचान के आधार पर पासपोर्ट हासिल किया है तो केवल उस व्यक्ति पर कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं होगा। यह भी पता लगाना जरूरी है कि फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले कौन थे, उनका इस्तेमाल किस स्तर पर हुआ और सरकारी तंत्र में किसी व्यक्ति की मिलीभगत या लापरवाही थी या नहीं। जब तक पूरे नेटवर्क पर प्रहार नहीं होगा, तब तक एक व्यक्ति को हटाने के बाद दूसरा व्यक्ति उसी रास्ते से व्यवस्था में प्रवेश कर सकता है। अमित शाह का अवैध घुसपैठ को आंतरिक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और जनसांख्यिकी के लिए खतरा बताना भी इसी व्यापक चिंता की ओर संकेत करता है। सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध प्रवेश केवल सीमा प्रबंधन का विषय नहीं रह जाता। यदि कोई व्यक्ति लंबे समय तक बिना वैध दस्तावेजों के देश में रह रहा है और बाद में फर्जी पहचान बना लेता है तो यह कानून व्यवस्था, संसाधनों और सुरक्षा व्यवस्था के लिए चुनौती बन सकता है। इसलिए घुसपैठ रोकना और अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान करना राज्य की स्वाभाविक जिम्मेदारी है। लेकिन इस जिम्मेदारी के साथ एक दूसरी जिम्मेदारी भी जुड़ी है। किसी व्यक्ति को केवल संदेह के आधार पर विदेशी घोषित नहीं किया जा सकता और न ही किसी भारतीय नागरिक को गलत पहचान या प्रशासनिक त्रुटि के कारण अपने अधिकारों से वंचित किया जाना चाहिए। कठोर कार्रवाई का अर्थ मनमानी कार्रवाई नहीं हो सकता। पहचान, नागरिकता और निर्वासन से संबंधित हर कदम स्पष्ट कानून, उचित जांच और न्यायिक प्रक्रिया के अनुरूप होना चाहिए। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती इसी में है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यक्तिगत अधिकारों के बीच संतुलन कायम रखा जाए। अवैध घुसपैठ से निपटने की सबसे प्रभावी रणनीति सीमा से लेकर दस्तावेज जारी करने तक पूरी श्रृंखला को मजबूत करना होगी। सीमा पर निगरानी बढ़ाने के साथ यह सुनिश्चित करना होगा कि सीमा पार से आया कोई व्यक्ति फर्जी पहचान के सहारे देश की वैध नागरिक व्यवस्था में प्रवेश न कर सके।

कुदरत के रौद्र रूप के आगे इंसान का अहंकार बौना

नेपाल में आई भीषण बाढ़ ने एक बार फिर पूरी दुनिया को प्रकृति की विराट शक्ति और मनुष्य की सीमित सामर्थ्य का एहसास कराया है। हिमालय की गोद में बसे इलाकों में अचानक उमड़ी जलधारा ने जिस तरह घरों, बाजारों, पुलों, सड़कों और दूसरी मानवीय व्यवस्थाओं को अपनी चपेट में लिया, वह हृदय को विचलित करने वाला है। कुछ ही क्षणों में जिन स्थानों पर जिंदगी सामान्य गति से चल रही थी, वहां तबाही का मंजर दिखाई देने लगा। अनेक लोगों की मौत हुई, सैकड़ों लोग लापता बताए जा रहे हैं और कई परिवार अपनों की खबर की प्रतीक्षा में हैं। यह केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि मनुष्य के लिए प्रकृति का कठोर संदेश भी है। भोटेकोशी नदी का अचानक विकराल रूप धारण करना बताता है कि प्रकृति को चुनौती देने की मनुष्य की क्षमता कितनी सीमित है। बाढ़ के कारणों को लेकर भूस्खलन, हिमस्खलन, नदी का रास्ता अवरुद्ध होने, ग्लेशियर से पानी आने और भूकंपीय हलचल जैसी अनेक संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है। वास्तविक वैज्ञानिक कारण जांच के बाद ही सामने आएगा, लेकिन परिणाम हमारे सामने है। पानी का वेग इतना प्रचंड था कि वर्षों से खड़े पुल और सड़कें टिक नहीं सकीं। बाजार उजड़ गए और संचार तथा बिजली जैसी सुविधाएं भी प्रभावित हुईं। सबसे अधिक पीड़ा उन परिवारों की है जिनके अपने अचानक उनसे दूर हो गए। किसी ने सुबह घर से निकलते समय कल्पना भी नहीं की होगी कि वह दिन उसकी जिंदगी का आखिरी दिन बन सकता है। कोई यात्री अपने परिवार से यह कहकर निकला होगा कि कुछ दिनों बाद लौट आएगा, लेकिन अब उसका परिवार उसकी खबर का इंतजार कर रहा है। प्राकृतिक आपदा की सबसे बड़ी त्रासदी यही होती है कि वह चेतावनी का अवसर भी कई बार नहीं देती। जीवन अपनी सामान्य गति से चल रहा होता है और अगले ही पल सब कुछ बदल जाता है। यही वह क्षण है जब मनुष्य को अपने अहंकार के बारे में सोचना चाहिए। आदमी धन कमाता है, मकान बनाता है, जमीन-जायदाद जुटाता है, पद और प्रतिष्ठा हासिल करता है और फिर कई बार उसे लगता है कि उसने जिंदगी पर अपना अधिकार स्थापित कर लिया है। लेकिन प्रकृति का एक झटका उसे बता देता है कि मनुष्य की सारी उपलब्धियां कितनी नश्वर हैं। जिस मकान पर हमें गर्व होता है, वह कुछ ही देर में मलबा बन सकता है। जिस सड़क को बनाने में वर्षों लगते हैं, उसे बाढ़ कुछ ही समय में बहा सकती है। जिस संपत्ति को इकट्ठा करने में पूरी उम्र निकल जाती है, वह एक प्राकृतिक आपदा के सामने अर्थहीन हो सकती है। इसलिए जीवन में घमंड के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। इंसान को अपने पद, पैसे और शक्ति पर नहीं, अपने व्यवहार और संवेदनशीलता पर गर्व होना चाहिए। दुनिया में हमारे साथ रहने वाले लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। किसी का अपमान करने से पहले यह जरूर सोचना चाहिए कि जीवन कब किस मोड़ पर ले जाए, कोई नहीं जानता। आज हम किसी के लिए ताकतवर हैं तो कल हमें भी किसी के सहारे की आवश्यकता पड़ सकती है। आज हमारे पास किसी की मदद करने का अवसर है तो उसे टालना नहीं चाहिए। नेपाल की त्रासदी में भारत की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। पड़ोसी देश होने के नाते भारत ने हर संभव सहायता के लिए हाथ बढ़ाया है। राहत सामग्री, चिकित्सा सहायता और बचाव कार्य में सहयोग की तैयारी यह संदेश देती है कि आपदा के समय सीमाएं छोटी पड़ जाती हैं और इंसानियत सबसे बड़ी हो जाती है। भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और उनके परिजनों तक सही सूचना पहुंचाना भी इस समय बड़ी जिम्मेदारी है। नेपाल सरकार के साथ समन्वय और प्रभावित क्षेत्रों में राहत अभियान को लगातार मजबूत किए जाने की आवश्यकता है। भारत के बिहार और उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में भी सतर्कता बढ़ाना आवश्यक है। नेपाल के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में हुई घटनाओं का असर नीचे बहने वाली नदियों पर पड़ सकता है। गंडक सहित दूसरी नदियों के जलस्तर पर लगातार निगरानी, संवेदनशील गांवों में समय पर सूचना और राहत दलों की तैयारी जरूरी है। ऐसी घटनाएं यह भी सिखाती हैं कि आपदा प्रबंधन केवल घटना के बाद राहत पहुंचाने का काम नहीं है। उसके लिए पहले से तैयारी, वैज्ञानिक निगरानी और स्थानीय प्रशासन की सक्रियता उतनी ही जरूरी है। हिमालयी क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील है। यहां विकास की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन विकास और प्रकृति के बीच संतुलन भी जरूरी है। पहाड़ों को काटकर सड़कें बनाना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह से छेड़छाड़ करना या पर्यावरणीय जोखिमों को नजरअंदाज करना भविष्य में बड़ी कीमत वसूल सकता है। प्रकृति को समझे बिना किया गया विकास कभी-कभी सुविधा के बजाय संकट को जन्म देता है। हिमालय केवल पहाड़ नहीं है, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन और जल व्यवस्था से जुड़ा एक विशाल प्राकृतिक तंत्र है। लेकिन इन सबके बीच सबसे बड़ा सवाल इंसान की जिंदगी का है। जो लोग इस आपदा में चले गए, वे अब वापस नहीं आएंगे। राहत और मुआवजा उनके परिवारों को कुछ सहारा जरूर दे सकते हैं, लेकिन किसी अपने की कमी को पूरा नहीं कर सकते। धन से घर दोबारा बनाया जा सकता है, लेकिन उस घर में रहने वाले व्यक्ति को वापस नहीं लाया जा सकता। सड़क दोबारा बन सकती है, पुल फिर खड़ा हो सकता है, बाजार फिर बस सकता है, लेकिन जो जीवन चला गया उसकी भरपाई संभव नहीं है। इसीलिए जीवन रहते रिश्तों को महत्व देना चाहिए। हमारे आसपास ऐसे कितने लोग हैं जिनसे हम छोटी-छोटी बातों पर नाराज रहते हैं। कितने रिश्तों में अहंकार के कारण दूरी बनी हुई है। कितने लोगों से हम केवल इसलिए बात नहीं करते क्योंकि हमें लगता है कि पहले सामने वाला झुके। लेकिन प्राकृतिक आपदा यह समझाने के लिए पर्याप्त है कि जिंदगी में 'पहले कौन झुके' से बड़ा सवाल यह है कि साथ रहने का अवसर कब तक है। पतझड़ में मुरझाए फूल केवल बाहर से किसी के आने भर से फिर नहीं खिलते। कुछ क्षण और कुछ रिश्ते जीवन में दोबारा नहीं लौटते। जो व्यक्ति चला गया, वह लौटकर नहीं आता। इसलिए जब तक अपने लोग साथ हैं, उनसे प्रेम कीजिए। जब तक किसी से बात करने का अवसर है, मन की कड़वाहट मिटा दीजिए। जब तक किसी की सहायता कर सकते हैं, कर दीजिए। जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति यही है कि हमारे कारण किसी दूसरे के चेहरे पर मुस्कान आए और किसी दुखी व्यक्ति को यह महसूस हो कि वह अकेला नहीं है। नेपाल की जलप्रलय हमें डराने के साथ-साथ जगाने भी आई है। यह हमें याद दिलाती है कि प्रकृति के सामने मनुष्य कितना छोटा है और जीवन कितना अनिश्चित। हम विज्ञान और तकनीक से आपदा का प्रभाव कम कर सकते हैं, बेहतर पूर्व चेतावनी दे सकते हैं और राहत कार्य तेज कर सकते हैं, लेकिन जीवन की क्षणभंगुरता को समाप्त नहीं कर सकते। इसलिए आज जरूरत है कि हम अपने अहंकार को थोड़ा पीछे रखें और इंसानियत को आगे करें। किसी से अच्छा व्यवहार करने में हमारा कुछ नहीं जाता, लेकिन किसी के बुरे समय में दिया गया साथ उसके लिए पूरी दुनिया बन सकता है। पद चला जाता है, पैसा खत्म हो सकता है, संपत्ति छिन सकती है और प्रसिद्धि भी समय के साथ मिट जाती है, लेकिन अच्छे व्यवहार और मानवीय संवेदना की याद लंबे समय तक रहती है। नेपाल में प्रकृति ने अपना रौद्र रूप दिखाया है। इस त्रासदी में जिन लोगों ने अपने प्राण गंवाए, उन्हें वापस नहीं लाया जा सकता। उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके दुख से सीख लें। जीवन को व्यर्थ के अहंकार, द्वेष और घृणा में न गंवाएं। जितने दिन मिले हैं, प्रेम से जिएं, दूसरों का सम्मान करें और जरूरत पड़ने पर एक-दूसरे का हाथ थामें। क्योंकि जिंदगी का भरोसा सचमुच एक पल का नहीं है और जो चला गया, वह फिर लौटकर नहीं आता।

कांतिलाल मांडोत

पहली नौकरी से आगे: महिलाओं के लिए टिकाऊ करियर का निर्माण

महिलाओं को कार्यबल में शामिल करना समानता, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन नौकरी मिल जाना केवल शुरुआत है। इससे बड़ी चुनौती यह है कि महिलाएँ कार्यक्षेत्र में बनी रहें, अपने करियर में आगे बढ़ें और एक स्थिर तथा सम्मानजनक पेशेवर जीवन का निर्माण कर सकें। आज अनेक समाजों में महिलाएँ शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रही हैं, लेकिन पारिवारिक जिम्मेदारियों, असुरक्षित कार्यस्थलों, बच्चों की देखभाल की सीमित सुविधाओं, असमान अवसरों और सामाजिक अपेक्षाओं के कारण उनके करियर में रुकावटें आ सकती हैं। इसलिए वास्तविक सशक्तिकरण को केवल इस बात से नहीं मापा जा सकता कि कितनी महिलाओं को पहली नौकरी मिली। यह भी देखना जरूरी है कि कितनी महिलाएँ कार्यक्षेत्र में बनी रहती हैं, आगे बढ़ती हैं और सफलता प्राप्त करती हैं। टिकाऊ करियर के रास्ते में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक घरेलू जिम्मेदारियों का असमान बंटवारा है। जब पति-पत्नी दोनों काम करते हैं, तब भी बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा, खाना बनाना और घर संभालने की बड़ी जिम्मेदारी अक्सर महिलाओं पर ही रहती है। इससे उनके पास पेशेवर विकास के लिए समय और ऊर्जा कम रह जाती है। विवाह या बच्चों के जन्म के बाद कई बार करियर में विराम लेना उनकी मजबूरी बन जाता है। लचीली कार्य व्यवस्था इस समस्या को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। लचीले कार्य घंटे, जहाँ संभव हो वहाँ हाइब्रिड कार्य, पूर्वानुमानित कार्य समय और करियर ब्रेक के बाद दोबारा काम शुरू करने के अवसर महिलाओं को पारिवारिक और पेशेवर जिम्मेदारियों में संतुलन बनाने में मदद कर सकते हैं। लचीलेपन का अर्थ कम महत्वाकांक्षा या पदोन्नति के कम अवसर नहीं होना चाहिए। इसका अर्थ ऐसी व्यवस्था बनाना है जो आधुनिक पारिवारिक जीवन की वास्तविकताओं को समझे। बच्चों की देखभाल की सुविधाएँ भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। सस्ती, सुलभ और भरोसेमंद चाइल्डकेयर सेवाएँ माता-पिता के लिए कार्यक्षेत्र में बने रहना आसान बना सकती हैं। नियोक्ताओं, समुदायों और सरकारों– सभी की इसमें भूमिका है। जब बच्चों की देखभाल को केवल निजी पारिवारिक जिम्मेदारी न मानकर आर्थिक और सामाजिक बुनियादी ढाँचे का हिस्सा माना जाता है, तो महिलाओं की रोजगार में दीर्घकालिक भागीदारी अधिक मजबूत होती है। कार्यस्थल का माहौल भी बहुत मायने रखता है। किसी महिला को नौकरी तो मिल सकती है, लेकिन यदि उसे उपेक्षित, अलग-थलग या असुरक्षित महसूस हो, तो वह नौकरी छोड़ सकती है। सम्मानजनक कार्यस्थल, उत्पीड़न के विरुद्ध स्पष्ट नीतियाँ, निष्पक्ष पदोन्नति व्यवस्था और शिकायत दर्ज करने की प्रभावी प्रणाली आवश्यक हैं। महिलाओं को अनावश्यक सामाजिक या कार्यस्थलीय बाधाओं से जूझे बिना अपने काम पर ध्यान देने का अवसर मिलना चाहिए। करियर में प्रगति भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। महिलाओं को केवल शुरुआती स्तर की नौकरियों में बनाए रखना और उन्हें सीखने तथा आगे बढ़ने के अवसर न देना वास्तविक सशक्तिकरण नहीं है। महिलाओं को प्रशिक्षण, मार्गदर्शन, नेतृत्व विकास और चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारियों के अवसर मिलने चाहिए। कर्मचारियों का मूल्यांकन उनके लिंग या पारिवारिक जिम्मेदारियों की धारणाओं के आधार पर नहीं, बल्कि उनकी योग्यता, प्रदर्शन और क्षमता के आधार पर होना चाहिए। समान कार्य के लिए समान वेतन भी टिकाऊ रोजगार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वेतन व्यवस्था में पारदर्शिता होनी चाहिए, ताकि बिना उचित कारण के वेतन असमानता को कम किया जा सके। आर्थिक स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ तभी सामने आता है जब महिलाओं के पास कमाने, बचत करने, निवेश करने और अपने पूरे करियर के दौरान आर्थिक रूप से आगे बढ़ने के अवसर हों। करियर में आए विराम को भी नए दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है। बच्चों की परवरिश, माता-पिता या बुजुर्गों की देखभाल अथवा अन्य पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण कुछ समय के लिए नौकरी से दूर रहना किसी व्यक्ति के पेशेवर भविष्य को समाप्त नहीं करना चाहिए। संस्थाएँ रिटर्नशिप कार्यक्रम, रिफ्रेशर प्रशिक्षण और पुनः रोजगार के अवसर विकसित कर सकती हैं, ताकि अनुभवी महिलाएँ दोबारा कार्यक्षेत्र से जुड़ सकें। तकनीक भी महिलाओं के करियर को मजबूत बनाने में सहायक हो सकती है। ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल सहयोग और रिमोट वर्क के साधन उन महिलाओं के लिए नए अवसर पैदा कर सकते हैं जिन्हें भौगोलिक या पारिवारिक सीमाओं का सामना करना पड़ता है। लेकिन यह भी आवश्यक है कि डिजिटल सुविधाएँ और कौशल व्यापक रूप से उपलब्ध हों, ताकि तकनीक स्वयं एक नई असमानता का कारण न बने। इस बदलाव में पुरुषों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। महिलाओं के करियर की निरंतरता को केवल 'महिलाओं का मुद्दा' नहीं माना जा सकता। पारिवारिक जिम्मेदारियाँ साझा होनी चाहिए। पिता और अन्य पुरुष सदस्य बच्चों की देखभाल, घरेलू कार्य और सहयोगी कार्यस्थल बनाने में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। जब देखभाल की जिम्मेदारी साझा होती है, तो महिलाओं के करियर पर पारिवारिक जिम्मेदारियों का दबाव कम होता है। स्कूल और शैक्षणिक संस्थाएँ भी इस दिशा में योगदान दे सकती हैं। लड़कियों को केवल अकादमिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संवाद कौशल, डिजिटल दक्षता, वित्तीय साक्षरता और करियर संबंधी जागरूकता भी प्रदान की जानी चाहिए। युवा महिलाओं को करियर को केवल पहली तनख्वाह प्राप्त करने के साधन के रूप में नहीं, बल्कि लंबे समय की यात्रा के रूप में देखने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। व्यावसायिक संस्थाओं को भी महिलाओं के कार्यक्षेत्र में बने रहने और आगे बढ़ने से लाभ मिलता है। संस्थाएँ अनुभवी कर्मचारियों को बनाए रख सकती हैं, नई भर्ती पर होने वाले खर्च को कम कर सकती हैं और विविध दृष्टिकोणों से लाभ उठा सकती हैं। कार्यक्षेत्र में लंबे समय तक बनी रहने वाली महिलाएँ आगे चलकर मार्गदर्शक और नेता बन सकती हैं तथा अगली पीढ़ी के लिए सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत कर सकती हैं। इसलिए हमारा लक्ष्य केवल 'कामकाजी महिलाओं की संख्या बढ़ाना' नहीं होना चाहिए। हमारा लक्ष्य ऐसी महिलाओं की संख्या बढ़ाना होना चाहिए जिनके पास स्थिर, अर्थपूर्ण और संतोषजनक करियर हों। रोजगार में प्रवेश पहला कदम है; कार्यक्षेत्र में बने रहना, विकास करना और नेतृत्व तक पहुँचना वास्तविक प्रगति के महत्वपूर्ण मापदंड हैं। सशक्तिकरण तब शुरू होता है जब किसी महिला को अवसर मिलता है। लेकिन यह तब सार्थक बनता है जब उसे अपनी यात्रा जारी रखने की स्वतंत्रता और सहयोग भी मिले। जो समाज दीर्घकालिक समानता चाहता है, उसे महिलाओं को केवल कार्यक्षेत्र में प्रवेश दिलाने से आगे बढ़कर ऐसी व्यवस्थाएँ बनानी होंगी जो उन्हें बने रहने, आगे बढ़ने और सफल होने में मदद करें। पहली नौकरी दरवाजा खोलती है; एक सहयोगी व्यवस्था महिलाओं को उस दरवाजे से आगे बढ़कर एक मजबूत और टिकाऊ करियर बनाने में मदद करती है।

मेष–मेष राशि के जातकों की नई नौकरी की तलाश पूरी हो सकती है। जो लोग रोजगार के अवसरों की तलाश में हैं, उन्हें आज अच्छे प्रस्ताव मिलने की पूरी संभावना है। हालांकि पारिवारिक जीवन में थोड़ा संयम रखने की आवश्यकता है, क्योंकि अपनों के साथ संबंधों में कुछ तनाव उत्पन्न हो सकता है।

वृषभ–वृषभ राशि के जातकों को जीवन के सभी क्षेत्रों में संतुलन बनाकर चलने की आवश्यकता होगी। आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा।

मिथुन–मिथुन राशि के जातकों को अपने काम के लिए दूसरों पर निर्भर रहने से बचना होगा, अन्यथा कार्यों की गति धीमी पड़ सकती है।

कर्क–कर्क राशि के जातकों को उनकी मेहनत और बौद्धिक क्षमता का सही संतुलन समाज में मान–प्रतिष्ठा दिलाएगा। राजनीति से जुड़े जातकों के लिए नए प्रयोग सफल साबित होंगे।

सिंह–सिंह राशि के जातकों को दूसरों को अवसर देते हुए धैर्य बनाए रखना होगा और नतीजों का सकारात्मक रूप से इंतजार करना होगा। इस दौरान आपकी पुरानी बचत का कुछ हिस्सा खर्च हो सकता है, लेकिन इससे मन में प्रसन्नता बनी रहेगी।

कन्या–कन्या राशि के जातक आज अपने शैक्षणिक और बौद्धिक कार्यों में बेहतर एकाग्रता महसूस करेंगे। यदि आप अपने दैनिक कार्यों का समयबद्ध नियोजन करते हैं तो उच्च स्तर की सफलता प्राप्त होगी। अपनी ऊर्जा और सोच को सकारात्मक बनाए रखने के लिए नकारात्मक विचारों वाले व्यक्तियों से दूरी बनाकर रखें।

तुला–तुला राशि के जातक अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए अत्यधिक मेहनत करेंगे और बेहतर परिणाम देने का प्रयास करेंगे। इवेंट प्रबंधन और बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन नए अनुबंध और बड़े अवसर दिलाने वाला सिद्ध हो सकता है।

वृश्चिक–वृश्चिक राशि के जातकों का संपत्ति से जुड़े विवादों में पलड़ा भारी रहेगा। निर्माण और बुनियादी ढांचे से जुड़े व्यवसाय में सफलता मिलने के प्रबल योग हैं। प्रेम संबंधों में चल रही पुरानी समस्याओं के स्थाई समाधान पर सकारात्मक बातचीत हो सकती है।

धनु–धनु राशि के जातकों के लिए जिद और टकराव का रास्ता छोड़कर सरलता और सहनशीलता से काम लेने का समय है। माता–पिता के स्वास्थ्य को लेकर मन में कुछ चिंता रह सकती है।

मकर–मकर राशि के जातकों की कार्यक्षमता और निष्ठा देखकर उच्च अधिकारियों का विश्वास आप पर बढ़ेगा। व्यक्तिगत और भावनात्मक संबंधों में अपने साथी को भी अपनी बात खुलकर कहने का पूरा अवसर दें।

कुंभ–कुंभ राशि के जातकों को राजनीतिक और सार्वजनिक मामलों में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। करीबी लोगों से धोखा मिलने की संभावना बन रही है, इसलिए सतर्क रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें, हालांकि पारिवारिक मोर्चे पर परिजनों का पूरा सहयोग मिलेगा।

मीन–मीन राशि के जातकों को कार्यस्थल पर सहकर्मियों और मेहनती लोगों का अच्छा सहयोग प्राप्त होगा। पुराना रुका हुआ धन वापस मिलने के आसार हैं, जिसके लिए थोड़ा प्रयास करना होगा। इसके अतिरिक्त अचल संपत्ति में वृद्धि के नए अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं।

वीरता-बलिदान के लिए राष्ट्र ने दिया सम्मान

इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर सीआरपीएफ ने कुल 86 पदक जीतकर एक नया रिकॉर्ड बना दिया। उसे केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में सबसे अधिक कुल 86 वीरता और सेवा पदक प्राप्त हुए। उसे 24 वीरता पदक, 5 राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पदक और 57 सराहनीय सेवा पदक मिले। झारखंड में अप्रैल 2025 में चलाए गए चुनौतीपूर्ण नक्सलवाद-विरोधी अभियान के दौरान असाधारण बहादुरी दिखाने के लिए 209वीं कमांडो बटालियन फॉर रिजाल्यूट एक्शन (कोबरा) के डिप्टी कमांडेंट अंजनी कुमार और कांस्टेबल दीपक साह को शौर्य चक्र के लिए चुना गया। कीर्ति चक्र शांतिकाल में दिया जाने वाला दूसरा सबसे बड़ा वीरता पुरस्कार है। 24 वीरता पदक 2024 में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद-विरोधी दो अभियानों और मणिपुर में उग्रवादियों के खिलाफ सफल अभियान के लिए मिले। जब वीरता, शौर्य और बलिदान की बात की जाती है, तो हमेशा भारतीय सेना की चर्चा होती है, लेकिन हमारे अर्धसैनिक बल भी किसी से कम नहीं हैं। चाहे कश्मीर हो, नॉर्थ-ईस्ट हो या फिर छत्तीसगढ़ और ओडिशा, हर ओर जहां आंतरिक सुरक्षा का मामला उठता है, वहीं-वही सीआरपीएफ ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है और अपनी वीरता दिखाई है। 'लाल आतंकवाद' के खात्मे में इसकी बड़ी भूमिका रही है। हाल ही में सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन-209 ने एक करोड़ रुपये के इनामी, भाकपा केंद्रीय कमेटी के सदस्य मिसिर बेसरा को गिरफ्तार किया। मिसिर बेसरा पोलित ब्यूरो का आखिरी सदस्य था और उस पर कुल 2.20 करोड़ रुपये का संयुक्त इनाम था। उस पर झारखंड, बंगाल और ओडिशा में 175 से भी अधिक मामले दर्ज थे।आज झारखंड ही नहीं, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में नक्सलवाद अतीत का दुस्वप्न बन चुका है और वहां के स्थानीय निवासी शांति से रह रहे हैं। अपने घर से सैकड़ों मील दूर घने जंगलों में, जहां पानी की एक बूंद भी मयस्सर नहीं होती, कठिन से कठिन परिस्थितियों में रहते हुए उन्होंने लगभग अदृश्य उग्रवादियों से लोहा लिया और अंततः सफल हुए। इस साल जुलाई में सीआरपीएफ की स्थापना के 88 साल पूरे हो गए। इन वर्षों में जब भी इसकी आवश्यकता पड़ी है, इसने अपना शौर्य दिखाया है और बलिदान भी दिया है। इन जांबाज जवानों और अधिकारियों के बलबूते ही गृह मंत्री ने यह घोषणा की थी कि 31 मार्च, 2026 तक सशस्त्र नक्सल आंदोलन समाप्त हो जाएगा। यह संभव भी हुआ और नक्सलवादियों की कमर तोड़ दी गई। हाल के वर्षों में इस बल ने और अधिक चुस्ती-फुर्ती दिखाई और बड़े ऑपरेशन किए। गृह मंत्री शाह ने नक्सल-विरोधी अभियानों के लिए इस बल का सशक्तीकरण किया। इसे आधुनिकतम हथियार दिलाए, निगरानी के उपकरण जैसे ड्रोन और संचार के आधुनिक साधन उपलब्ध कराए। समुचित इंटेलिजेंस की व्यवस्था करवाई तथा संबंधित राज्यों के पुलिस बलों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित किया। सीआरपीएफ की कोबरा बटालियनों ने कई ऐतिहासिक ऑपरेशनों को अंजाम दिया, जैसे– ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट, ऑपरेशन ऑक्टोपस, ऑपरेशन डबल बुल और ऑपरेशन चक्रबंधा, जिनसे माओवादियों की शक्ति लगातार क्षीण होती गई। ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट जैसे खतरनाक अभियान में 27 खूंखार नक्सली मारे गए। पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी को अपने उन अड्डों को छोड़कर भागना पड़ा, जहां वे वर्षों से जमे बैठे थे। जवानों ने अपनी वीरता दिखाते हुए और जान पर खेलते हुए दुर्गम इलाकों जैसे–बुढ़ा पहाड़, पारसनाथ, बरमसिया, चक्रबंधा, कारेगुट्टालु और अबूझमाड़ पर फिर से कब्जा कर लिया। इन इलाकों में दशकों से नक्सलियों का कब्जा था और वहां तक पहुंचना दुष्कर था। इनमें उनका सबसे बड़ा कमांडर नंबाल्ला केशव राज उर्फ बसवराजू भी था, जो सीपीआई (माओवादी) का महासचिव था और उस पर 1.5 करोड़ रुपये का इनाम था। इसके अलावा सीआरपीएफ ने कई अन्य शीर्ष कमांडरों को भी मार गिराया, जिनमें पातिराम मांझी, गणेश उल्के और मिलिंद आदि शामिल थे। इनके मारे जाने से माओवादियों में नेतृत्व का संकट खड़ा हो गया और बड़े पैमाने पर उनके काडरों ने छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में आत्मसमर्पण कर दिया।इस अभियान को सफल बनाने के लिए गृह मंत्रालय ने काफी काम किया। वर्ष 2014 के बाद इन इलाकों में 594 पुलिस स्टेशन बनाए गए, 408 सुरक्षा कैंप स्थापित किए गए और 12,211 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया गया ताकि आवागमन सहज हो सके। इसके अलावा, संचार तंत्र को मजबूत किया गया ताकि संपर्क बना रहे। गांवों में स्कूल, पोस्ट ऑफिस, नजदीक में बैंक और आईटीआई आदि की सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिससे ग्रामीणों का सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा। गृह मंत्रालय ने सीआरपीएफ के जवानों और अधिकारियों के कल्याण के लिए कई योजनाएं बनाई हैं। इसके तहत उन्हें आयुष्मान सीएपीएफ, ई-आवास पोर्टल, सीएपीएफ पुनर्वास तथा कल्याण और पुनर्वास बोर्ड की सुविधाएं दी गई हैं। इसके अलावा, उनके और उनके परिवार के सदस्यों के लिए स्वास्थ्य संबंधी बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। उन्हें वित्तीय रूप से मजबूत बनाने के लिए भी कई योजनाएं बनाई गई हैं, जो सुचारु रूप से चल रही हैं।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

विकासखंड बिरधा में जयराम सिंह निरंजन का दो दशकों से दबदबा कायम

स्वतंत्र प्रभात | बिरधा

ललितपुर जनपद के विकासखंड बिरधा जहाँ के एक ग्राम पिपरिया पाली निवासी जयराम सिंह निरंजन जनपद में किसी पहचान के मोहताज नहीं है ब्लाक बिरधा में जो अपनी एक विशिष्ट राजनैतिक पहचान रखता है क्षेत्र पंचायत कार्यालय में लगा एक बोर्ड इस क्षेत्र की राजनीतिक कहानी खुद बयां कर रहा है। बोर्ड पर अंकित नामों के अनुसार पिछले 20 वर्षों से बिरधा ब्लॉक प्रमुख के प्रतिष्ठित पद पर एक ही परिवार का कब्जा है, जो क्षेत्र में इस परिवार की मजबूत पकड़ और जनविश्वास का प्रतीक है।

राजनीति के अपराजेय योद्धा बने जयराम सिंह निरंजन, अब जाखलौन जिला पंचायत सीट पर नजर

चौथी बार बेटे मोहित निरंजन ने भाजपा से रचा इतिहास

चौथी बार वर्ष 2021 में उनके पुत्र श्री मोहित निरंजन पुत्र जयराम सिंह निरंजन ने भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर निर्विरोध ब्लॉक प्रमुख बनकर इतिहास रच दिया। वह 20.07.2021 से वर्तमान तक इस पद पर आसीन हैं और युवा जोश के साथ पिता की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। इस प्रकार 2006 से 2025 तक लगातार 4 बार, लगभग 20 वर्षों से निरंजन परिवार का बिरधा ब्लॉक पर एकछत्र राज कायम है।

छात्र संघ के अध्यक्ष भी रहे जयराम सिंह निरंजन

ललितपुर के नेहरू महाविद्यालय में जहाँ छात्र संघ चुनाव बड़ा अहम माना जाता रहा है वहां पर भी पिपरिया पाली निवासी जयराम सिंह निरंजन ने छात्र जीवन में अपना परचम फहरा दिया था सन 1883/84 में वित्त मंत्री और 1884/85 में छात्र संघ अध्यक्ष के रूप में अपने जीवन की पहली सियासी पारी उन्होंने नेहरू महाविद्यालय में खेली।

पत्नी सूरज रानी निर्विरोध प्रमुख बनीं

उनके सराहनीय कार्यों का ही परिणाम था कि दूसरी बार वर्ष 2011 में उनकी पत्नी श्रीमती सूरज रानी निरंजन पत्नी जयराम सिंह निरंजन निर्विरोध निर्वाचित हुईं। उनका कार्यकाल 18.03.2011 से 18.03.2016 तक रहा। निर्विरोध चुना जाना इस बात का प्रमाण है कि उनके परिवार के खिलाफ चुनाव लड़ने की हिम्मत कोई नहीं जुटा पाया।

तीसरी बार जयपाल सिंह ऐरा को दी मात

तीसरी बार वर्ष 2016 में फिर से जयराम सिंह निरंजन ने वापसी की और अपने प्रतिद्वंद्वी जयपाल सिंह ऐरा को हराकर 18.03.2016 से 18.03.2021 तक ब्लॉक प्रमुख के पद पर काबिज रहे। इस जीत ने उन्हें राजनीति के अपराजेय योद्धा के रूप में स्थापित कर दिया।

बोर्ड के अनुसार इस परिवार के राजनीतिक सफर की शुरुआत वर्ष 2006 से हुई थी। जब पहली बार प्रतिष्ठित ब्लॉक प्रमुख के पद पर जयराम सिंह निरंजन ने विजय हासिल की।

अब जिला पंचायत की ओर कदम

विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अब जयराम सिंह निरंजन ब्लॉक से निकलकर जिले की राजनीति में बड़ा कदम रखने जा रहे हैं। वह आगामी जिला पंचायत चुनाव में जाखलौन जिला पंचायत सीट से चुनाव लड़ने की भूमिका में नजर आ रहे हैं। यदि ऐसा होता है तो जाखलौन की सियासत में बड़ा उलटफेर तय माना जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस तरह उन्होंने बिरधा ब्लॉक को विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है, उसी तरह जिला पंचायत सदस्य बनकर वह पूरे क्षेत्र का विकास करेंगे। ओर इस सीट पर विकास खण्ड बिरधा के राजस्व ग्राम भी सर्वाधिक है जो भी व्यक्ति जीत दर्ज करना चाहता है उसे बिरधा ब्लॉक में अपनी मजबूत पहचान और पकड़ की आवश्यकता होती है।

बुंदेलखंड के सबसे युवा और सबसे शिक्षित ब्लॉक प्रमुख हैं मोहित निरंजन

वर्तमान ब्लॉक प्रमुख मोहित निरंजन ने अपने नाम एक और उपलब्धि दर्ज की है। वह जनपद ललितपुर ही नहीं, बल्कि पूरे बुंदेलखंड में सबसे कम उम्र के ब्लॉक प्रमुख बने हैं। युवाओं में उनकी अच्छी खासी लोकप्रियता है। इतना ही नहीं, शैक्षिक योग्यता के मामले में भी वह जनपद के सभी निर्वाचित ब्लॉक प्रमुखों में सबसे आगे हैं। उन्होंने इंदौर से परास्नातक (Post Graduation) तक की शिक्षा हासिल की है। उनकी उच्च शिक्षा और युवा सोच का लाभ आज बिरधा ब्लॉक के विकास में साफ देखने को मिल रहा है। व्यवसायिक रूप से भी निरंजन परिवार एक सशक्त परिवार है। मोहित निरंजन ललितपुर में पावर ट्रैक ट्रैक्टर की एजेंसी चलाते हैं, साथ ही परिवार का स्टोन क्रेशर का भी बड़ा व्यवसाय है। व्यवसायी होने के बावजूद उनका अधिकांश समय जनसेवा और क्षेत्र के विकास में ही बीतता है।

जितेंद्र राजा को हराकर की थी सियासी पारी की शुरुआत

बताया जाता है कि पहली बार वर्ष 2006 में श्री जयराम सिंह निरंजन ने अपने प्रतिद्वंद्वी जितेंद्र राजा को हराकर ब्लॉक प्रमुख पद पर विजय श्री हासिल की थी। उनका कार्यकाल 09.03.2006 से 17.03.2011 तक रहा। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में विकास की ऐसी लकीर खींची कि जनता ने उनके परिवार पर अटूट भरोसा जता दिया।

जनपद के नव निर्मित स्वशासी मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा व्यवस्था पर लगा सवालिया निशान

» मेडिकल कॉलेज की चौथी मंजिल के वार्ड की बिना सुरक्षा जाली की खिड़की पर बुजुर्ग बैठा आया नजर,
» वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बना चर्चा का विषय

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुसार जनपद में जिला मुख्यालय पर स्वशासी मेडिकल कॉलेज संचालित कर दिया गया है, लेकिन यहां पर मरीजों और उनके परिजनों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। क्योंकि नवनिर्मित स्वशासी मेडिकल कॉलेज में संचालित वार्डों में बनी खिड़कियों पर सुरक्षा जाली ना लगे होने के कारण यहां पर आए मरीजों के परिजन खिड़की में बैठे हुए नजर आए, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस वायरल वीडियो ने यहां की सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाया है।

जनपद में मेडिकल कॉलेज ना होने के कारण यहां के मरीजों को बाहर रेफर किया जाता था, जिससे उन्हें काफी परेशानी होती थी। यह मुद्दे यहां की जनता की मांग पर जब जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंचाया गया, तो मुख्यमंत्री जी ने जनपद को एक स्वशासी मेडिकल कॉलेज की सौगात दी, जो बनकर तैयार हो चुका है और संचालित भी हो रहा है। यहां पर भर्ती होने वाले मरीजों को सुविधा मिलना शुरू हो गई हैं। लेकिन इस मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं, जिसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। बताया गया है कि इस वायरल वीडियो में मेडिकल कॉलेज की चौथी मंजिल पर बने एक वार्ड में भर्ती मरीज का बुजुर्ग परिजन यहां की बिना सुरक्षा जाल वाली खिड़की में इस तरह बैठा हुआ दिखाई दे रहा है, कि मानो या तो वह आत्महत्या करने के उद्देश्य बैठा हो, या फिर यदि उसका बैलेंस बिगड़ तो वह कभी भी नीचे गिरकर मौत की नींद सो सकता है। करोड़ों रुपए की लागत से बनाए गए इस मेडिकल कॉलेज के वार्डों में बनी खिड़कियों में सुरक्षा जाली नहीं लगाई गई, जो यहां का निर्माण करने वाले ठेकेदारों और तैनात कर्मचारियों की लापरवाही प्रदर्शित करती है। हालांकि यह वायरल वीडियो जनपद में चर्चा का विषय बना हुआ है और मेडिकल कॉलेज प्रशासन पर सवालिया निशान लगाने के लिए काफी है। अब इस मामले में देखने वाली बात है होगी, कि जब वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है,तब मेडिकल कॉलेज प्रशासन इस मामले में क्या कार्यवाही अमल में लाता है और कितने दिनों में मेडिकल कॉलेज के वार्डों की खिड़कियों में सुरक्षा जाल लगवाई जाती है।

संक्षिप्त खबरें

अवैध कच्ची शराब के खिलाफ आबकारी विभाग की दबिश, 10 लीटर शराब बरामद

अम्ब्रोसिया कॉलोनी के पास बिजली पावर हाउस के समीप कार्रवाई, महिला गिरफ्तार

ललितपुर। अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी विभाग ने जिले में कार्रवाई तेज कर दी है। जिलाधिकारी के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1 ने शहर एवं आसपास के विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई की। अभियान के दौरान आबकारी टीम ने शहर क्षेत्र में अम्ब्रोसिया कॉलोनी के पास स्थित बिजली पावर हाउस के समीप अवैध कच्ची शराब की बिक्री किए जाने की सूचना पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान मौके से एक महिला को 10 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। पकड़ी गई महिला की पहचान ग्राम मऊ माफी निवासी ऊषा पत्नी नंदकिशोर कबूतरा के रूप में हुई। आबकारी विभाग की टीम ने बरामद शराब को कब्जे में लेते हुए महिला के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 60(1) के तहत मुकदमा पंजीकृत कराया। अवैध शराब की बिक्री एवं निर्माण पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से आबकारी निरीक्षक अन्विता तिवारी के नेतृत्व में टीम ने शहर एवं आसपास के विभिन्न स्थानों पर दबिश दी। अभियान के दौरान अवैध शराब के संभावित अड्डों पर निगरानी की गई और शराब के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। आबकारी विभाग की इस कार्रवाई से अवैध शराब के कारोबार में लगे लोगों में हड़कंप मचा रहा। विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं भंडारण के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बेतवा के तेज बहाव में बहा ट्रक चालक, 18 घंटे बाद भी नहीं मिला सुराग

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

सुकुवां-दुकुवां बांध के पास दोपहर बेतवा नदी में नहाते समय एक 19 वर्षीय युवक तेज बहाव की चपेट में आकर बह गया। हादसे के करीब 18 घंटे बाद भी युवक का कोई सुराग नहीं लग सका। पानी का बहाव बेहद तेज होने के कारण स्थानीय स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य में कठिनाई आने के बाद पुलिस-प्रशासन ने कानपुर से राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम को बुलाया है। युवक के लापता होने के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया गया कि बिरधा गांव निवासी सुखदेव पुत्र किसान बुधवार दोपहर अपने दोस्तों के साथ सुकुंवां-दुकुवां बांध क्षेत्र में पिकनिक मनाने गया था। इसी दौरान वह बांध के गेटों से गिर रहे पानी के नीचे बेतवा नदी में नहाने लगा। अचानक नदी का बहाव तेज हो गया और सुखदेव पानी की तेज धारा की चपेट में आकर बह गया। हादसे के समय उसके साथ मौजूद दोस्तों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन नदी के खतरनाक बहाव के कारण कोई भी पानी में उतरने की हिम्मत नहीं जुटा सका। युवक के बहने की सूचना मिलते ही मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी नदी किनारे पहुंचे। उन्होंने तत्काल बचाव के लिए रस्सी मंगाने का प्रयास किया, लेकिन तेज बहाव के चलते रेस्क्यू करना बेहद जोखिमपूर्ण बना रहा। इस दौरान घटनाक्रम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें युवक को तेज बहाव में बहते हुए देखा जा रहा है। क्षेत्र में लगातार बारिश तथा राजघाट और माताटीला बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण बेतवा नदी का जलस्तर और बहाव काफी तेज बना हुआ है। ऐसे में स्थानीय गोताखोरों के लिए भी नदी में उतरकर तलाश करना मुश्किल हो गया। परिजनों ने पानी का बहाव कम करने के लिए माताटीला बांध

के गेट बंद करने की मांग की, लेकिन लगातार पानी की आवक और जलस्तर को देखते हुए ऐसा करना संभव नहीं हो पा रहा है। थाना पूराकलां के प्रभारी निरीक्षक अजमेर सिंह भदौरिया के अनुसार, लापता युवक की तलाश के लिए कानपुर से एनडीआरएफ की विशेष टीम को बुलाया गया है। टीम के पहुंचने के बाद नदी में सघन सर्च ऑपरेशन चलाकर युवक की तलाश की जाएगी। पुलिस और प्रशासन की टीमें भी मौके पर निगरानी बनाए हुए हैं। सुखदेव ट्रक चालक है और तीन भाइयों में सबसे छोटा बताया गया है। उसके पिता किसान हैं। हादसे की जानकारी मिलने के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजन लगातार नदी किनारे पहुंचकर अपने लापता बेटे के सुरक्षित मिलने की उम्मीद लगाए हुए हैं।

रक्षाबंधन पर खाद्य विभाग की छापेमारी, 40 किलो दूषित मिल्क केक नष्ट, कॉफी हाउस के निर्माण स्थल पर मिली गंदगी

» री-यूज्ड खाद्य तेल और अखबार में पैकिंग
» खोया, मिल्क केक व छेना के नमूने लिए

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने गुरुवार को शहर में छापामार कार्रवाई की। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन लखनऊ तथा जिलाधिकारी के निर्देश पर उप जिलाधिकारी ललितपुर सदर हेमंत पटेल के नेतृत्व में टीम ने प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। कार्रवाई के दौरान करीब 40 किलोग्राम दूषित मिल्क केक नष्ट कराया गया, जबकि कई खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए संग्रहित किए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने ललितपुर नगर पालिका क्षेत्र स्थित कॉफी हाउस, प्रो. विजय कुमार जैन के निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। मौके पर पर्याप्त साफ-सफाई नहीं पाई गई। टीम को री-यूज्ड एडिबल ऑयल का प्रयोग होता

मिला। इसके अलावा खाद्य पदार्थों की पैकिंग के लिए अखबार का इस्तेमाल किया जा रहा था, जिसे खाद्य सुरक्षा मानकों के तहत अनुमन्य नहीं बताया गया। निरीक्षण के दौरान टीम ने यहां से खोया के दो, मिल्क केक का एक और छेना का एक, कुल चार नमूने संग्रहित किए। साफ-सफाई संबंधी कमियां मिलने पर प्रतिष्ठान को नोटिस भी जारी किया गया। इसके बाद टीम ने मोहन मावा भंडार, प्रो. मयंक जैन के यहां छापामार कार्रवाई की। यहां भंडारित मिल्क केक, पनीर और खोया के नमूने जांच के लिए लिए गए। निरीक्षण के दौरान करीब 40 किलोग्राम दूषित मिल्क केक पाया गया, जिसे मौके पर ही नष्ट कराया गया। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि दोनों प्रतिष्ठानों से संग्रहित किए गए खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए भेजे जाएंगे। प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई में उप जिलाधिकारी ललितपुर सदर हेमंत पटेल के साथ सहायक आयुक्त खाद्य-द्वितीय विनोद कुमार शर्मा, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी कलामुद्दीन, खाद्य सुरक्षा अधिकारी एसएस निरंजन और नागेंद्र कुमार पटेल शामिल रहे। खाद्य सुरक्षा विभाग ने पर्व के दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट और अस्वच्छ तरीके से खाद्य सामग्री तैयार अथवा बेचने वालों के खिलाफ जांच एवं कार्रवाई जारी रखने के संकेत दिए हैं।

भारी बारिश में भी यातायात व्यवस्था संभालने में जुटी ट्रैफिक पुलिस

रेलवे स्टेशन तिराहे पर डटे रहे यातायात कर्मी, लोगों से सुरक्षित वाहन चलाने की अपील

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

शहर में पिछले 24 घंटे से लगातार हो रही भारी बारिश के बीच जहां जनजीवन अस्त-व्यस्त है और नदी-नाले उफान पर हैं, वहीं यातायात पुलिस कर्मी खराब मौसम के बावजूद अपनी ड्यूटी पर मुस्तैदी से डटे हुए हैं। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए यातायात पुलिसकर्मी निर्धारित स्थानों पर तैनात रहकर यातायात का संचालन करा रहे हैं। रेलवे स्टेशन तिराहे पर बारिश के बीच ड्यूटी करते यातायात पुलिस कर्मियों की तस्वीर पुलिस की मुस्तैदी और जिम्मेदारी को बयां कर रही है। भारी बारिश के दौरान सड़कों पर वाहनों की आवाजाही बनाए रखना यातायात पुलिस के लिए चुनौतीपूर्ण है, इसके बावजूद पुलिसकर्मी लगातार अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। शहर में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह तथा क्षेत्राधिकारी यातायात राजेश कुमार श्रीवास्तव के निकट पर्यवेक्षण में यातायात प्रभारी आलोक कुमार तिवारी के नेतृत्व में यातायात पुलिस की टीम लगातार सक्रिय है।

संवेदनशील एवं प्रमुख चौराहों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती कर यातायात को नियंत्रित किया जा रहा है। लगातार बारिश के कारण कई स्थानों पर जलभराव तथा नदी-नालों में पानी का स्तर बढ़ने से आवागमन प्रभावित होने की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों को सावधानी बरतने के साथ ही यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि बारिश के दौरान तेज गति एवं लापरवाही से वाहन न चलाएं। सड़क पर जलभराव होने की स्थिति में विशेष सावधानी बरतें, पर्याप्त दूरी बनाए रखें और यातायात नियमों का पालन करें। पुलिस ने लोगों से अपील की कि खराब मौसम में अनावश्यक जोखिम न लें और सुरक्षित तरीके से अपने गंतव्य तक पहुंचें। बारिश के बीच यातायात पुलिस की मुस्तैदी से यह संदेश साफ है कि मौसम चाहे कितना भी खराब हो, शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मी हर परिस्थिति में अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं।

जैन मुनियों पर उपसर्ग निवारण हेतु श्रावको ने बांधे रक्षा सूत्र

जैन अटा मंदिर में वात्सल्य महापर्व पर रक्षाबंधन विधान आज

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

आचार्य श्रेष्ठ विद्यासागर महाराज के प्रभावक शिष्य मुनि विशदसागर महाराज एवं मुनि शिव सागर महाराज के सानिध्य में वात्सल्य पर्व रक्षाबंधन के पूर्व जैन मंदिरों में मुनि उपसर्ग निवारण हेतु संकल्प लेते हुए रक्षा सूत्र बाधे। आज नगर के पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अटा मंदिर में मुनि श्री के सानिध्य में दिनांक 28 अगस्त को प्रातः 7:00 से प्रदीप जैन शास्त्री बाहुबलीनगर के मार्गदर्शन में शुरू होगा।

आज प्रातः काल से ही नगर की जैन मंदिरों में प्रभु अभिषेक शांति धारा के उपरांत श्रावकों ने मुनि उपसर्ग निवारण हेतु संकल्प लेते हुए एक दूसरे को रक्षा सूत्र बांधे और नगर की जैन मंदिरों की वंदना की। जैन परंपरा में रक्षाबंधन का संबंध केवल भाई-बहन के प्रेम से नहीं बल्कि धर्म और साधु-संस्कृति की रक्षा से भी जोड़ा जाता है। प्राचीनकाल में हस्तिनापुर में आचार्य अकम्पनाचार्य सहित 700 मुनिराजों के संघ पर घोर उपसर्ग किया गया था। इसी घटना की स्मृति में जैन समाज में रक्षाबंधन के अवसर पर रक्षा सूत्र बांधने की परंपरा बताई जाती है। इसका भाव केवल किसी व्यक्ति की रक्षा तक सीमित नहीं बल्कि धर्म, साधना, संयम, जीव-दया और धार्मिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प माना जाता है।

इस दौरान जैन पंचायत के अध्यक्ष अक्षय जैन टडैया, महामंत्री आकाश जैन, मंत्री कैप्टन राजकुमार जैन, सयोंजक सन्त जैन खजुरिया, अटा मंदिर प्रबंधक अजय जैन गंगचारी एवं मनोज जैन बबीना, त्यागीवृत्ति संयोजक अमित जैन सराफ, प्रतीक इमलिया,राकेश जैन रिंकू, सजल जैन जौली, सुमित खजुरिया, दिलीप चोधरी, अनन्त सराफ सहित जैन समाज की सभी श्रेष्ठीगण मौजूद रहे।

मन्दिर प्रबन्धक मनोज जैन बबीना ने बताया कि मुनि संघ के सानिध्य में सम्पन्न होने वाले मुनिउपसर्ग निवारण विधान मे द्रव्य पुण्यार्जक जिनेन्द्र जैन महेन्द्र मयूर परिवार रहेंगे।इस अवसर पर राखी सजाओ प्रतियोगिता भी होगी जिसमें प्रथम तीन विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

खेती की जमीन के विवाद को लेकर महिला व उसके बच्चे के साथ सरेआम गाली गलौज क़र तोड़ा दरवाजा

पीड़िता की शिकायत पर विपक्षी के खिलाफ मामला दर्ज

ललितपुर। थाना नाराहट क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम परडीया निवासी श्रीमती रश्मि पत्नी नीरज ने थाना नाराहट पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए व्रत कराया कि उसकी खेती किसानी की जमीन को लेकर पुराना विवाद गांव में ही रहने वाले विपक्षी नंदलाल पुत्र आसाराम आदि से चल रहा है। बताया गया है इसी विवाद को लेकर जब वह 6 जून 2026 को अपने घर पर थी, इसी दौरान दबंग विपक्षी नंदलाल अपने एक अन्य साथी के साथ वहां पर आ धमका और उसके और उसके बच्चों के साथ सरेआम गाली गलौज करने लगा। इस दौरान जब उसने विपक्षी की इस हरकत पर विरोध जताया, तब उन्होंने एक राय होकर उसके घर का दरवाजा तोड़ दिया और उसके और उसके बच्चों के साथ मारपीट की। थाना नाराहट पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर पीड़ित महिला द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ 352, 324(4) धाराओं में मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

बुढ़बार गाँव में विवाद को लेकर गाली गलौज मारपीट कर ने का आरोप

ललितपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बुढ़बार निवासी जितेंद्र कुमार पुत्र धरम ने सदर कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया कि दिनांक 25 अगस्त 2026 को रात्रि गरीब 10:00 बजे शहर के मोहल्ला सिविल लाइन में रहने वाला दबंग विपक्षी कृष्णा अपने दो अन्य साथियों के साथ उसके गांव गया हुआ था, जहां उसकी कहासुनी विपक्षियों के साथ हो गई थी। इस कहासुनी के विवाद में तीनों दबंग विपक्षियों ने उसे मौके पर दबोच कर उसके साथ सरेआम गाली गलौज करते हुए लात घूसों से मारपीट की। सदर कोतवाली पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर पीड़ित द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर तीन आरोपियों के खिलाफ 115(2), 352 धाराओं में मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

राजकीय बाल गृह और संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण, व्यवस्थाएं मिलीं दुरुस्त

» बाल गृह में 15 बच्चे और संप्रेक्षण गृह में 41 किशोर मिले मौजूद
» समिति ने स्वास्थ्य, शिक्षा, खान-पान समेत व्यवस्थाओं का लिया जायजा

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला निरीक्षण समिति एवं विशेष समिति ने गुरुवार को राजकीय बाल गृह (बालक) दैलवारा और राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) नेहरू नगर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों संस्थाओं में व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ बच्चों और किशोरों से सीधे बातचीत कर स्वास्थ्य, शिक्षा, खान-पान तथा अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली गई। दोनों संस्थाओं की व्यवस्थाएं सामान्य तौर पर दुरुस्त पाई गईं। सबसे पहले समिति ने राजकीय बाल गृह (बालक) दैलवारा का निरीक्षण किया। इस दौरान सभी कर्मचारी अपनी निर्धारित ड्यूटी के अनुसार तैनात मिले। संस्था में वर्तमान में 15 बच्चे निवासरत पाए गए। समिति सदस्यों ने बच्चों से उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, खान-पान और संस्था में उपलब्ध अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। बच्चों ने व्यवस्थाओं को ठीक बताया। निरीक्षण के दौरान मनोरंजन कक्ष, शिक्षण कक्ष, शौचालय, स्नानगृह और रसोई कक्ष का भी जायजा लिया गया। बच्चों के पीने के पानी के लिए संस्था में आरओ और वाटर कूलर की व्यवस्था मिली। समिति ने संस्था की अन्य व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया, जो दुरुस्त पाई गईं। इसके बाद समिति ने राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर), नेहरू नगर का निरीक्षण किया। यहां कुल 41 किशोर निरुद्ध पाए गए। समिति ने किशोरों के शयन कक्ष, शौचालय, स्नानगृह, रसोई सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। किशोरों से संस्था में उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली गई। सभी किशोरों ने व्यवस्थाओं को ठीक बताया। निरीक्षण समिति अध्यक्ष एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) दिनेश कुमार ने दोनों संस्थाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव देवप्रिय सारस्वत, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह, क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार, मनोचिकित्सक डा. ऋषभ प्रताप सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी नन्दलाल सिंह, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा.रामनरेश सोनी, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष राजकुमार, सदस्य प्रताप नारायण गोस्वामी, रवि नारायण चौबे एवं अर्चना सक्सेना, बाल कल्याण समिति के पूर्व सदस्य अजय बरया, किशोर न्याय बोर्ड सदस्य सुधीर कुमार त्रिपाठी एवं श्वेता कुमारी समेत दोनों संस्थाओं के संस्थाध्यक्ष उपस्थित रहे। इसके अलावा मनोवैज्ञानिक संजीव कुमार शर्मा, विधि सह परिवीक्षा अधिकारी खुशबू जायसवाल, सामाजिक कार्यकर्ता रूपेश कुमार, विनीत कुमार एवं अंकित रावत, आधार शिला सेवा समिति से सर्वदेव तिवारी तथा कंप्यूटर ऑपरेटर पुष्पेंद्र परमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान में महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा व साइबर अपराध से बचाव की जानकारी

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

उत्तर प्रदेश शासन के मिशन शक्ति फेज-5.0 के द्वितीय चरण के तहत गुरुवार को पुलिस ने जिले के सभी थाना क्षेत्रों में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और साइबर सुरक्षा को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन में आयोजित अभियान में मिशन शक्ति टीमों, एंटी रोमियो टीमों तथा महिला बीट पुलिस अधिकारियों ने विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर महिलाओं और छात्राओं से संवाद किया। अभियान के दौरान विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों, बस स्टैंडों, सार्वजनिक स्थलों और ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम, ग्राम चौपाल, बहू-बेटी सम्मेलन एवं जनसंवाद आयोजित किए गए। पुलिस टीमों ने महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों तथा महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों की जानकारी दी। पुलिस ने घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, बाल विवाह, बाल श्रम एवं महिला उत्पीड़न से संबंधित कानूनी प्रावधानों के बारे में जानकारी देते हुए किसी भी प्रकार की समस्या होने पर पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही महिला कल्याणकारी योजनाओं, आत्मनिर्भरता और स्वरोजगार के अवसरों के संबंध में भी जागरूक किया गया। जागरूकता अभियान के दौरान साइबर अपराध से बचाव पर भी विशेष जोर दिया गया। पुलिस ने लोगों से फर्जी कॉल और संदिग्ध लिंक से सावधान रहने तथा ओटीपी, बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी और अन्य निजी विवरण किसी के साथ साझा नहीं करने की अपील की। सोशल मीडिया का सुरक्षित इस्तेमाल करने तथा साइबर अपराध होने की स्थिति में तत्काल 1930 पर शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया गया। एंटी रोमियो टीमों ने विद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों का भ्रमण कर महिलाओं एवं बालिकाओं से संवाद किया। टीमों ने छात्राओं को आत्मरक्षा और व्यक्तिगत सुरक्षा के उपाय बताएं तथा छेड़छाड़, उत्पीड़न अथवा किसी भी असामाजिक गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया। पुलिस ने लोगों को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी। इनमें 1090 महिला हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन सेवा, 108 एंबुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 181 महिला हेल्पलाइन और 1930 राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन शामिल हैं। ललितपुर पुलिस ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए जागरूकता अभियान निरंतर जारी रहेगा।

ब्लैक स्पॉट्स पर रंबल स्ट्रिप, सुरक्षा ग्रिल, ब्लिंकर्स व साइन बोर्ड लगाने के निर्देश

सड़क सुरक्षा को लेकर डीएम एक्शन मोड में, एनएचएआई अधिकारियों को लगाई फटकार

एंट्री-एग्जिट प्वाइंट पर लगेंगे ए.एन.पी.आर. कैमरे

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने सख्त रुख अपनाया है। गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), लोक निर्माण विभाग, परिवहन, यातायात, नगर विकास सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार कर कार्रवाई के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क दुर्घटना केवल एक व्यक्ति की जान नहीं लेती, बल्कि पूरे परिवार को जीवन भर का दर्द दे जाती है। इसलिए दुर्घटनाओं की रोकथाम केवल विभागीय जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सभी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। उन्होंने दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों और चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर सुरक्षा के सभी आवश्यक इंतजाम तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

डीएम ने एनएचएआई अधिकारियों को निर्देश दिए कि चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर रंबल स्ट्रिप, साइन बोर्ड, ब्लिंकर्स, सुरक्षा ग्रिल और कैमरे आदि लगाए जाएं। उन्होंने जिले के एंट्री और एग्जिट प्वाइंट्स पर लगे सामान्य कैमरों को हटाकर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (ए.एन.पी.आर.) कैमरे लगाने के निर्देश दिए, ताकि आने-जाने वाले वाहनों पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके। उन्होंने झांसी और सागर की ओर जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर बारिश के कारण हुए गडढों को तत्काल भरवाकर सड़क की मरम्मत कराने को कहा। बैठक में जिलाधिकारी ने एनएचएआई सागर के अधिकारियों को अमझरा के पास राजमार्ग पर बने गडढों को लेकर कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि पूर्व की बैठकों में भी इस समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं होना गंभीर लापरवाही है। डीएम ने स्पष्ट चेतावनी दी कि अगली बैठक से पहले गड्ढे नहीं भरे गए तो एनएचएआई के पीडी को दंडात्मक कार्रवाई के लिए पत्र लिखा जाएगा। जिलाधिकारी ने अमरपुर विशिष्ट मंडी में फल-सब्जी मंडी स्थानांतरित होने के बाद बढ़े यातायात को देखते हुए इसे मेजर हॉटस्पॉट बताया। उन्होंने कहा कि झांसी और ललितपुर की ओर से आने-जाने वाले वाहनों को यूटर्न लेते समय दुर्घटना का खतरा रहता है। अधिकारियों को मौके का निरीक्षण कर दोनों ओर 100 मीटर के दायरे में तीन से चार संकेत बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार रामनगर चौराहे को भी हॉटस्पॉट बताते हुए वहां रंबल स्ट्रिप बढ़ाने और अंडरपास निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। एसडीपीएस इंटरनेशनल स्कूल और खेल स्टेडियम के पास विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए बाईपास पर सुरक्षा ग्रिल लगाने को भी कहा गया।

स्कूली वाहनों की समीक्षा करते हुए डीएम ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी वाहन में निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को न बैठाया जाए। प्रत्येक स्कूली वाहन पर चालक का नाम और मोबाइल नंबर स्पष्ट रूप से अंकित कराया जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सड़कों पर अवैध ई-रिक्शा के संचालन पर भी रोक लगाने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक ई-रिक्शा का पंजीकरण

सुनिश्चित कराया जाए। जिले में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए डीएम ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को बांधों और जलाशयों से पानी छोड़े जाने के संबंध में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बांधों के गेट खोले जाने से पहले संबंधित पुलिस थानों और आसपास के गांवों में विभिन्न माध्यमों से सूचना पहुंचाई जाए, ताकि लोग जल स्रोतों के आसपास न जाएं और किसी प्रकार की जनहानि न हो। बैठक में सीएमओ डा.वीरेंद्र सिंह, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग विजय चन्द्रा, अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग स्वर्ण सिंह, एआरटीओ विपिन चौधरी, जिला विद्यालय निरीक्षक ओपी सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका दिनेश कुमार विश्वकर्मा, प्रोजेक्ट हेड एनएचएआई प्रदीप कुमार, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग रोहित त्रिपाठी, यातायात प्रभारी आलोक तिवारी, पुलिस सीसी टीम, सूचना विभाग से सुमित कुमार तथा आईरेड प्रभारी एनआईसी नरेंद्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

छिल्ला गांव में खुलेआम शराब बिक्री का वीडियो वायरल

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

थाना बानपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम छिल्ला में देसी शराब के ठेकेदारों की मदद से एक ग्रामीण अपने घर में बड़े पैमाने पर शराब रखकर अवैध रूप से बेच रहा है। जब ग्रामीण अवैध रूप से शराब बेचने का काम कर रहा था, तभी किसी ग्रामीण ने उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया, जिसने आबकारी विभाग की कार्य प्रणाली पर सवालिया निशान लगाने का काम किया है। अब देखना होगा की वीडियो वायरल होने के बाद आबकारी विभाग उक्त शराब विक्रेता के खिलाफ क्या कार्रवाई अमल में लाता है।

जिलाधिकारी के निर्देश पर जनपद का आबकारी विभाग भले ही अवैध रूप से बेची जाने वाली देसी शराब पर लगाम लगाने का दावा कर रहा हो, लेकिन इसकी जमीनी हकीकत कुछ और ही है। क्योंकि आबकारी विभाग गांव-गांव में धड़ल्ले से अवैध रूप से बेची जा रही देसी शराब पर लगाम लगा पाने में असमर्थ नजर आ रहा है। हालांकि आबकारी विभाग के अधिकारी कर्मचारी स्वयं ही निरीक्षण करते हैं और उनके निरीक्षण के वीडियो फोटो बनाकर मीडिया को इस उद्देश्य उपलब्ध कराते हैं, ताकि उनकी इस कार्यवाही की खबर अखबारों में छपे और वाहवाही लूट सकें। लेकिन इस वाहवाही की पोल उस समय खुलती नजर आई, जब थाना बानपुर क्षेत्र के ग्राम छिल्ला का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें कथित तौर पर खुलेआम एक ग्रामीण अवैध रूप से देसी शराब की बिक्री करता हुआदिखाई दे रहा है।

वीडियो सामने आने के बाद सवाल उठ रहा है कि आखिर गांव में शराब की बिक्री किसकी अनुमति से हो रही है। यह बिक्री वीडियो मंगलवार को बताया गया है। सूत्रों की मानें तो ठेकेदार स्वयं गांव-गांव में ऐसी ही शराब रखवा कर बिकवाती हैं और आबकारी विभाग की साथ गाँठ इसमें होती है। क्योंकि बिना अधिकारी कर्मचारियों की मिलीभगत से कोई भी दो नंबर का काम नहीं हो सकता।

संक्षिप्त खबरें

बेतवा नदी उफान पर, माताटीला बांध के 15 गेट खोलकर छोड़ा 38 हजार क्यूसेक पानी

ललितपुर | उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में लगातार हो रही बारिश के चलते बेतवा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। लगातार बारिश और राजघाट बांध से पानी छोड़े जाने के बाद माताटीला बांध का जलस्तर भी बढ़ रहा है। स्थिति को देखते हुए सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने माताटीला बांध के 15 गेट खोलकर करीब 38 हजार क्यूसेक पानी बेतवा नदी में छोड़ा है। माताटीला बांध में लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सिंचाई निर्माण खंड के अधिकारियों ने पानी की निकासी शुरू की है। बांध के 15 गेट खोले जाने के बाद बड़ी मात्रा में पानी बेतवा नदी में पहुंच रहा है। इससे नदी का जलस्तर और बढ़ गया है तथा आसपास के क्षेत्रों में भी प्रशासन की निगरानी बढ़ गई है। बताया गया है कि सुकुमा-ढुकुमा बांध से भी लगातार पानी बेतवा नदी में छोड़ा जा रहा है। वहीं राजघाट बांध से छोड़े गए पानी का असर भी माताटीला बांध के जलस्तर पर पड़ा है। कई जलाशयों से एक साथ पानी की निकासी होने के कारण बेतवा नदी के जलस्तर में आगामी घंटों में और बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। बेतवा नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। प्रशासन एवं सिंचाई विभाग के अधिकारी बांधों के जलस्तर और पानी की निकासी पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। लोगों से नदी, नालों और जलभराव वाले स्थानों के आसपास अनावश्यक रूप से न जाने तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है। लगातार बारिश के बीच बांधों से हो रही पानी की निकासी ने बेतवा नदी के जलस्तर को बढ़ा दिया है। ऐसे में आने वाले समय में नदी के जलस्तर पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

रक्षाबंधन पर्व - बहनों ने भाइयों के लिए खरीदी राखी

मिठाई की दुकानों पर भी रही भीड़

स्वतंत्र प्रभात | पाली

रक्षाबंधन पर्व को लेकर कस्बे के बाजार में खूब रौनक देखने को मिली। पर्व की तैयारियों को लेकर कस्बे के प्रमुख बाजारों में राखी, मिठाई, कपड़े और उपहारों की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बढ़ रही। बहनें भाइयों की कलाई पर बांधने के लिए तरह-तरह की आकर्षक राखियां खरीदती नजर आईं। बाजार में रंग-बिरंगी और मोतियों से सजी राखियां लोगों को खूब आकर्षित कर रही हैं।

रक्षाबंधन को लेकर राखी की दुकानों पर सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ नजर आने लगी। दुकानदारों ने भी पर्व को देखते हुए अलग-अलग डिजाइन और रंगों की राखियों से दुकानें सजा रखी हैं। बच्चों से लेकर युवाओं तक के लिए कार्टून, मोती, रुद्राक्ष और आकर्षक डिजाइन वाली राखियां उपलब्ध हैं। बहनें अपने भाइयों की पसंद के अनुसार राखियां खरीदने में जुटी रहीं।

रक्षाबंधन पर राखी बांधने के साथ मिठाई खिलाने की परंपरा के चलते मिठाई की दुकानों पर भी ग्राहकों की आवाजाही बढ़ गई। लोगों ने भाई-बहन के लिए मिठाइयां खरीदीं। दुकानों पर विभिन्न प्रकार की मिठाइयों के साथ पैकिंग वाले गिफ्ट पैक भी तैयार किए गए हैं। पर्व को लेकर मिठाई कारोबारियों को अच्छी बिक्री की उम्मीद है। तो वहीं पर्व को लेकर लोगों के घरों में स्वादिष्ट व्यंजन बनने शुरू हो गए जिसकी सुगंध भी खूब उड़ रही है ।

बच्चों को भाए रंग-बिरंगे खिलौने

बाजार में खरीदारी करने पहुंचे बच्चों का आकर्षण खिलौनों की दुकानों पर भी रहा। रंग-बिरंगे खिलौने और आकर्षक सामान बच्चों को अपनी ओर खींचते नजर आए। अभिभावकों के साथ बाजार पहुंचे बच्चों ने अपनी पसंद के खिलौने खरीदे। रक्षाबंधन की खरीदारी के बीच बाजार में बच्चों की चहलकदमी से माहौल और भी खुशनुमा दिखाई दिया।

भाई-बहन के स्नेह का पर्व

रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व है। इस दिन बहनें भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उसकी सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना करती हैं। भाई भी बहनों की रक्षा का संकल्प लेते हुए उन्हें उपहार देते हैं। पर्व को लेकर घरों में भी तैयारियां शुरू हो गई हैं। बाजारों में बढ़ी चहल-पहल से व्यापारियों के चेहरे पर भी रौनक दिखाई दे रही है।

अलौकिक रक्षाबंधन समारोह में गूंजा आत्मिक सुरक्षा का संदेश

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, वरदानी भवन में गुरुवार को अलौकिक रक्षाबंधन समारोह बड़े ही आध्यात्मिक, आनंदमय एवं दिव्य वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में बहन-भाइयों ने रक्षाबंधन के बाहरी स्वरूप के साथ-साथ उसके गहरे आध्यात्मिक रहस्य को समझते हुए पवित्रता, आत्मिक स्मृति और परमात्म-संबंध का संकल्प लिया।

समारोह में राजयोगिनी बीके चित्ररेखा दीदी जी ने रक्षाबंधन के आध्यात्मिक रहस्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राखी का अर्थ केवल रक्षा का बंधन नहीं, बल्कि आत्मा को परमात्मा की याद से जोड़ने वाला पवित्र बंधन है। मंच संचालिका बीके माया रानी दीदी ने आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए कहा कि जब मनुष्य स्वयं को देह नहीं, बल्कि शांत, पवित्र और शक्तिशाली आत्मा समझकर परमात्मा से संबंध जोड़ता है, तब जीवन में अनेक प्रकार के दुखों से ऊपर उठने की शक्ति प्राप्त होती है।*

बीके गीता दीदी ने बताया कि परमात्मा जब इस धरा पर आकर हमें आत्मा का परिचय कराते हैं—“मैं कौन हूँ?”—आत्मिक स्मृति का तिलक लगाया। यह सभी शुभ कार्यों में तिलक देते हैं यह इसी का प्रतीक है। रेनू बहन ने राखी का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए कहा कि परमात्मा शिक्षा ज्ञान मुरली के द्वारा हम श्रेष्ठ संस्कारों की रक्षा करते हैं। इस आत्मिक पहचान से जीवन में सच्ची खुशी, शक्ति और शांति का अनुभव होने लगता है। बीके प्रीती दीदी ने

आरती की आध्यात्मिक व्याख्या करते हुए कहा कि रक्षाबंधन में आरती आत्मा के प्रति शुभभावना और पवित्र दृष्टि, देवत्व का प्रतीक है। बीके निशा बहन ने मुख मीठा कराने के लिए कहा कि *केवल मिठाई खिलाना नहीं, बल्कि मीठे बोल, मधुर व्यवहार और शुभ संकल्पों का प्रतीक है। बीके रूबी दीदी जी ने रक्षाबंधन पर दी जाने वाली सौगात एवं गिफ्ट का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए कहा कि परमपिता परमात्मा जब इस धरा पर आते हैं तो अपने बच्चों के लिए ज्ञान, योग, पवित्रता, शांति और शक्तियों की अमूल्य सौगात लेकर आते हैं। उपहार देना प्रेम और नजदीकियों का प्रतीक है। बीके प्रियंका दीदी जी ने सभी को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए प्रेम, पवित्रता और आत्मिक भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम में बीके पूजा बहन के द्वारा सुंदर कविता के माध्यम से सभी को भावपूर्ण शुभकामनाएं दी गईं। जिससे *रक्षाबंधन का पर्व एक साधारण त्योहार न रहकर आत्मिक जागृति और परमात्म-स्मृति का महापर्व बन गया। अंत में विद्यासागर भाई ने उपस्थित सभी अतिथियों, बहनों एवं भाइयों का आभार व्यक्त किया।

जश्न-ए-विलादत पर मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान

स्वतंत्र प्रभात | महरौनी

ईद मीलादुन्नबी के मुबारक अवसर पर क्यामगाह स्थित मदरसा अंजुमन-ए-इस्लामिया कमेटी के तत्वावधान में नातिया प्रोग्राम आयोजित किया गया। बच्चों ने खूबसूरत नातें प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों की खूब वाहवाही बटोरी। कमेटी ने बच्चों को पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन किया।

इसके बाद यूपी बोर्ड एवं CISCE बोर्ड के हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

वक्ताओं हाजी रसीद बाबू, इरफान अली एड., मकसूद अली मौलवी, मौलाना सलीम कादरी व हाफिज सलामत रजा ने विद्यार्थियों की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि मेहनत और लगन से पढ़ाई कर वे नगर व देश का नाम रोशन करें। उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य, बेहतर स्वास्थ्य तथा सफलता के लिए दुआ की।

कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद खान एड. ने किया, जबकि आभार मदरसा सदर समद खान एड. ने व्यक्त किया। इस अवसर पर यूनिस हाशमी, इफ्तिखार खान, हाजी हारून खान एड., हाजी पीर खान, हाजी मुवीन खान, जाकिर अली सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

भारी बारिश से ललितपुर में जनजीवन अस्त-व्यस्त

ललितपुर। जिले में पिछले 24 घंटे से रुक-रुककर हो रही तेज बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। लगातार बारिश के चलते कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बन गई है, जबकि नदी-नाले उफान पर हैं। मौसम में अचानक बदलाव से तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। बारिश के मद्देनजर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रत्नेश कुमार ने गुरुवार को कक्षा एक से आठ तक संचालित सभी विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया। लगातार बारिश के कारण कस्बा बार में बुधवार शाम एक कच्चा मकान भरभराकर गिर गया। मकान मालिक शिवाकांत सेन के अनुसार, बारिश से बचाव के लिए मकान पर पहले से पन्नी डाली गई थी, लेकिन लगातार मूसलाधार बारिश के कारण पन्नी भी ज्यादा देर तक सुरक्षा नहीं दे सकी। देखते ही देखते मकान ढह गया और उसमें रखा घर-गृहस्थी का सामान मलबे में दब गया। मकान गिरने से परिवार को काफी नुकसान हुआ है। गनीमत रही कि हादसे के समय कोई व्यक्ति मलबे की चपेट में नहीं आया। घटना के बाद आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर मलबा हटाने में मदद की। बारिश के चलते जिले के नदी-नाले उफान पर आ गए हैं।

जखौरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के ठहराव हेतु ग्रामीणों ने झाँसी मंडल के रेल प्रबंधक को दिया ज्ञापन

यहां पर तीर्थ स्थल दर्शनीय स्थल एवं विद्यार्थियों और ग्रामीणों के आवागमन की सुविधाओं का दिया हवाला

ललितपुर। झांसी ललितपुर रेल लाइन पर स्थित जखौरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन ठहराव के लिए ग्रामीणों ने झांसी रेल मंडल के रेल प्रबंधक को उसे समय ज्ञापन दिया जब वह निर्धारित द्वारा पर इस रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करने आए थे इस ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने इलाके के लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कुछ ट्रेनों के ठहराव की मांग उठाई।

मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 26 अगस्त, 2026 को झांसी रेल मंडल के प्रबंधक जखौरा रेलवे स्टेशन पर दौरे पर आये थे , जहां जनपद के जखौरा ब्लॉक से स्थानीय प्रतिनिधियों और भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा स्टेशन अधीक्षक/मंडल रेलवे प्रबंधक (झांसी मंडल) को कुछ ट्रेनों की ठहराव के लिए प्रस्तुत किए गए एक आधिकारिक ज्ञापन दिया है। दिए गए पत्र में अवगत कराया गया है कि इस इलाके के यात्रियों की आवागमन सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) अमृतसर एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 11057/11058) और कोरबा अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 18237/18238) के लिए जखौरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन ठहराव किया जाए, ताकि क्षेत्र वासियों कोष का लाभ मिल सके। बताया गया है कि स्थानीय उच्च शिक्षा सुविधाओं की कमी के कारण ललितपुर या झांसी की शिक्षा के लिए यात्रा करने वाले आसपास के 30 गांवों के लगभग 350 छात्रों को होने वाली दैनिक आवागमन की कठिनाइयाँ, साथ ही स्थानीय श्रमिकों, व्यापारियों और आगंतुकों द्वारा की जाने वाली कठिनाइयाँ है। यहां के प्रसिद्ध राखपंचमपुर मंदिर और काकरवाल जलप्रपात सहित स्थानीय धार्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों के लिए कनेक्टिविटी के लिए ठहराव अति आवश्यक हैं। ज्ञापन पर भारतीय जनता पार्टी के जखौरा मंडल अध्यक्ष कृपाल सिंह लोधी बुद्ध सिंह बुंदेला पूर्व मंडल अध्यक्ष मंसाराम नायक वरिष्ठ भाजपा नेता अरविंद कुमार नायक पूर्व प्रधान कल्यानपूरा मनोहर बुंदेला रायपुर राजेश कौशिक महेंद्र सिंह बुंदेला विजय सिंह लोधी रमेश तोमर सनत कुमार जयकांत नायक रामकिशन राजपूत मुरारी लाल नायक अरविंद लोधी रामबाबू शिवहरे आदि के हस्ताक्षर बने हुए हैं।

लगातार हो रही बारिश से जमालपुर के दो ग्रामीणों के कच्चे मकान के साथ गुगरवारा के ग्रामीण का आशियाना हुआ जमींदोज

तीनों परिवारों ने प्रशासन से आर्थिक मदद की लगाई गुहार

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जनपद में पिछले कई दिनों से हो रही लगातार बारिश का असर अब देखने को मिल रहा है. जहां एक और नदी नाले उफान पर आ गए हैं, तो वहीं दूसरी ओर अब कच्चे मकान भी ध्वस्त होने लगे हैं, जो लगातार हो रही बारिश की मार को सह नहीं पा रहे। जानकारी मिली है कि विकासखंड बार के गुगरवारा एवं विकासखंड तालबेहट के ग्राम जमालपुर में रहने वाले ग्रामीणों के मकान बारिश के कारण ध्वस्त हो गए हैं और तीनों परिवारों ने प्रशासन से मदद देने की गुहार लगाई है।

जनपद में पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण अब ग्रामीणों के कच्चे आशियाने गिरने लगे हैं, जिनसे उन्हें जान माल के नुकसान होने की आशंका सता रही है। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी कि प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ कई ग्रामीणों को मिला है तो कई ग्रामीण आज भी इस योजना से इसलिए वंचित हैं की जिम्मेदार प्रधान सचिव और अन्य अधिकारियों की लचर कार्य प्रणाली के चलते उन्हें इस योजना का लाभ समय पर नहीं मिल पाया है जिस कारण अब वह खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। जनपद में लगातार हो रही बारिश के कारण विकासखंड तालबेहट क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जमालपुर निवासी इंदर सिंह पुत्र हरदयाल ग्राम का कच्चा आशियाना और बलवीर सिंह पुत्र जयराम सिंह का भी कच्चा आशियाना इस लगातार बरसात की मार नहीं सह सका और गुरुवार की सुबह अचानक भर-भराकर ढ़ह गया। ग्रामीणों के मकान ध्वस्त होने से घर के अंदर रखा हुआ घर गृहस्ती का सामान क्षतिग्रस्त हुआ तो वहां खाने पीने और जीवन यापन करने का सामान भी खराब हो गया। तो वहीं विकासखंड बार क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गुगरवारा में लगातार बारिश से मुलायम सिंह कुशवाहा का कच्चा मकान अचानक जमींदोज हो गया। मकान गिरने से मलबे में मवेशियों का भूसा और और ग्रामीण खाने का सामान खराब हो गया। गनीमत यह रही कि जब तीनों परिवारों के मकान ध्वस्त हुए तब घर के अंदर कोई नहीं था नहीं तो जनहानि भी हो सकती थी तीनों ही मामलों में परिवारों ने जिला प्रशासन और मुख्यमंत्री से आर्थिक मदद दिलाने की गुहार लगाई है।

कृषि यंत्रों की खरीद में नियमों की अनदेखी पड़ी भारी, विक्रेता होंगे जिम्मेदार

» उप कृषि निदेशक ने जारी किए सख्त दिशा-निर्देश

» पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य, बिना अधिकृत डीलर के खरीदे यंत्र पर नहीं मिलेगा अनुदान

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

कृषि यंत्रीकरण योजनाओं के तहत किसानों को कृषि यंत्रों पर मिलने वाले अनुदान में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कृषि विभाग ने कृषि यंत्र निर्माताओं, कंपनियों, विक्रेताओं और डीलरों के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उप कृषि निदेशक की ओर से 25 अगस्त 2026 को जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि नियमों का पालन नहीं करने वाले निर्माता, विक्रेता और डीलर स्वयं जिम्मेदार होंगे तथा ऐसे फर्मों को योजनाओं से बाहर किए जाने के साथ ब्लैकलिस्ट भी किया जा सकता है। यह दिशा-निर्देश वित्तीय वर्ष 2026-27 में नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन, सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन, फसल अवशेष प्रबंधन सहित कृषि यंत्रीकरण की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लागू होंगे। विभाग ने सभी कृषि यंत्र निर्माताओं, कंपनियों, विक्रेताओं और डीलरों के लिए पोर्टल पर पंजीकरण कराना, पूरा विवरण भरना और आवश्यक अभिलेख अपलोड करना अनिवार्य किया है। पोर्टल पर पंजीकृत निर्माता कंपनियों के अधिकृत विक्रेता ही किसानों को कृषि यंत्र बेच सकेंगे। अनधिकृत निर्माता, डिस्ट्रीब्यूटर या विक्रेता से खरीदे गए कृषि यंत्रों पर किसानों को अनुदान नहीं दिया जाएगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिल अपलोड करने के बाद सत्यापन के दौरान यदि मौके पर संबंधित कृषि यंत्र नहीं मिलता है या उसके सीरियल नंबर, मानक, प्रकार अथवा अभिलेखों में अंतर पाया जाता है तो किसान का आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा। संबंधित फर्म या विक्रेता को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई भी की जा सकती है। 10 हजार रुपये तक अनुदान वाले कृषि यंत्र एवं कृषि रक्षा उपकरणों को छोड़कर शक्ति चालित कृषि यंत्रों पर यूनिक सीरियल नंबर के माध्यम से दर्ज होना अनिवार्य किया गया है। ट्रैक्टर और कंबाइन हार्वेस्टर पर सेंट्रलाइज्ड लेजर कटिंग कोड की अनिवार्यता नहीं है। यंत्र पर सीरियल नंबर अलग से वेल्डिंग करके लगाने पर अनुदान देय नहीं होगा और इसकी जिम्मेदारी संबंधित विक्रेता की होगी। 10 हजार रुपये से अधिक अनुदान वाले यंत्रों में विक्रय वाउचर पर दर्ज सीरियल नंबर और यंत्र पर उत्कीर्ण सीरियल नंबर का समान होना आवश्यक होगा।

सत्यापन के दौरान इसकी पुष्टि की जाएगी। केवल भारत सरकार के केंद्रीय फार्म मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थानों अथवा केंद्र या राज्य सरकार द्वारा नामित संस्थाओं से परीक्षण किए गए कृषि यंत्रों पर ही अनुदान अनुमन्य होगा। 10 हजार रुपये तक अनुदान वाले यंत्रों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो/आईएसआई से परीक्षण एवं पास होना आवश्यक बताया गया है। 10 हजार रुपये से अधिक अनुदान वाले यंत्रों को भारत सरकार के एफएमटीटीआई अथवा अन्य मान्यता प्राप्त केंद्रीय संस्थानों से प्रमाणित होना जरूरी है। फार्म मशीनरी बैंक, कस्टम हायरिंग सेंटर, एग्रीगेटर सहित अन्य योजनाओं के तहत आपूर्ति किए जाने वाले कृषि यंत्रों पर योजना का नाम, वर्ष, किसान का नाम, पिता/पति का नाम, ग्राम, विकासखंड और जनपद का नाम पेंट से लिखवाना अनिवार्य होगा। ट्रैक्टर, कंबाइन हार्वेस्टर, पावर टीलर, पावर वीडर, सेल्फ प्रोपेल्ड रीपर, रीपर कम बाइंडर और राइस ट्रांसप्लांटर सहित तकनीकी रूप से जीपीएस ट्रैकिंग सुविधा वाले स्वचालित कृषि यंत्रों को जीपीएस सुविधा के साथ ही बेचा जाएगा। गैर-स्वचालित यंत्रों में जीपीएस की अनिवार्यता नहीं होगी। कृषि यंत्रीकरण योजनाओं के तहत उपलब्ध कराए जाने वाले सभी कृषि यंत्रों पर निर्माता और विक्रेता द्वारा अधिकतम खुदरा मूल्य स्पष्ट एवं प्रमुखता से प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा। लाभार्थियों से निर्धारित एमआरपी से अधिक राशि किसी भी स्थिति में नहीं ली जा सकेगी। प्रत्येक आपूर्तिकर्ता एवं विक्रेता को कृषि यंत्र के विक्रय वाउचर पर किसान का नाम, पिता/पति का नाम, ग्राम, टोकन नंबर, किसान पंजीकरण संख्या, यंत्र का पूरा नाम, मेक एवं मॉडल नंबर, कंपनी का नाम तथा किसान और विक्रेता के हस्ताक्षर अंकित करना अनिवार्य होगा। 10 हजार रुपये से अधिक अनुदान वाले कृषि यंत्रों की खरीद में लाभार्थी द्वारा लागत की कम से कम 50 प्रतिशत धनराशि अपने बैंक खाते से भुगतान करना अनिवार्य होगा। भुगतान बिल प्राप्त करने की तिथि या उससे पहले किया जाना जरूरी है। बिल की तारीख के बाद किया गया भुगतान मान्य नहीं होगा। सत्यापन के दौरान बैंक खाते से भुगतान की पुष्टि की जाएगी। साक्षर न होने वाले और चेक बुक जारी न होने वाले किसानों को उनके परिवार के ब्लड रिलेशन जैसे माता, पिता, भाई, अविवाहित बहन, पुत्र, अविवाहित पुत्री या पुत्रवधू के खाते से भुगतान करने की अनुमति निर्धारित शर्तों के तहत दी गई है।

तेरह दिन पूर्व सड़क हादसे में घायल हुए ग्रामीण की झांसी में इलाज के दौरान हुई मौत

ललितपुर। बछलापुर से पाली कस्बा कीटनाशक दवाई लेने के लिए जाते समय तेरह दिन पूर्व सड़क हादसे का शिकार हुए ग्रामीण की झांसी मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई। जिसके बाद मृतक के परिजन शव को लेकर ललितपुर मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मृतक के परिजनों ने विपक्षी बाइक चालक पर लापरवाही से गाड़ी चलाकर टक्कर मारने का आरोप लगाया है।

थाना पाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बछलापुर निवासी 70 वर्षीय मगनलाल पुत्र कल्ले राय गत 15 अगस्त को अपने गांव से अपने पुत्र नीलू के साथ सवार होकर कस्बा पाली कीटनाशक दवाई लेने के लिए गया हुआ था। बताया गया है कि जब उसकी बाइक ललितपुर रोड पर स्थित मुक्तिधाम के पास पहुंची, तभी पाली कस्बे में रहने वाले एक ग्रामीण अपनी बाइक लेकर ललितपुर की तरफ आ रहा था। आरोप है कि विपक्षी चालक ने बाइक को तेजी तथा लापरवाही से चलते हुए मगनलाल बाइक में जोरदार टक्कर मार दी थी और इस सड़क हादसे में ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हुआ था। सड़क हादसे में घायल होने के बाद ग्रामीण को तत्काल घटनास्थल से उठाकर ललितपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उसे प्राथमिक उपचार दिया गया। लेकिन जब उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ, तो उसे झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां पिछले करीब 13 दिनों से मगनलाल का इलाज चल रहा था। बताया गया है कि ग्रामीण की मौत बुधवार की देर शाम मेडिकल कॉलेज में हो गई। जिसके बाद उसके परिजन उसका शव लेकर ललितपुर मेडिकल कॉलेज पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। घटना की सूचना पर सदर कोतवाली पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। ग्रामीण की मौत की सूचना पाकर उसकी परिवार में कोहराम की स्थिति उत्पन्न हो गई। बताया गया है कि मृतक के नाम गांव में दो एकड़ जमीन है, जिस पर वह खेती किसानी कर अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करता था।

देवगढ़ ओवरब्रिज पर गडढों की भरमार, बारिश में हादसे का बढ़ा खतरा

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

ललितपुर से देवगढ़ की ओर जाने वाले रेलवे ओवरब्रिज पर इन दिनों जगह-जगह गड्ढे हो जाने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ओवरब्रिज पर बने गड्ढे कई दिनों से वाहन चालकों के लिए मुसीबत बने हुए हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग की ओर से अभी तक इनकी मरम्मत नहीं कराई गई है। बारिश के चलते स्थिति और भी गंभीर हो गई है। गडढों में पानी भर जाने के कारण उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। ऐसे में तेज रफ्तार से गुजरने वाले दोपहिया और चार पहिया वाहन चालकों के सामने अचानक गड्ढा आने से दुर्घटना का खतरा बना रहता है। खासकर रात के समय स्थिति अधिक जोखिमपूर्ण हो जाती है। स्थानीय वाहन चालकों का कहना है कि देवगढ़ ओवरब्रिज पर सड़क की हालत लंबे समय से खराब है। जगह-जगह उभरे गडढों के कारण वाहन चलाने में दिक्कत होती है और दोपहिया वाहन चालकों के गिरने की आशंका बनी रहती है। लगातार बारिश के कारण गडढों में पानी भरने से समस्या और बढ़ गई है। ओवरब्रिज पर हुए गडढों ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता और रखरखाव व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। वाहन चालकों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभागीय अधिकारियों से मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए ओवरब्रिज का निरीक्षण कराने तथा गडढों की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि

किसी बड़े हादसे से पहले समस्या का समाधान हो सके।

संक्षिप्त खबरें

बोलेरो गाड़ी सवार 2 बदमाश नाजायज असले खंजर समेत गिरफ्तार

लुधियाना: थाना साहनेवाल अधीन आती ग्यासपुरा चौकी की पुलिस पार्टी ने बोलेरो गाड़ी सवार 2 बदमाश को काबू करके उनके कब्जे से एक मोबाइल, नाजायज पिस्तौल, 2 जिंदा कारतूस और एक अन्य सामान बरामद किया है। थाना साहनेवाल के मुखी दलवीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्यासपुरा चौकी के प्रभारी गुरचरणजीत सिंह को गुप्त सूचना मिली थी कि बोलेरो गाड़ी में सवार लुटेरा गिरोह के सदस्य उनके इलाके में कोई वारदात को अंजाम देने की ताक में घूम रहे हैं और उनके पास नाजायज असला भी है। पुलिस ने तुरंत अपनी टीम सहित इलाके में ट्रैप लगाकर उक्त लुटेरा गिरोह के 2 सदस्यों को काबू कर लिया। उनके कब्जे से नाजायज असला तथा लूटा हुआ मोबाइल बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपियों की पहचान ग्यासपुरा महादेव नगर निवासी अजीत उर्फ भूमिया तथा ग्यासपुरा गुरु तेग बहादुर नगर निवासी सनी कुमार उर्फ सनी के रूप में हुई है।

5 किलो अफीम सहित तस्कर गिरफ्तार

लुधियाना- कमिश्नरेट पुलिस लुधियाना द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत स्पेशल सेल, लुधियाना की टीम ने ब्रेजा कार सवार एक नशा तस्कर को 5 किलोग्राम अफीम सहित गिरफ्तार किया है। डीसीपी इन्वेस्टिगेशन हरपाल सिंह की अगुवाई में एडीसीपी/इन्वेस्टिगेशन रूपिंदर कौर भट्टी ने जानकारी देते हुए बताया कि एसीपीबी लुधियाना की निगरानी में जोन इंचार्ज हरप्रीत सिंह दहेल, इंचार्ज स्पेशल सेल लुधियाना की टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई। 25 अगस्त को एएसआई बलजीत सिंह नंबर 2011/लुधियाना सहित पुलिस पार्टी द्वारा हबास चौक, थाना मेहरबान, लुधियाना में गगन दंग संदीप सिंह पुत्र सुरजीत सिंह निवासी गांव मेहरबान, जिला लुधियाना को काबू किया गया। कानूनी प्रक्रिया के अनुसार तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 5 किलोग्राम अफीम बरामद की गई। इसके अलावा उसके पास से ब्रेजा कार नंबर PB-10- KK -3791, सफेद रंग, भी बरामद की गई। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ मुकदमा नंबर 136, दिनांक 25 अगस्त, धारा 18/61/85 एनडीपीएस एक्ट के तहत थाना मेहरबान, लुधियाना में मामला दर्ज किया गया है।

78 इंच की बंद सीवर लाइन की सफाई शुरू, पुराने शहर के निचले इलाकों को जलभराव से मिलेगी राहत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना। लुधियाना नगर निगम ने पुराने शहर में लंबे समय से बंद पड़ी 78 इंच चौड़ी मुख्य सीवर लाइन की सफाई का काम शुरू कर दिया है। गऊघाट गुरुद्वारा साहिब के पास स्थित इस महत्वपूर्ण सीवर लाइन की सफाई के लिए स्विस-जर्मन तकनीक वाली आधुनिक सुपर-सक्शन मशीनों और रोबोटिक निरीक्षण कैमरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। सीवर लाइन की सफाई से धोका मोहल्ला और बुड्ढा नदी से सटे निचले इलाकों में लंबे समय से बनी जलभराव की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। नगर निगम की ओर से चल रहे कार्य का जायजा लेने बुधवार को मेयर इंदरजीत कौर मौके पर पहुंचीं। उन्होंने अधिकारियों से सफाई कार्य की प्रगति की जानकारी ली। मेयर ने कहा कि मुख्य सीवर लाइन के लंबे समय से बंद होने के कारण क्षेत्र के लोगों को जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ रहा था। आधुनिक तकनीक की मदद से अब इस लाइन की गहराई से सफाई की जा रही है, जिससे सीवेज के बहाव को सुचारु करने में मदद मिलेगी। मेयर ने बताया कि पुरानी सीवर लाइन के मैनहोल तलाशना भी एक चुनौती था। गऊघाट गुरुद्वारा साहिब परिसर के अंदर एक महत्वपूर्ण मैनहोल मिलने के बाद सफाई कार्य को आगे बढ़ाया गया। उन्होंने कहा कि इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए नगर निगम द्वारा प्राथमिकता के आधार पर काम किया जा रहा है।

भट्टियां संयंत्र तक बढ़ेगा सीवेज का प्रवाह

नगर निगम के अनुसार, मुख्य सीवर लाइन बंद होने के कारण 161 एमएलडी क्षमता वाले भट्टियां सीवेज शोधन संयंत्र में अपेक्षाकृत कम मात्रा में सीवेज पहुंच रहा था, जबकि बड़ी मात्रा में सीवेज जमालपुर संयंत्र की ओर जा रहा था। सीवर लाइन की सफाई और अस्थायी मार्ग तैयार होने के बाद करीब 20 से 30 एमएलडी अतिरिक्त सीवेज को सीधे भट्टियां संयंत्र की ओर भेजने की योजना है। इससे जमालपुर प्रणाली के साथ-साथ शिंगार सिनेमा और ट्रांसपोर्ट नगर डिस्पोजल पर दबाव तथा अतिप्रवाह का खतरा कम होने की उम्मीद है।

11 दिन में अस्थायी मार्ग तैयार करने की योजना

नगर निगम की ओर से तत्काल राहत के लिए अस्थायी 'टी-आकार' का डायवर्जन सिस्टम भी तैयार किया जा रहा है।

अधिकारियों के अनुसार, इसे करीब 11 दिनों में तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं, मुख्य सीवर लाइन की पूरी सफाई का काम अगले एक से दो महीने में पूरा किए जाने की उम्मीद है। मेयर इंदरजीत कौर के निरीक्षण के दौरान पनग्रेन के चेयरमैन डॉ. तेजपाल सिंह गिल, नगर निगम के अधीक्षण अभियंता एकजोत सिंह, संचालन एवं अनुरक्षण प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी कमल राम, पीडब्ल्यूएसएसबी के कार्यकारी अभियंता बलराज सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन से वंचित आदर्श कृष्णनगर, पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

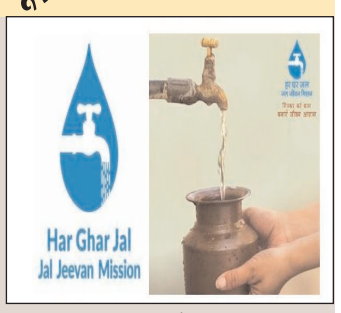

श्रीभूमि। श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र के आदर्श कृष्णनगर गांव के निवासी लंबे समय से जल जीवन मिशन की सुविधा से वंचित हैं। गांव में पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण ग्रामीणों को रोजाना पानी के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी (पीएचई) परियोजना स्थापित करने के उद्देश्य से सर्वेक्षण कराया गया था, लेकिन सर्वेक्षण के बाद अब तक धरातल पर कोई ठोस पहल नहीं की गई। ग्रामीणों के अनुसार, पेयजल की समस्या को लेकर कई बार संबंधित विभाग के अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराया जा चुका है, लेकिन अभी तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। इसके चलते ग्रामीणों को विभिन्न स्रोतों से पानी जुटाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार की योजनाओं के माध्यम से गांव के प्रत्येक परिवार तक स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल पहुंचाने की उम्मीद थी, लेकिन लंबे समय से पीएचई सुविधा शुरू नहीं होने के कारण लोगों में निराशा बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने कहा कि सर्वेक्षण पूरा होने के बावजूद परियोजना के कार्य में कोई प्रगति नहीं होना चिंता का विषय है। इस समस्या को लेकर ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और असम सरकार के पीएचई मंत्री का ध्यान आकर्षित करते हुए कृष्णनगर गांव में जल्द से जल्द पेयजल परियोजना शुरू कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि गांव की लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए ठोस एवं प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। ग्रामीणों को उम्मीद है कि संबंधित विभाग मामले को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र परियोजना का कार्य शुरू करेगा और आदर्श कृष्णनगर के प्रत्येक परिवार को सुरक्षित एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सिलापथार में हरियाली तीज मिलन समारोह हर्षोल्लास से संपन्न

असम, धेमाजी। मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा, सिलापथार की ओर से हरियाली तीज मिलन समारोह पारंपरिक रीति-रिवाज और सावन की उमंग के बीच हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। समिति की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मुंधड़ा एवं प्रिया चांडक, वरिष्ठ सदस्य चंदा देवी जैन, चंदा देवी तातेड, शांता देवी तातेड, चंपा देवी मुंधड़ा और सुलोचना झुनझुनवाला ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इसके बाद प्रज्ञा लोहिया और मुस्कान तोषनीवाल ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। वहीं गौरवी शर्मा के स्वागत नृत्य ने समारोह में उत्साह और उमंग का माहौल बना दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में ज्योति शर्मा एवं मधु तातेड, पूजा मुंधड़ा एवं विनीता भट्टड़ के नृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया। रत्ना देवी तोषनीवाल, सीमा जैन, पूनम जैन एवं झूमा देवी मालू ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। सोनू संचेती, अनीशा जैन, रीतु डागा, मोनिका संचेती, आरती संचेती, मीनाक्षी संचेती, रिंकू मालू और शिल्पा आंचलिया की सामूहिक प्रस्तुति को भी खूब सराहना मिली। सुजाता मालू के एकल नृत्य ने भी दर्शकों का मनोरंजन किया। कंचन चांडक एवं प्रिया चांडक द्वारा प्रस्तुत प्रेरणादायक एवं हास्य नाटक ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। दर्शकों ने नाटक की जमकर सराहना की। पूरे कार्यक्रम का प्रभावशाली मंच संचालन मिली जैन ने किया। समारोह के दौरान विभिन्न मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया। इसके अलावा लगाए गए खाद्य स्टॉलों पर स्वादिष्ट व्यंजनों और पेय पदार्थों का लोगों ने आनंद लिया। कार्यक्रम में करीब 80 लोगों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। समारोह को सफल बनाने में अध्यक्षा रीतु डागा, उपाध्यक्षा गुड्डी जैन, सचिव रत्ना देवी तोषनीवाल, सह सचिव कंचन चांडक एवं ज्योति शर्मा, कोषाध्यक्ष मधु तातेड तथा कार्यकारिणी सदस्य पूनम सिंघानिया और जयश्री बांठिया ने सक्रिय भूमिका निभाई। महिला शाखा की सभी सदस्यों का भी सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम की जानकारी शाखा की सचिव रत्ना देवी तोषनीवाल ने दी।

इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस के अधिकारियों ने वेटेरिनरी यूनिवर्सिटी का दौरा किया- सुविधाओं की तारीफ़ की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस के अधिकारियों की एक टीम ने गुरु अंगद देव वेटेरिनरी एंड एनिमल साइंसेज यूनिवर्सिटी, लुधियाना का दौरा किया। उन्हें यूनिवर्सिटी की वेटेरिनरी हेल्थकेयर, एनिमल हसबैंड्री प्रोडक्शन, एक्सटेंशन एजुकेशन, डेयरी प्रोसेसिंग, वन हेल्थ और रिसर्च से जुड़ी सुविधाओं के बारे में बताया गया। इस दौरे के दौरान, अधिकारियों ने मल्टी-स्पेशलिटी वेटेरिनरी हॉस्पिटल का दौरा किया, जहाँ उन्होंने टीचिंग वेटेरिनरी क्लिनिक कॉम्प्लेक्स के टीचरों से बातचीत की और यूनिवर्सिटी में मौजूद क्लिनिकल ऑब्ज़र्वेशन और ट्रीटमेंट सुविधाओं के बारे में जाना। टीम ने यूनिवर्सिटी के लाइवस्टॉक फार्म का भी दौरा किया, जहाँ उन्हें साइंटिफिक लाइवस्टॉक प्रोडक्शन, मैनेजमेंट और ब्रीडिंग प्रैक्टिस के बारे में जानकारी मिली। वन हेल्थ सेंटर में, अधिकारियों को जानवरों, इंसानों और एनवायरनमेंटल हेल्थ के प्रति यूनिवर्सिटी के मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच के बारे में बताया गया। एक्सपेरिमेंटल मिल्क प्लांट में, उन्होंने डेयरी प्रोसेसिंग, क्वालिटी मिल्क प्रोडक्ट्स और उससे जुड़ी रिसर्च एक्टिविटीज़ के बारे में जानकारी हासिल की। वाइस-चांसलर डॉ. जतिंदर पाल सिंह गिल ने कहा कि इस तरह के दौरे यूनिवर्सिटी की एक्सपर्टाइज़ और सुविधाओं को दिखाने के लिए एक अच्छी पहल है। उन्होंने कहा कि इस तरह के इंस्टीट्यूशनल लिंकेज साइंटिफिक जानकारी को बड़े पैमाने पर फैलाने में मदद करते हैं और किसानों, पशुपालकों और समाज की सेवा करने के लिए यूनिवर्सिटी की कोशिशों को मज़बूत करते हैं। एक्सटेंशन एजुकेशन के डायरेक्टर डॉ. रविंदर सिंह ग्रेवाल ने उन्हें किसानों और पशुपालकों के फ़ायदे के लिए यूनिवर्सिटी द्वारा किए जा रहे अलग-अलग एक्सटेंशन कामों के बारे में जानकारी दी। इस दौरे को डॉ. रवदीप सिंह और डॉ. प्रतीक सिंह धालीवाल ने कोऑर्डिनेट किया। आने वाले अधिकारियों ने इंस्टीट्यूशन की स्टेट-ऑफ़-द-आर्ट सुविधाओं और मल्टीडिसिप्लिनरी इंफ्रास्ट्रक्चर की तारीफ़ की। उन्होंने खास तौर पर किसानों और पशुपालकों को अच्छी क्वालिटी की वेटेरिनरी सर्विस देने, साइंटिफिक पशु उत्पादन को बढ़ावा देने, ज़रूरत के हिसाब से रिसर्च करने और किसान समुदाय को बेहतर टेक्नोलॉजी देने के लिए यूनिवर्सिटी की कोशिशों की तारीफ़ की।

आदर्श कृष्णनगर में लंबे समय से जियो सेवा ठप, ग्रामीण परेशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि। श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र स्थित आदर्श कृष्णनगर गांव में लंबे समय से जियो मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवा बाधित रहने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, गांव के कई हिस्सों में जियो का नेटवर्क बेहद कमजोर है, जबकि कुछ स्थानों पर नेटवर्क पूरी तरह गायब रहता है। नेटवर्क की खराब स्थिति के कारण ग्रामीणों को मोबाइल फोन से बातचीत करने में दिक्कत होती है। वहीं इंटरनेट सेवा प्रभावित होने से विद्यार्थियों, व्यापारियों, नौकरीपेशा लोगों और अन्य नागरिकों के रोजमर्रा के कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। ऑनलाइन पढ़ाई, डिजिटल लेन-देन और जरूरी ऑनलाइन सेवाओं का इस्तेमाल करने में भी लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने बताया कि नेटवर्क की समस्या का असर आपातकालीन परिस्थितियों में भी पड़ सकता है। जरूरत के समय मोबाइल से संपर्क नहीं हो पाने को लेकर लोगों में चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से समस्या की ओर ध्यान दिलाए जाने के बावजूद अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। ग्रामीणों ने श्रीभूमि के उपायुक्त (डीसी) समेत संबंधित उच्चाधिकारियों का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित कराया है। उन्होंने प्रशासन से मामले की तत्काल जांच कराने तथा दूरसंचार कंपनी के अधिकारियों से बातचीत कर मोबाइल और इंटरनेट सेवा को सुचारु कराने की मांग की है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि जिला प्रशासन के हस्तक्षेप से लंबे समय से चली आ रही नेटवर्क समस्या का शीघ्र समाधान होगा और आदर्श कृष्णनगर गांव में निर्बाध मोबाइल एवं इंटरनेट सेवा उपलब्ध हो सकेगी।

मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन पर 27 अगस्त को फरीदकोट में होगा 'राष्ट्रीय खेल दिवस' कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फरीदकोट। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर हर वर्ष मनाए जाने वाले 'राष्ट्रीय खेल दिवस' के तहत 27 अगस्त 2026 को सरकारी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, फरीदकोट में 'विकसित भारत युवा कनेक्ट-स्पोर्ट्स एडिशन' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को खेल, फिटनेस, राष्ट्र निर्माण और 'विकसित भारत' के विजन से जोड़ना है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला युवा अधिकारी वीरदीप कौर संधू और लेखा एवं कार्यक्रम पर्यवेक्षक अधिकारी फरीदकोट मनजीत सिंह भुल्लर ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन देश भगत पंडित चेतन देव सरकारी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, फरीदकोट के प्राचार्य डॉ. राजेश मोहन, सरकारी बृजिंदरा कॉलेज की प्राचार्य डॉ. पूजा भल्ला, जिला युवा अधिकारी वीरदीप कौर संधू तथा एस. मनजीत सिंह भुल्लर के नेतृत्व में किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेल, फिटनेस, राष्ट्र निर्माण और 'विकसित भारत' के विजन से जोड़ना है। खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, आत्मविश्वास और स्वस्थ जीवनशैली विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को खेलों को अपनी दिनचर्या का सक्रिय हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री से सीधा संवाद करेंगे युवा

कार्यक्रम के दौरान देशभर में 1,600 से अधिक स्थानों पर 9 लाख से अधिक युवाओं के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सीधे संवाद में शामिल होने का प्रस्ताव है। इसके बाद प्रधानमंत्री युवाओं को आभासी संबोधन भी देंगे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय युवाओं के साथ चयनित प्रतिनिधि, खिलाड़ी तथा विभिन्न युवा संगठनों के प्रतिनिधि भी कार्यक्रम में भाग लेंगे। युवाओं को खेलों से जुड़ने तथा शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम में कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी प्रो. करमजीत सिंह, सरकारी बृजिंदरा कॉलेज से प्रो. रणजीत सिंह बाजवा, प्रो. बिरिंदरजीत सिंह, प्रो. मनविंदर कौर, प्रो. संदीप सिंह, प्रो. हिमांशु नागपाल सहित अन्य शिक्षक एवं अधिकारी उपस्थित रहेंगे। एस. मनजीत सिंह भुल्लर ने शहरवासियों, युवाओं, खिलाड़ियों और युवा संगठनों से अपील की कि वे 27 अगस्त को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और 'राष्ट्रीय खेल दिवस' की भावना को मजबूत करें।

असम विश्वविद्यालय में 'खेल की बात' का सीधा प्रसारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर असम विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स बोर्ड एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) सेल के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को विश्वविद्यालय के बिपिन चंद्र पाल सभागार में 'खेलो इंडिया संवाद 2026' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान खेल एवं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रो. श्याम रंजन कुमार, प्रो. वेणु पंत तथा पूर्व राज्य स्तरीय खिलाड़ी सुमंत कुमार दास को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर असम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजीव मोहन पंत ने स्वस्थ शरीर, सजग मन और सकारात्मक सोच के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जीवन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने के साथ-साथ मानसिक सजगता और सकारात्मक दृष्टिकोण भी आवश्यक है। अपने खेल जीवन के अनुभव साझा करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को व्यक्तिगत विकास एवं उत्कृष्टता के लिए खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'खेलो इंडिया संवाद 2026 खेल की बात, पीएम के साथ' का सीधा प्रसारण रहा। प्रधानमंत्री के साथ संवाद के बाद विद्यार्थियों के लिए प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया। इसमें छात्रों ने खेल, शारीरिक क्षमता, युवा विकास तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका से जुड़े सवाल पूछे और अपने विचार साझा किए। प्रत्यक्ष संवाद और प्रश्नोत्तर सत्र ने कार्यक्रम को और अधिक जीवंत एवं सहभागितापूर्ण बना दिया।

बंदी सिंहों की रिहाई को लेकर दोहरे मापदंड अपनाना अनुचित एवं अव्यवहारिक:नागेंद्र बेनीपाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। शिरोमणि अकाली दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता नागेंद्र बेनीपाल ने बंदी सिंहों की रिहाई के मुद्दे पर सरकारों से समानता के आधार पर निर्णय लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि जिन सिख बंदियों ने अपनी निर्धारित सजा पूरी कर ली है, उनकी रिहाई के मामले में सरकारों को मानवीय और कानूनी पहलुओं पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। नागेंद्र बेनीपाल ने कहा कि बंदी सिंहों के मामले में लंबे समय से अलग-अलग स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ मामलों में सजा पूरी होने के बावजूद बंदियों को रिहाई क्यू नहीं हो रही हैं, जबकि अन्य मामलों में सरकारों द्वारा अलग मापदंड लिए गए हैं। उनका कहना हैं कि कानून का पालन सभी नागरिकों के साथ समान रूप से होना चाहिए और किसी समुदाय के साथ भेदभाव नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बंदी सिंहों की रिहाई से संबंधित पूर्व में जारी सरकारी अधिसूचनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि किसी स्तर पर रिहाई का निर्णय या घोषणा की गई थी, तो उसके क्रियान्वयन पर भी गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। बेनीपाल ने कहा कि इस पूरे विषय को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने के बजाय कानून और मानवीय आधार पर समाधान तलाशने की आवश्यकता है। बलवंत सिंह राजोआणा के मामले पर बेनीपाल ने बताया कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की ओर से सुप्रीम कोर्ट में कानूनी प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी को कानूनी पैरवी के लिए शामिल किया गया है। उनके अनुसार, हाल की सुनवाई में मामले पर आगे विचार के लिए बड़ी पीठ गठित करने की आवश्यकता पर चर्चा हुई है।

जिले के दुल्लभछड़ा में सर्किल कार्यालय स्थापित करने की मांग तेज, मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र के दुल्लभछड़ा में नया सर्किल कार्यालय स्थापित करने की मांग को लेकर स्थानीय नागरिकों की ओर से मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को ज्ञापन सौंपा गया। गत 26 अगस्त को श्रीभूमि जिला उपायुक्त के माध्यम से भेजे गए इस ज्ञापन पर विधायक विजय मालाकार, सांसद कृपानाथ मालाह , विभिन्न ग्राम पंचायतों के अध्यक्षों, चाय बागान मालिकों तथा स्थानीय नागरिकों के हस्ताक्षर हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि परिसीमन के बाद रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र का भौगोलिक क्षेत्र एवं जनसंख्या दोनों बढ़े हैं, लेकिन पूरे क्षेत्र में केवल एक ही सर्किल कार्यालय है। भूमि संबंधी कार्यों के लिए दूर-दराज के लोगों को रामकृष्णनगर जाना पड़ता है। इससे दैनिक मजदूरी पर निर्भर लोगों को एक दिन की मजदूरी गंवाने के साथ ही आने-जाने में करीब 250-300 रुपये खर्च करने पड़ते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, दुल्लभछड़ा भौगोलिक एवं प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यहां चाय उद्योग, रेल संपर्क, सब-पोस्ट ऑफिस, विद्युत सब-स्टेशन, बैंक तथा विभिन्न सरकारी एवं निजी शिक्षण संस्थान मौजूद हैं। सरकारी कार्यालय स्थापित करने के लिए सरकारी भूमि उपलब्ध होने के साथ ही स्थानीय लोग निजी स्तर पर भूमि उपलब्ध कराने के लिए भी तैयार हैं। दुल्लभछड़ा के सेवानिवृत्त एडीसी नीलमणि दास लंबे समय से क्षेत्र के विकास के लिए प्रयासरत हैं। उनके प्रयासों से क्षेत्र में रेल सेवा और एसबीआई शाखा स्थापित होने का उल्लेख करते हुए स्थानीय लोगों ने उनके प्रति आभार व्यक्त किया। वर्तमान में वे दुल्लभछड़ा में सर्किल कार्यालय की स्थापना के लिए भी लगातार प्रयास कर रहे हैं। ज्ञापन सौंपने वालों में सेवानिवृत्त एडीसी नीलमणि दास, समाज चिंतक भाग्य सिंह, रवीन्द्र सिन्हा एवं सेवानिवृत्त शिक्षक माणिक लाल विश्वास सहित अन्य नागरिक उपस्थित थे।

स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों से जनहित में दुल्लभछड़ा में सर्किल कार्यालय की स्थापना शीघ्र करने की जोरदार अपील की है।

संक्षिप्त खबरें

29 अगस्त को 14 वर्षीय बालको की हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन स्पोर्टस स्टेडियम में

प्रतापगढ़। उपक्रीड़ा अधिकारी रंजीत कुमार यादव ने बताया है कि जिला खेल कार्यालय स्टेडियम के तत्वावधान में 29 अगस्त को स्व0 मेजर ध्यान चन्द के जन्म दिवस आगामी 29 अगस्त को 14 वर्षीय बालको की हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन स्पोर्टस स्टेडियम प्रतापगढ़ में पूर्वान्ह 10 बजे कराया जायेगा। प्रतियोगिता में विजेता एवं उपविजेता टीमो को खेल विभाग द्वारा आकर्षक पुरस्कार दिया जायेगा। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों को विभाग द्वारा किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों की प्रविष्टि प्रतियोगिता के एक दिन पूर्व कर करा लें।

किसान सम्मान निधि योजना में बड़ा फर्जीवाड़ा, 60 करोड़ से अधिक के नुकसान की आशंका

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने बताया कि बुधवार को साइबर क्राइम पुलिस थाना प्रतापगढ़ पर दी गई। तहरीर के आधार पर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में तहसील कुण्डा की आईडी/लॉगिन का दुरुपयोग कर अपात्र व्यक्तियों, नाबालिगों तथा जनपद/प्रदेश से बाहर के व्यक्तियों के संदिग्ध एवं फर्जी पंजीकरण कराये जाने के संबंध में सुसंगत अभियोग पंजीकृत किया गया है।उक्त पंजीकरणों के माध्यम से शासकीय पोर्टल का दुरुपयोग कर पात्रता के विपरीत सरकारी धनराशि का भुगतान कराया गया, जिसमें लगभग 03 लाख लाभार्थियों द्वारा धोखाधड़ीपूर्वक योजना का लाभ प्राप्त किया जाना भी प्रकाश में आया है। प्रकरण में बड़े पैमाने पर अनियमितता एवं संगठित रूप से फर्जी पंजीकरण कराये जाने के तथ्य प्रकाश में आए हैं तथा लगभग 60 करोड़ रुपये से अधिक की शासकीय धनराशि के दुरुपयोग/क्षति की आशंका व्यक्त की गई है। प्रकरण की गंभीरता के दृष्टिगत अभियोग पंजीकृत कर विवेचनात्मक कार्यवाही की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम बाबू देवी पत्नी स्व0 विनोद शंकर निवासी ग्राम शंकरगढ़ मजरे थाना-हरचन्दपुर परगना व तहसील सदर जिला-रायबरेली की निवासिनी हूँ हूँ। मेरा पुत्र महेन्द्र प्रताप पुत्र स्व0 विनोद शंकर निवासी ग्राम शंकरगढ़ मजरे थाना-हरचन्दपुर परगना व तहसील सदर जिला रायबरेली जो कि पूर्णतया अपनी मनमर्जी करता हैं एवं मेरा कहना-सुनना नहीं मानता है तथा मुझको व पुत्री लता भारतीय को मारता-पीटता रहता हैं। इनके गलत आचरण, व्यवहार एवं क्रियाकलाप से मैं व पुत्री लता भारतीय पूर्णरूप से तंग आ चुके हैं। इसलिए मैं खूब सोच-समझकर, बिना किसी नाजायज जोर-दबाव के, पूर्ण स्वस्थ चित्त होशो-हवास में अपने पुत्र महेन्द्र प्रताप को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रही हूँ। आज के बाद से मेरे पुत्र महेन्द्र प्रताप के किसी भी लेन-देन अथवा क्रियाकलाप एवं उनके किसी भी जा-बेजा कार्यों से मुझसे व मेरे परिवार के सदस्य का कोई भी वास्ता सरोकार नहीं रह गया है। वे अपने किए हुए कार्यों एवं उनके परिणामों के लिए स्वयं उत्तरदायी होंगा।

न्यू स्टैण्डर्ड पब्लिक स्कूल सलेथू में हर्षोल्लास से मनाया गया रक्षाबंधन का पावन पर्व

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज रायबरेली। न्यू स्टैण्डर्ड पब्लिक स्कूल सलेथू में रक्षाबंधन का पावन पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने छात्रों की कलाई पर राखी बाँधी तथा भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और आपसी विश्वास का संदेश दिया। शिक्षक आदित्य कुमार ने रक्षाबंधन पर्व के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। विद्यालय में आलिमा, सौम्या, सृष्टि, एंजल, राधिका, आयरा, स्वास्तिक, अनुराधा, अंशुमान, संदर्भ, अश्वनी, कृष्णा, नित्यम आदि छात्र- छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। प्रधानाचार्य राजीव सिंह, प्रधानाचार्य एस.एल.प्रजापति व उप -प्रधानाचार्या रजनी श्रीवास्तव ने वृक्ष को राखी बांधकर वृक्षों के संरक्षण के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विद्यालय की छात्रा खुशी, समीक्षा, प्रज्ञा, अनन्या, नित्या, साक्षी ने उप-जिलाधिकारी महराजगंज चंद्र प्रकाश गौतम, थाना प्रभारी महराजगंज जगदीश यादव, तहसीलदार महराजगंज मंजुला मिश्रा, नायब तहसीलदार महराजगंज उमेश त्रिपाठी को राखी बांधकर स्नेह, विश्वास एवं सुरक्षा के पवित्र रिश्ते को प्रशस्त किया। सभी सम्मानित पदाधिकारियों ने छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने व अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य राजीव सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व ही नहीं, बल्कि यह आपसी सम्मान सुरक्षा, विश्वास और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के मूल्यों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य ने सभी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर सभी शिक्षक- शिक्षिकाएं, छात्र -छात्राएं व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सूनी न रहे सैनिको की कलाई महावीर स्टडी इस्टेट के बच्चों ने भिजवाई राखी

महराजगंज/रायबरेली। महावीर स्टडी इस्टेट सीनियर सेकेण्ड्री कालेज महराजगंज में रक्षाबंधन के शुभअवसर पर निष्प्रयोज्य सामान से बच्चों ने अपने नन्हे-नन्हे हॉथो से राखियों बनाकर सीमा पर अपने जवानो को राखी भिजवायी। बच्चों ने श्रावण मास एवं रक्षाबंधन पर मेंहदी प्रतियोगिता जिसमें बच्चों ने बहुत ही कलात्मकता दिखाई। प्रधानाचार्य ने बच्चों को बताया कि हमारे सनातन में रक्षाबंधन के दिन बच्चों को ऋषियों के आश्रम में विद्याध्ययन हेतु भेजा जाता था। रक्षाबंधन के विषय में बताया कि राजा बलि की माँ ने पुत्र रक्षा हेतु उसके हाँथों में राखी बाँधी थी। राणा सांगा की पत्नी कर्मावती ने मेवाड़ की रक्षा हेतु डुमायूँ को राखी भेजी तदोपरांत हुमायूँ ने मेवाड की रक्षा हेतु भाईचारा निभाते हुए बहादुर शाह से युद्ध किया। यम तथा यमुना में रक्षाबंधन पर मनमुटाव समाप्त हुआ। कृष्ण को द्रोपदी ने चीर फाड़कर पट्टी बाँधी जिसे उन्होने चीर हरण में पूर्ण किया। इंद्र तथा इंद्राणी (शची) ने देव दानव युद्ध में रक्षा हेतु इंद्र को रक्षा सूत्र बाँधा था। तभी से रक्षा बंधन को हमारे देश में भाई बहन के पवित्र प्रेम के रूप में देखा जाता है। भाई आजीवन बहन की रक्षा का वचन लेता है। तथा पूर्ण करता है। सभी अध्यापकों ने बच्चों के कौशल विकास में अपनी भागीदारी की। प्रधानाचार्य ने सभी कालेज स्टाफ, अभिभावकों तथा बच्चों को रक्षा बंधन की हार्दिक शुभकामनाएँ दी।

छात्राओं ने छात्रों की कलाई पर बांधी राखी, मिठाई खिलाकर कर मुंह मीठा कराया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। रक्षाबंधन के पावन पर्व के उपलक्ष्य में बर्डपुर ब्लाक के कम्पोजिट जूनियर हाई स्कूल काशीपुर में गुरुवार को विद्यालय की छात्राओं ने छात्रों की कलाई पर प्रेम एवं स्नेह का प्रतीक राखी बांधकर उन्हें रक्षाबंधन की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। और मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया।इस दौरान प्रधानाध्यापक अब्दुल अजीज ने बताया कि रक्षाबंधन से पूर्व विद्यालय में बच्चों द्धारा यह पर्व हर साल मनाया जाता है उधर रक्षाबंधन के पावन पर्व के पूर्व संध्या पर आदर्श लघु माध्यमिक विद्यालय, बर्डपुर में गुरुवार को विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्रा बहनों ने अपने छात्र भाइयों की कलाई पर प्रेम एवं स्नेह का प्रतीक रक्षासूत्र बांधकर उन्हें रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में राखी निर्माण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी रचनात्मकता, कलात्मक कौशल एवं कल्पनाशक्ति का सुंदर प्रदर्शन किया। विद्यालय की प्रबंधक राजकुमारी पाण्डेय ने कहा कि 'रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का पर्व नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति और संस्कारों से जुड़ा पर्व है।

इस अवसर पर विद्यालय के संचालक नितेश पाण्डेय, शोभनाथ यादव, उमेश यादव, संतोष यादव, संदीप राव, राममिलन शुक्ला, रुचि उपाध्याय, श्वेता पटवा, पवन पाठक, अन्नू जायसवाल, संगीता मौर्य, शालू उपाध्याय, विनय कुमार वर्मा, राकेश कुमार, सरिता जायसवाल,अजय कुमार ,चंद्रावती देवी एवं निर्मला देवी सहित विद्यालय के शिक्षक- शिक्षकाएं, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं अभिभावक उपस्थित रहे।

खाद्य विभाग की छापेमारी में 09 खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए लिये गये

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने 26 और 27 अगस्त को जिले की विभिन्न तहसीलों में रेस्टोरेंट एवं मिष्ठान प्रतिष्ठानों पर छापामार कार्रवाई की।खाद्य सचल दल ने प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करते हुए कुल 09 खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए संग्रहित किए। खाद्य सचल दल की टीम ने मानिकपुर कुंडा स्थित जीवन स्वीट्स से पेड़ा, रेड़ीगारापुर पट्टी स्थित संदीप कुमार वर्मा के प्रतिष्ठान से खोया व चीनी से निर्मित मिठाई रोल तथा बाबूगंज स्थित शुभम धुरिया मिष्ठान भंडार से कलाकंद का नमूना लिया। इसी क्रम में कुशवापुर संग्रामगढ़ स्थित दिलीप गुप्ता के प्रतिष्ठान से बर्फी और बाबागंज कुंडा स्थित बंगाली सौरभ मिष्ठान से छेना रसगुल्ला का नमूना संग्रहित किया गया। इसके अलावा पट्टी स्थित श्री खाटू श्याम डेयरी से पनीर, बाघराय कुंडा स्थित बॉम्बे वड़ा पाव से गुलाब जामुन, बाघराय स्थित सपना मिष्ठान भंडार से छेना की मिठाई तथा लालगंज अजहरा स्थित चंदन कौशल के प्रतिष्ठान से पेड़ा का नमूना लिया गया। सभी 09 नमूनों को विश्लेषण के लिए खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजा गया है। प्रयोगशाला से प्राप्त होने वाली जांच रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी रोशन सिंह, संतोष कुमार दूबे, डॉ. यादव संजय कुमार नन्हकू, शहाब उद्दीन सिद्दीकी एवं डॉ. शमशुन नेहा उपस्थित रहे।

पति समेत ससुरालीजनों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। दहेज उत्पीड़न को लेकर पीड़ित की तहरीर पर सांगीपुर पुलिस ने पति समेत ससुरालीजनों के खिलाफ केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के पूरे रमन मेढ़ावां निवासी तीर्थराज वर्मा पुत्र रामसनेही वर्मा ने दी गई तहरीर में कहा है कि उसकी बेटी का विवाह बीते वर्ष 2025 में सांगीपुर थाना क्षेत्र के सराय लालशाह में सूर्य प्रकाश वर्मा पुत्र अमरजीत के साथ हुई। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति सूर्यप्रकाश वर्मा, ससुर अमरजीत, जेठानी राधा तथा सूर्यलाल वर्मा पुत्र अमरजीत व संगीता देवी पत्नी सूर्यलाल आदि द्वारा दहेज को लेकर पन्द्रह लाख रूपये की मांग की गयी। तहरीर के मुताबिक दहेज की मांग पूरी न होने पर पीड़ित की बेटी को ससुरालीजनों ने मारपीट कर घायल कर दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी पति सूर्यप्रकाश वर्मा समेत ससुरालीजनों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न तथा मारपीट व प्रताड़ना समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है।

चोरी की 32.5 मीट्रिक टन सरिया बरामद

» चोरी के माल को खरीदकर खपाने वाले 05 अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रातापगढ़। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन में थाना मान्धाता पुलिस द्वारा चोरी की 32.5 मीट्रिक टन सरिया के साथ 05 अभियुक्तों धर्मेन्द्र पटेल, अरविन्द यादव, नौशाद, संजय शुक्ला उर्फ सुशील शुक्ला, रामअजोर पटेल को गिरफ्तार किया गया।वादी निवासी ग्राम सुल्तापुर, थाना मऊआइमा, जनपद प्रयागराज द्वारा झुमरी तिलैया, कोडरमा, झारखण्ड से 41.760 मीट्रिक टन सरिया ट्रक संख्या क्र0क्ष्8849 पर चालक गुलजार के माध्यम से मंगाई गई थी। वादी के अनुसार चालक को सरिया सतारा, महाराष्ट्र में उतारने हेतु बताया गया था, किंतु चालक द्वारा माल को निर्धारित स्थान पर न पहुंचाकर उत्तर प्रदेश ले आया गया। बाद में वादी के कहने पर सरिया गुप्ता ट्रेडर्स, बहरिया, प्रयागराज में उतारने को कहा गया, परंतु गुप्ता ट्रेडर्स द्वारा सरिया प्राप्त होने से इंकार किया गया। चालक द्वारा वादी को लगातार गुमराह करते हुए अलग-अलग स्थानों की जानकारी दी गई तथा बाद में सरिया किसी पार्टी को उतार देने की बात कही गई, जिसकी पुष्टि संबंधित पार्टी द्वारा नहीं की गई। 21अगस्त से 25अगस्त तक सरिया न पहुंचने एवं चालक द्वारा संतोषजनक जानकारी न देने पर वादी को आशंका हुई कि चालक द्वारा सरिया को किसी अज्ञात स्थान पर चोरी से बेच दिया गया है। इस संबंध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना मान्धाता पर अभियोग पंजीकृत किया गया था।मान्धाता पुलिस द्वारा मुकदमा से संबंधित 05 अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं चोरी गए माल की बरामदगी हेतु प्रभावी कार्यवाही की गई।पुलिस टीम द्वारा पूछताछ एवं अभियुक्त रामअजोर पटेल की निशानदेही पर विभिन्न स्थानों पर दबिश/तलाशी लेते हुए चोरी की सरिया खरीदने एवं अपने पास रखने वाले अभियुक्तों के कब्जे/दुकान/गोदाम से कुल 32.5 मीट्रिक टन चोरी की सरिया बरामद की गई। बरामद सरिया पर 'गिरधर एनईएक्सटी' अंकित है, जिसकी पहचान वादी मुकदमा द्वारा चोरी गए माल के रूप में की गई। इस कार्यवाही के दौरान चोरी के माल को खरीदने व रखने के आरोप में 05 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

खेलो इण्डिया संवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन, मेधावी हुए सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर स्थित हेमवती नंदन बहुगुणा स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सभागार में गुरूवार को खेलो इण्डिया संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वाधान में कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ0 ऋचा सुकुमार एवं स्पोर्टस विशेषज्ञ श्याम शंकर मिश्र ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर किया। संवाद कार्यक्रम में सफल मेधावियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गये। खेल की बात पीएम के साथ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्यामशंकर मिश्र ने खेल भावना की महत्वता पर प्रकाश डाला। प्राचार्य प्रो0 डॉ0 ऋचा सुकुमार ने छात्रों को पढ़ाई के साथ खेल से भी जुड़े रहने के प्रति अभिरूचि बनाए रखने पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि डॉ0 अभिषेक पाण्डेय ने खेल के नियमों की छात्र छात्राओं को जानकारियां प्रदान की। छात्रा मनीषा सरोज, आकांक्षा, साक्षी, श्रद्धा पटेल ने भी अपने विचार रखे। संचालन डॉ0 फणीन्द्र नारायण मिश्र ने किया। इस मौके पर डॉ0 ऐश्वर्य त्रिपाठी, डॉ0 संतोष मिश्र, डॉ0 प्रियंका शुक्ला, शुभम सिंह आदि रहे।

5.94 करोड़ की लागत से दो सड़कों के निर्माण कार्यों की मिली स्वीकृति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। विधानसभा क्षेत्र शोहरतगढ़ अंतर्गत 5.94 करोड़ के लागत की दो सड़कों के निर्माण कार्यों को स्वीकृति लोक निर्माण विभाग से मिलने पर क्षेत्रवासियों में खुशी है। इन सड़कों के बनने से क्षेत्र के गाँवों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी, किसानों, व्यापारियों और आमजन को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी पत्र के मुताबिक विधायक विनय वर्मा ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र के नौडिहवा पुल एप्रोच से जीतपुर चौराहा तक मिसिंग लिंक मार्ग का निर्माण कार्य जिसकी लंबाई 3.700 किलोमीटर व लागत रुपये 321.99 लाख तथा बानगंगा कैनाल पटरी सम्पर्क मार्ग से परासपिंडा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य जिसकी लंबाई 2.900 किलोमीटर तथा लागत रुपये 271.69 लाख यानी कुल लागत रुपये 593.68 लाख (लगभग 5.94 करोड़ रुपये) है। विधायक ने कहा कि इन सड़कों के बनने से क्षेत्र के गाँवों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी, किसानों, व्यापारियों और आमजन को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी।अभी इसी तरह की और सड़कों की स्वीकृति भी शीघ्र मिलने वाली है। शोहरतगढ़ के सर्वांगीण विकास का यह क्रम लगातार जारी रहेगा। विधायक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार जताया।

घर मे रखीं दीमक की दवा पीने से किसान की हालत बिगड़ी

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के रमईपुर रालपुर गांव निवासी एक किसान ने मंगलवार देर शाम गलती से लोटे में रखी दीमक मारने की दवा पी ली। इससे उसकी हालत बिगड़ गई।

परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। गांव निवासी बचोले (55) ने बताया कि खेत में डालने के लिए ट्यूबवेल पर एक लोटे में दीमक मारने की दवा निकालकर रखी थी। देर शाम वह ट्यूबवेल पहुंचा।

उस समय उसे दवा रखे होने की बात याद नहीं रही। उसने गलती से लोटे में रखी दवा पी ली। दवा पीने के बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी। परिजन उसे सीएचसी लेकर पहुंचे। वहां उसका उपचार किया गया।

जेपीएस किड्स प्ले पब्लिक स्कूल में मनाया गया भाई बहन का पावन पर्व रक्षाबंधन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गुरुबक्सगंज रायबरेली। स्थित सीएस सी बाल विद्यालय (जेपीएस किड्स प्ले पब्लिक स्कूल) में आज रक्षाबंधन का त्यौहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय के संरक्षक अशोक शुक्ला, प्रबन्धक मोहित शुक्ला, डायरेक्टर रोहित शुक्ला द्वारा सभी नन्हे बच्चों भाई बहनों को इस पावन पर्व की बधाईयां एवं शुभकामनाएं दी। विद्यालय की शिक्षिकाओं ने अपनी अपनी कक्षाओं को विभिन्न प्रकार के पोस्टर, रंग बिरंगे गुब्बारों से सुसज्जित कर बड़े ही उत्साह के साथ इस कार्यक्रम को मनाया। रक्षाबंधन के अवसर पर राखी व गिफ्ट कार्ड्स मेकिंग कंपटीशन का आयोजन किया गया। जिसमें सभी छात्राओं द्वारा मनमोहक राखी बनाई गई। सभी छात्राओं ने राखी बांधकर व मिठाई खिलाकर भाई बहन के स्नेह का संदेश दिया। विद्यालय के डायरेक्टर रोहित शुक्ला ने बताया कि रक्षाबंधन केवल एक रेशम का धागा नहीं है, बल्कि यह भाई-बहन के आपसी प्रेम, अटूट विश्वास और समर्पण का प्रतीक है व रक्षाबंधन के इस पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या छवि बाजपेई ने बताया कि यह त्योहार हमें याद दिलाता है कि भाइयों का कर्तव्य केवल अपनी बहनों की रक्षा करना नहीं, बल्कि समाज की हर बेटी और महिला का सम्मान व सुरक्षा करना है व सभी को इस पर्व की ढेर सारी शुभकामनाएं दी। साथ ही इस आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित विद्यालय की शिक्षिकाएं अर्चना, आस्था, आकृति, हर्षिता, रेहा, सिमरन, दामिनी, पूजा शर्मा, भावना, किरन, पूजा दीक्षित, रंजना, नाजिया आदि समस्त स्टॉफ उपस्थित रहे।

ईद मिलादुन्नबी पर बाल्हेमऊ ऐहार में निकला जुलूसे मोहम्मदी, अमन-चैन की मांगी दुआ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। लालगंज क्षेत्र के बाल्हेमऊ ऐहार गांव में ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर बुधवार को जुलूसे मोहम्मदी शांतिपूर्ण ढंग से निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने हिस्सा लिया। हाथों में झंडियां लिए बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। बच्चे, युवा और बुजुर्ग पूरे उत्साह के साथ जुलूस में शामिल हुए।जुलूस के दौरान जगह-जगह लोगों ने स्वागत किया। आपसी सौहार्द की मिसाल देखने को मिली, जहां मुस्लिम धर्मावलंबियों के साथ हिंदू समुदाय के लोगों ने भी दुकानों के सामने जुलूस में शामिल लोगों का स्वागत किया। बच्चों को टॉफी, कोल्ड ड्रिंक, स्नैक्स, समोसे और मीठी खीर वितरित की गई।

मौलानाओं ने देश में अमन-चैन, खुशहाली और भाईचारे की दुआ की। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। दरोगा रवीन्द्र तिवारी पुलिस बल के साथ जुलूस की अगवानी करते रहे। प्रमुख मार्गों पर पुलिस बल तैनात रहा, जिससे जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।इससे पहले मंगलवार शाम को क्षेत्र में जगह-जगह मजलिस और जलसों का आयोजन किया गया। मौलाना हारुन ने तकरीर में देश के प्रति वफादारी और जरूरत पड़ने पर देश के लिए बलिदान देने की बात कही इस अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि राजेश फौजी, आशीष पाण्डेय, हाफिज अब्दुल जलील, हाफिज हारुन, समीम, मोहम्मद इस्माइल उर्फ भुट्टों, मोहम्मद शकील, मोहम्मद सरताज उर्फ सलमान, कादिर, अफरोज, जीशान, चांद मोहम्मद उर्फ छोटू, सलमान मास्टर, वारिस, नकील सहित समस्त वारसी अंजुमन कमेटी बाल्हेमऊ ऐहार के सदस्य और अन्य लोग मौजूद रहे।

खेलो इंडिया संवाद में सांसद जगदंबिका पाल ने युवाओं से खेल को जीवन का हिस्सा बनाने का किया आह्वान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु में मेरा युवा भारत सिद्धार्थनगर के तत्वावधान में 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद जगदंबिका पाल रहे। उन्होंने युवा खिलाड़ियों और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए खेलों के महत्व, अनुशासन, लक्ष्य के प्रति समर्पण और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के विभिन्न जिलों के एथलेटिक खिलाड़ियों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया है। प्रधानमंत्री का यह प्रयास देश के युवाओं में खेलों के प्रति नई ऊर्जा और विश्वास पैदा करने वाला है। उन्होंने कहा कि मोदी जी देश के पहले प्रधानमंत्री है जो अपने देश के खिलाड़ियों से सीधे संवाद कर रहे है। सांसद जगदंबिका पाल ने अपने खेल जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे स्वयं हॉकी खेल चुके हैं तथा स्टेट और विश्वविद्यालय स्तर पर प्रतिभाग कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि आज भी उनकी फिटनेस के पीछे खेलों का बड़ा योगदान है। युवाओं को प्रेरित करते हुए सांसद ने कहा कि यदि मन में जुनून और लक्ष्य को हासिल करने का जज्बा हो तो कोई भी मंजिल असंभव नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान के अनुरूप 2036 के ओलंपिक में भारत के युवा अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करें और देश के लिए स्वर्ण पदक जीतें, इसके लिए आज से ही 5 से 15 वर्ष की उम्र के बच्चों को अपना लक्ष्य तय कर पूरी मेहनत और तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। सांसद ने मेजर ध्यानचंद जैसे महान खिलाड़ियों का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अपने खेल कौशल से देश को विश्व पटल पर गौरव दिलाया। संजय साहनी धावक तथा धाविका मोनिका शर्मा को अपने खेल के क्षेत्र में योगदान देने के लिए सांसद जगदंबिका पाल ने पुरस्कृत भी किया इस अवसर पर स्पोर्ट ऑफिसर चंदन सिंह, डॉक्टर निशांत कुमार चौहान जिला युवा अधिकारी, डॉक्टर अश्वनी कुमार रजिस्टार विश्वविद्यालय, डॉक्टर देवबक्स सिंह एनएसएस समन्वयक, अपर जिला अधिकारी गौरव श्रीवास्तव, अमित उपाध्याय, रमेश मणि त्रिपाठी, राजेश शर्मा , सबलू साहनी, विजय कश्यप, मंगेश शुक्ला, रामदेव कनौजिया, धनंजय सिंह, रमेश गुप्ता, रेनू त्रिपाठी, डॉक्टर अमित साहनी आदि उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन आजःखरीदारों से गुलजार रहे बाजार दिन भर रहा भीड़

सिद्धार्थनगर। भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार शुक्रवार को है।इसे लेकर लोग काफी उत्साहित हैं।त्योहार से एक दिन पहले गुरुवार को बाज़ार में खरीदारों से खचाखच भरे रहे।खरीदारों की सबसे ज्यादा भीड़ आभूषण, कपड़े, जूते-चप्पल, मिठाई, किराना, सौंदर्य प्रसाधन, उपहार और राखियों की दुकानों पर रही। भाई-बहन का पवित्र प्रेम वैसे तो केवल एक रेशम की डोर से ही बंधा हुआ है।अब रेशमी राखी के अलावा सोने-चांदी की राखियों का भी काफी ज्यादा रिवाज बढ़ गया है। जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में रेशमी राखियों के अलावा कई प्रकार की पारंपरिक एवं फैंसी राखियों की खरीदारी के साथ सोने-चांदी की राखी भी बहनें अपने भाईयों की कलाई पर बांधने के लिए बढ़चढ़ कर खरीदती रही।

कपडा प्रेस करते समय करंट की चपेट में आई युवती, झुलसी

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के साकेत नगर मोहल्ले में बुधवार को प्रेस करते समय एक युवती करंट की चपेट में आ गई। हादसे में वह झुलस गई। भवन स्वामी और पड़ोसी किरायेदारों ने उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सलोन थाना क्षेत्र के धराई गांव निवासी महक (21) साकेत नगर में किराए के मकान में रहकर पढ़ाई करती है। बुधवार को वह कमरे में अकेली थी। कपड़ों पर प्रेस करते समय अचानक वह करंट की चपेट में आ गई। करंट लगने से वह झुलस गई। घटना की जानकारी होने पर पड़ोसी किरायेदार और भवन स्वामी मौके पर पहुंचे। उन्होंने युवती को सीएचसी पहुंचाया। वहां उसका उपचार किया गया।